महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में नहीं होता भेदभाव
- 10

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल
- 10

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए
- 11

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 12
- 12

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 306, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

NANDI mango tree

Happy Navratri

BDA APPROVED

2 BHK+STUDY Luxury Apartments

UPRERAPRJ126349/02/2024

02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

BOOKING OPEN

UPRERA Registration No.: UPRERAPRJ126349/02/2024

BDA Approved Registration No. 02102/BDA/BP/23-24/0094/19102023

Our completed projects

After the Grand Success

of Nandi Heights & Nandi Bellavista,

Nandi Group Presents

NANDI mango tree APARTMENT

CONSTRUCTION IN FULL SWING

GET 200 GRAMS OF SILVER ON EVERY BOOKING

Get assured Gift on site visit this Navaratri

Facility

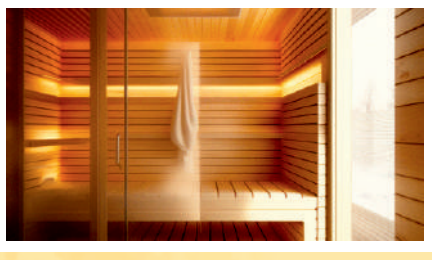

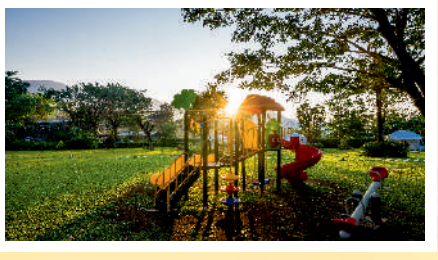

NANDI Buildtech

+91-7088048881, 82, 86

nandibuildtech@gmail.com www nandibuildtech.com

Housing Loan Available with :

State Bank of India THE BANKER TO EVERY INDIAN

Union Bank of India

इंडियन बैंक Indian Bank Taking Banking Technology to the Common Man

केनरा बैंक Canara Bank

Site Office: Nandi Mango Tree Appartment, Opp. Lane Domino's & Karamchari Nagar Chowki, Mini Bypass, Bareilly

ब्रीफ न्यूज

घायल का कराया इलाज

रोजा, अमृत विचार : भाजपा युवा मोर्चा नगर उपाध्यक्ष जितिन तिवारी ने सड़क पर घायल पड़े युवक को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। जितिन तिवारी किसी काम से रोजा जा रहे थे। इसी दौरान होंडा कॉलोनी से पहले रोड पर उन्हें एक गंभीर रूप से घायल युवक सड़क किनारे पड़ा मिला। उसने अपना नाम जागेश अग्निहोत्री निवासी विजयपुर रेती थाना रामचंद्र मिशन बताया। इसके बाद उन्होंने 112 व 108 एंबुलेंस को सूचना दी, और घायल को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया।

पीपल के पेड़ में लगी आग

परौर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव पचदेवरिया में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब नवरात्रि की पूजा कर रहे लोगों ने अचानक पीपल केपुराने पेड़ से आग की लपटें निकलते देखीं। बुधवार सुबह 10 बजे लोग पीपल के पेड़ के पास पूजा कर रहे थे, इसी दौरान आग की लपटे उठने लगी, देखते ही देखते भारी संख्या में लोग जमा हो गए। ग्रामीणों ने बताया यह पीपल का पेड़ कई वर्षों से देवस्थान के रूप में पूजनीय है। ऐसे में अचानक आग लगने से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस और परौर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

युवक ने की खुदकुशी

जैतीपुर ,अमृत विचार : एक युवक ने गृह क्लेश से तंग आकर फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। इसकी जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक रोनू (19) पांच भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मां का निधन पहले हो चुका है। बुधवार दोपहर वह घूमकर घर आया और भूसा भरे कमरे में अंदर से दरवाजा बंद कर पंखे के कुंडे में रस्सी डालकर फंदा लगा लिया। संदेह होने पर परिवार वालों ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, सफलता नहीं मिलने पर खिड़की तोड़ी, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आलू की फसल के लिए 51 समितियों को 2756 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित

एआर कोआपरेटिव बोले-रबी सीजन में किसानों को नहीं होगी खाद मिलने में दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पीसीएफ के बफर गोदाम में 6500 मीट्रिक टन फास्फेटिक खाद का स्टॉक

अमृत विचार: हालिया खरीफ सीजन के दौरान जिले के किसानों को यूरिया की किल्लत और कालाबाजारी की समस्या का सामना करना पड़ा था और हालात यह हुए कि सहकारी समितियों में पुलिस की मौजूदगी में खाद का वितरण कराना पड़ा था। इससे सबक लेते हुए जिला प्रशासन ने रबी सीजन की बुवाई प्रारंभ होने से पहले ही खाद की उपलब्धता को लेकर कवायद शुरू कर दी है, जिससे सीजन के दौरान खाद की किल्लत और कालाबाजारी जैसी समस्या फिर से न झेलनी पड़े।

1 अक्तूबर से आलू, सरसों, तोरिया आदि फसलों की बुवाई प्रारंभ हो जाएगी, जिसके बाद रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई बड़े पैमाने पर होगी। इसलिए इफको की एक रैक से प्राप्त होने वाली 2756 मीट्रिक टन डीएपी को आलू खेती बाहुल्य क्षेत्र की 51 सहकारी समितियों में भेजने के लिए डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने आवंटन कर दिया गया है। वहीं शेष सहकारी समितियों में खाद बफर गोदाम से आवश्यकतानुसार भेजी जाएगी।

नरायनपुर साधन सहकारी समिति।

जनपद में कुल 115 साधन सहकारी समितियां (पैक्स) संचालित हो रही हैं, जहां से खाद प्राप्त करने के लिए किसानों में सबसे ज्यादा होड़ रहती है। वहीं प्राइवेट दुकानों पर खाद लेने के लिए किसानों को मजबूरी में जाना पड़ता है। किसानों को खाद की आपूर्ति करने के लिए सहकारी समितियों पर बड़ी जिम्मेदारी को देखते हुए पीसीएफ के बफर गोदाम में खाद के स्टॉक और लक्षित डिमांड को लेकर अधिकारियों ने समीक्षा शुरू कर दी है। एआर कोऑपरेटिव अखिलेश प्रताप ने बताया कि जनपद को मिलने वाली एक रैक इफको डीएपी 2756 मीट्रिक टन और पीसीएफ बफर गोदाम में लगभग 6500 मीट्रिक टन फास्फेटिक खाद उपलब्ध है। इस प्रकार किसानों के लिए कुल 9200 मीट्रिक टन फास्फेटिक खाद उपलब्ध हो जाएगा। फास्फेटिक खाद में डीएपी के अलावा एनपीके शामिल है। उधर, जिला कृषि अधिकारी विकास किशोर ने बताया कि रबी सीजन के दौरान डीएपी 22993 मीट्रिक टन डीएपी के वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अब तक 21403 मीट्रिक टन डीएपी की उपलब्धता हो चुकी है, जिसमें से करीब 16 हजार मीट्रिक टन डीएपी का वितरण किसानों में किया जा चुका है।

इन 51 समितियों में भेजी जाएगी डीएपी

ब्लाक कांट की कुरिया कलां समिति, ब्लाक खुटार की रोतापुर कला, नारायणपुर विक्रमपुर, मलिका , नारायणपुर विक्रमपुर, नरौठा हंसराम, लालपुर, चांदपुर, हरिहरपुर प्रतापपुर ,पुनौती खुर्द, ब्लाक खुदागंज बाजपुर कुमरखा, अकबरिया, रामपुर उत्तरी, ब्लाक जलालाबाद- गुरूगवां, ठींगरी, पीटारमऊ गुलरिया, ब्लाक जैतीपुर, सूरजपुर, गोविंदपुर, गढ़िया रंगीन, डभौरा सिमरा, ब्लाक तिलहर में राजनपुर ,समधाना बतलाइया रूजवारी, ढकिया रघा, लाखोह, संघ तिलहर, संघ ढकिया रघा, ब्लाक ददरौल में चांदापुर, ढाका उधरनपुर, पिंगरी पिंगरा, मौजपुर, ब्लाक निगोही में बी-पैक्स निगोही, नारायणपुर जाठिया, अंडखेड़ा, हटा दलेलपुर, ब्लाक पुवाया में पकड़िया हकीम, बड़ागांव, ब्लाक बंडा में सुंदरपुर जमुनिया, ददूरी, ब्लाक भावलखेड़ा में भावलखेडा, कनेंग, सेहरामऊ दक्षिणी, पैना बुजुर्ग, ब्लाक मदनापुर में बरी खास, लश्करपुर, ब्लाक मिर्जापुर में बनगांव और ब्लाक सिधौली में कोटाबारी, बिलंदपुर, गद्दीपुर, नगरिया, प्रयागपुर, रामपुर, तहरपुर कुतुआपुर, रखिया बुजुर्ग, संघ सिधौली, संघअरेली पर भेजी जाएगी।

मिशन शक्ति 5.0 : एनीमिया के खिलाफ ऐतिहासिक अभियान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह।

- एक दिन में 3.6 लाख महिलाएं बनीं सहभागी
- जवाबदेही की नई पहल: खाली पैकेट लौटाने पर हर 11वें दिन मिलेगी नई स्ट्रिप

अमृत विचार: मिशन शक्ति 5.0 के तहत एनीमिया के खिलाफ अनोखा और ऐतिहासिक अभियान चलाकर नई मिसाल कायम की गई है। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह सिंसिनवार के नेतृत्व में हुए इस अभियान में एक ही दिन में 3.6 लाख महिलाओं ने पूरे जिले में आयरन फोलिक एसिड की गोली का नींबू पानी के साथ सेवन किया। यह न सिर्फ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि यह दिखा गया कि सामूहिक प्रयास से बड़ी से बड़ी चुनौतियों का समाधान संभव है।

इस अभियान में जिले के 1,068 पंचायत भवन, 2,267 विद्यालय, 2,663 आंगनबाड़ी केंद्र, 300 आरोग्य मंदिर और 300 से अधिक निजी विद्यालय व महाविद्यालय इसमें शामिल हुए। अधिकारियों, चिकित्सकों और फ्रंटलाइन वर्कर्स ने स्वयं गोली लेकर अभियान की शुरुआत की और देखते-ही-देखते लगभग 3.6 लाख महिलाओं ने इस मुहिम में भाग लिया। अभियान की विशेष व्यवस्था यह रही कि हर महिला को आईएफए गोली की एक स्ट्रिप निःशुल्क दी गई। सेवन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए यह तय किया गया है कि महिलाएं खाली ब्लिस्टर पैकेट पंचायत भवन में लौटाएं और हर 11वें दिन नई स्ट्रिप प्राप्त करें। इस व्यवस्था ने अनुशासन और जवाबदेही दोनों को मज़बूती दी है। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को आसान तरीके से समझाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। महिलाओं को बताया गया कि गोली को चाय, काफी या कैल्शियम के साथ न लें, बल्कि आंवला, खट्टे फल या नींबू पानी के साथ लेने पर इसका असर कई गुना बढ़ जाता है। इस तरह विज्ञान और परंपरा को जोड़कर संदेश को सरल और यादगार बनाया गया।

अभियान को आधुनिक रूप देने के लिए डिजिटल सुविधा भी जोड़ी गई। महिलाओं के पंजीकरण के लिए पोर्टल बनाया गया, जहां से वे अपना प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकती थीं। अभियान के दिन दोपहर दो बजे तक ही 2.65 लाख प्रमाणपत्र डाउनलोड किए जा चुके थे। प्रमाणपत्र पर यूनिक नंबर दर्ज था, जिसके आधार पर प्रतिभागियों को लकी ड्रा में शामिल किया गया। इसमें फ्रिज, वाशिंग मशीन और टेलीविज़न जैसे आकर्षक उपहार रखे गए। सुविधा आसान बनाने के लिए घर-घर क्यूआर कोड भी पहुंचाए गए। युवाओं और आम जनता की सहभागिता बढ़ाने के लिए रंगोली, फोटोग्राफी और सोशल मीडिया प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इससे अभियान केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि पूरे जिले का सामूहिक आंदोलन बन गया। शाहजहांपुर की यह पहल साबित करती है कि प्रशासन, समाज और विज्ञान जब साथ मिलकर काम करते हैं, तो बदलाव की नई कहानी लिखी जा सकती है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत हुआ यह प्रयास पूरे प्रदेश और देश के लिए एक प्रेरणादायी माडल बनकर सामने आया है।

पटाखा व्यापारियों ने किया विरोध

जलालाबाद, अमृत विचार: दीपावली से पहले जलालाबाद में पटाखा व्यापारियों और प्रशासन के बीच बहस शुरू हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि 30 साल से वे काकोरी शहीद इंटर कॉलेज के मैदान में अपनी दुकानों के माध्यम से व्यापार करते आए हैं। हाल ही में प्रशासन ने आदेश दिया है कि इस वर्ष से दीपावली पर पटाखों की दुकानों को रामलीला मैदान में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे व्यापारियों में असंतोष है। उन्होंने बुधवार सुबह क्षेत्रीय विधायक हरि प्रकाश वर्मा को ज्ञापन सौंपकर विरोध दर्ज कराया।

जलालाबाद के पुराने अस्पताल पर जिला पंचायत का ही स्वामित्व

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- कब्जा हटाने गई टीम से कब्जेदारों के अभद्रता करने का मामला

अमृत विचार: जलालाबाद स्थित पुराने अस्पताल पर अवैध कब्जा हटाने गई टीम के साथ कब्जेदारों द्वारा अभद्रता किए जाने के मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन जिला पंचायत सभागार में प्रेसवार्ता करके पुराने अस्पताल पर स्वामित्व को लेकर स्थिति साफ कर दी गई है।

जलालाबाद में स्थित पुराने अस्पताल से कब्जा हटाने के लिए डीएम की ओर से टीम गठित की गई थी, जिसके बावजूद अवैध कब्जेदार वीरेंद्र सिंह व अजय प्रताप ने अपने साथियों के बल पर हंगामा खड़ा कर दिया था और वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव के खिलाफ अर्नगल आरोप लगाकर छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया था। इस मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया है कि जलालाबाद स्थित पुराना अस्पताल गाटा संख्या 456 जिला पंचायत शाहजहांपुर के अधीन नजूल संपत्ति है। इस पर वीरेंद्र सिंह और अजय प्रताप का कोई वैधानिक अधिकार या आवंटन नहीं है। साथ ही बताया कि इ भूमि को अब तक किसी संस्था के नाम हस्तांतरित भी नहीं किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि इसका स्वामित्व जिला पंचायत के पास ही है।

महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में नहीं होता भेदभाव
- 10

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल
- 10

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए
- 11

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 12

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 306, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा का निधन

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एसएल भैरप्पा का बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। राष्ट्रोत्थान अस्पताल ने कहा कि महान भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक, पद्म श्री, पद्मभूषण और सरस्वती सम्मान से सम्मानित एसएल भैरप्पा को आज अपराह्न 2:38 बजे दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। भैरप्पा लोकप्रिय उपन्यासों वंशवृक्ष, दातू, पर्व, मंदरा आदि के लिए जाने जाते हैं।

71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 माओवादियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें से 30 नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बस्तर संभाग में चलाए जा रहे आत्मसमर्पण तथा पुनर्वास अभियान पूना मारगेम और दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर कुल 64 लाख रुपये के 30 इनामी माओवादियों सहित 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सीडीएस का कार्यकाल 30 मई तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने रक्षा क्षेत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल अगले वर्ष 30 मई तक बढ़ा दिया। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने जनरल चौहान का कार्यकाल बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जनरल चौहान 30 मई 2026 तक या अगले आदेश तक सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की एक दुर्घटना में मौत के बाद 28 सितंबर 2022 को सीडीएस नियुक्त किया गया था।

अंतर्राज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक अवैध हथियार और गोला-बारूद गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, पांच सिंगल-शॉट पिस्तौल और 210 कारतूस बरामद किए गए। यूपी के मुरादाबाद में कारतूस निर्माण फैक्ट्री भी पकड़ी। जहां से कच्चा माल, कारतूस बनाने के उपकरण 257 कारतूस, बारूद जब्त की गई।

रेलवे के 10.9 लाख कर्मचारियों को दिवाली बोनस, छह प्रोजेक्ट मंजूर

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में हुए फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों को दिवाली बोनस समेत 94,916 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। जिसमें बिहार में रेलवे दोहरीकरण, फोर लोन सड़क निर्माण के अलावा देश में जहाज निर्माण एवं समुद्री विकास, सीएसआईआर योजना की स्वीकृति के साथ चिकित्सकीय शिक्षा को विस्तार देना शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 10.9 लाख रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी है।

सरकार की ओर से कहा गया कि कुल बोनस राशि 1,886 करोड़ रुपये है। यह बोनस 10,91,146 रेलवे कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए स्वीकृत किया गया है। पात्र रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा और दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से 10.9 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार हेतु रेल कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में पीएलबी भुगतान किया जाता है। प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपये है। यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेन्टेनर, ट्रेन चालक, ट्रेन प्रबंधक (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, पॉइंट्समैन, मंत्रालय में तैनात कर्मचारियों और ग्रुप-सी के अन्य कर्मचारियों को दी जाएगी।

जहाज निर्माण, समुद्री विकास को 69,725 करोड़

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में जहाज निर्माण और समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। यह पहल रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन देने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और आपूर्ति शृंखलाओं को लचीला बनाने में भी मददगार होगी। इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे।

एमबीबीएस और पीजी में सीटों को बढ़ाने पर मुहर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा केंद्रीय और राज्य सरकार के चिकित्सा महाविद्यालयों को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 5,000 स्नातकोत्तर (पीजी) सीट बढ़ाने की योजना के तीसरे चरण को बुधवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को उन्नत करने के वास्ते 5,023 एमबीबीएस सीट बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजना के विस्तार को भी मंजूरी दी गई। इस पहल से स्नातक चिकित्सा क्षमता में वृद्धि होगी, अतिरिक्त स्नातकोत्तर सीट सृजित करके विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी।

सीएसआईआर की 2,277 करोड़ की योजना स्वीकृत

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपये की एक व्यापक योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277.397 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास को मंजूरी दी गई।

लद्दाख में हिंसक झड़पों में 4 की मौत 40 पुलिसकर्मियों सहित 80 घायल

राज्य का दर्जा मांग रहे लोगों ने भाजपा कार्यालय में की तोड़फोड़

लेह, एजेंसी

- स्थिति संभालने को पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग, निषेधाज्ञा लागू

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को यहां जारी आंदोलन हिंसक हो गया। इस दौरान सड़कों पर आगजनी और झड़पें हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 40 पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 80 लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

बुधवार सुबह की शुरुआत लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के साथ हुई। सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की गई, फर्नीचर तोड़ दिए गए, कागजातों में आग लगा दी गई। कई वाहनों को भी आग आग के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा व्यापक हिंसा शुरू करने के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कांग्रेस नेता एवं पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग पर मंगलवार को भड़काऊ भाषण देने के लिए मामला दर्ज किया गया। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया था क्योंकि 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लेह स्थित भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद निकलता धुंआ।

सोनम वांगचुक ने हड़ताल वापस ली

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को वापस ले ली। वांगचुक ने आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में एकत्र अपने समर्थकों से कहा कि मैं लद्दाख के युवाओं से हिंसा तुरंत रोकने का अनुरोध करता हूं क्योंकि इससे हमारे उद्देश्य को नुकसान पहुंचता है।

सोनम वांगचुक ने बयानों से भीड़ को उकसाया

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को आरोप लगाया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के भड़काऊ बयानों की वजह से भीड़ की हिंसा भड़की और कुछ राजनीति रूप से प्रेरित लोग सरकार और लद्दाखी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत में हुई प्रगति से खुश नहीं हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को सुबह हुई कुछ घटनाओं को छोड़कर, स्थिति पर शाम चार बजे तक काबू पा लिया गया।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न, धर्मगुरु पर मामला दर्ज

- दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का संचालक रहा है चैतन्यानंद

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी प्रतिष्ठित धार्मिक संगठन से जुड़े रहे एक स्वयंभू धर्मगुरु पर यहां एक प्रबंधन संस्थान की कई छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी फरार है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में संचालक था। पुलिस को संस्थान से नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली वोल्वो कार भी मिली, जिसका इस्तेमाल सरस्वती करता था। उसके खिलाफ 2009 में डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था, जबकि 2016 में वसंत कुंज थाने में छेड़छाड़ की एक और शिकायत दर्ज की गई थी। ताजा मामले में शिकायत चार अगस्त को वसंत कुंज उत्तर थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस ने श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में पीजीडीएम कर रही 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए। इनमें से 17 ने आरोप लगाया कि सरस्वती ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, अश्लील संदेश भेजे। संस्थान में कार्यरत तीन महिलाओं पर छात्राओं पर उसकी मांगें मानने के लिए दबाव डालने का आरोप है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और बाद में 16 पीड़ितों ने मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी।

लुक आउट नोटिस जारी, पांच राज्यों में छापेमारी

दिल्ली पुलिस स्वामी चैतन्यानंद की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है, ताकि वह देश छोड़कर भाग न सके। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में पुलिस की टीमें बाबा की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। यह कार्रवाई पीड़ित छात्राओं के गंभीर आरोपों के बाद शुरू की गई है। छात्राओं का कहना है कि चैतन्यानंद उन्हें नंबर कम करने और फेल करने की धमकी देकर अपने कमरे में बुलाता था। जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी ने खुद को चैतन्यानंद सरस्वती से अलग कर लिया है। इससे पहले सरस्वती इसी पीठ से जुड़ा था।

सीबीएसई कक्षा 10 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए अस्थायी डेटशीट की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने दी बाजार को ताकत : मुख्यमंत्री

लखनऊ के हजरतगंज में बुधवार को एक दुकान पर स्टिकर लगाते मुख्यमंत्री योगी।

- योगी बोले जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी मुक्त नोटबुक-पेंसिल पर शून्य कर
- ज्यादातर घरेलू सामान पर कर घटाकर किया गया शून्य या पांच प्रतिशत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जीएसटी सुधार से सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश के व्यापारियों, ग्राहकों को मिलने जा रहा है। इस घोषणा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने बाजार में नई ऊर्जा भर दी है। योगी ने बताया कि जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी से मुक्त कर दी गई हैं, वहीं नोटबुक-पेंसिल पर जीएसटी शून्य हो जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी सस्ती हुई है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर के पास पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटे जीएसटी दरों से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इस सुधार ने जहां उपभोक्ताओं को राहत दी है, वहीं बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या पांच प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। मुख्यमंत्री ने हजरतगंज मार्केट में व्यापारियों और उपभोक्ताओं से मुलाकात की। जीएसटी सुधार से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए।

देश का जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है और इस सुधार से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन सात लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से 1.15 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है।

निवेश, नवाचार और संस्कृति के महाकुंभ का आज होगा आगाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे यूपीआईटीएस की शुरुआत
- 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार आने की उम्मीद

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तीसरे संस्करण की शुरुआत करेंगे। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपीआईटीएस में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार क्षमताओं का भव्य प्रदर्शन होगा। इस मेगा आयोजन का उद्देश्य केवल निवेश और व्यापार को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और युवाओं, उद्यमियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए फ्यूचर-रेडी प्लेटफॉर्म तैयार करना भी है।

इस बार 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार और 5 लाख से अधिक विजिटर्स के आने की उम्मीद है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पवेलियन 343 स्टॉल्स के माध्यम से हर जिले के सिग्नेचर प्रोडक्ट्स को पेश करेगा। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, मुरादाबाद का मेटलवेयर और सहारनपुर की नक्काशी जैसे उत्पाद लोकल से ग्लोबल की यात्रा को नई दिशा देंगे। यूपीआईटीएस में न केवल व्यापार का मंच होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी जीवंत प्रदर्शन करेगा। आगंतुक भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू लोक परंपराओं के रंगीन प्रदर्शन के साथ सूफी गायन, कथक नृत्य और सुगम संगीत का भी आनंद लेंगे।

रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग से मिलेंगे नए अवसर

लखनऊ। इस बार रूस आयोजन के साथ बतौर पार्टनर कंट्री सम्मिलित हो रहा है। 26 सितंबर को रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत और रूस के उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी नीति-निर्माताओं के लिए साझा मंच उपलब्ध होगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीकी साझेदारी और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करने का यह अवसर उत्तर प्रदेश के उद्योगों और कारोबारियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

उसी दिन सुनवाई तब, जब मामला फांसी का हो

नई दिल्ली, एजेंसी

- मामले तत्काल सूचीबद्ध करने की अपीलों पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि वह उस समय तक किसी मामले को उसी दिन तत्काल सूचीबद्ध करने का आदेश नहीं देंगे, जब तक कि किसी को फांसी न दी जा रही हो। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या कोई न्यायाधीशों की स्थिति समझता है और यह जानता है कि वे कितने घंटे काम करते हैं तथा कितने घंटे सो पाते हैं।

न्यायमूर्ति कांत उस पीठ का नेतृत्व कर रहे थे, जो तत्काल सुनवाई के लिए मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह भी शामिल थे। सीजेआई बीआर गवई आमतौर पर ऐसे मामलों की सुनवाई करते हैं। वह पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ में बैठते हैं। उनके उपलब्ध न होने पर दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश मामलों को सूचीबद्ध करने पर सुनवाई करते हैं। न्यायमूर्ति कांत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने उल्लेख किया कि राजस्थान में एक आवासीय मकान की आज नीलामी होगी और इसलिए मामले को आज ही सूचीबद्ध किया जाए। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जब तक किसी को फांसी नहीं होने वाली हो, मैं किसी भी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।

ईडी के समक्ष पेश हुए अभिनेता सोनू सूद

नई दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद प्रतिबंधित ऑनलाइन एप 1एक्सबेट से जुड़े धन शोधन मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी का विशेष दल अभिनेता से पूछताछ कर रहा है और यह पूछताछ सात-आठ घंटों तक चल सकती है। इसी मामले में कल पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और गंदी बात वेब सीरिज की अभिनेत्री अन्वेशी जैन से भी पूछताछ की गई थी। एजेंसी ने अब तक पूछताछ के लिए कई मशहूर हस्तियों को तलब किया है। एजेंसी ने बंगाली अभिनेता अंकुश हजारा से पूछताछ की थी।

- सट्टेबाजी एप मामले में एजेंसी ने की पूछताछ

ऐतिहासिक शोध | आईआईटी रुड़की ने किया अमृता विश्व विद्यापीठम एवं स्वीडन के उप्साला विवि के साथ अध्ययन

केदारनाथ-रामेश्वरम तक 8 शिवालय एक ही अक्ष रेखा पर स्थित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- पुरातन सभ्यताओं को रही है प्रकृति और स्थायित्व की गहरी समझ

अमृत विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक विश्लेषण को जोड़ते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रुड़की के शोधकर्ताओं ने अमृता विश्व विद्यापीठम (भारत) एवं उप्साला विश्वविद्यालय (स्वीडन) के सहयोग से ऐतिहासिक अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि देश भर के आठ प्रमुख शिव मंदिरों का स्थान न केवल गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि जल, ऊर्जा और खाद्य उत्पादकता के उच्च केंद्रों से भी मेल खाता है।

ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज कम्युनिकेशंस (नेचर पोर्टफोलियो) में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, केदारनाथ (उत्तराखंड) से लेकर रामेश्वरम (तमिलनाडु) तक ये मंदिर 79 पूर्वी

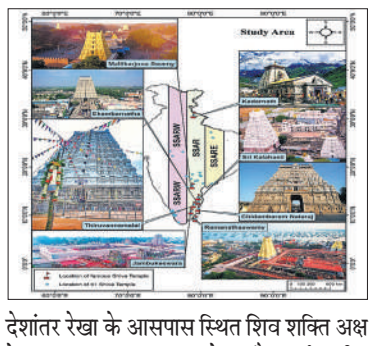

देशांतर रेखा के आसपास स्थित शिव शक्ति अक्ष रेखा पर पाए गए। उपग्रह डेटा और पर्यावरणीय विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि यह संरेखण जल संसाधन उपलब्धता, कृषि उपज और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समृद्ध क्षेत्रों में हैं।

आस्था स्थल ही नहीं, पंचभूत के प्रतीक

अध्ययन में बताया गया कि ये मंदिर केवल आस्था स्थल ही नहीं बल्कि पंचतत्वों (पंचभूत) के प्रतीक और संसाधन नियोजन के सभ्यतागत संकेतक भी रहे होंगे। प्रमुख लेखक भाबेश दास ने कहा कि प्राचीन मंदिर निर्माता पर्यावरण योजनाकार भी थे, जिनके निर्णय भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों की गहरी समझ से प्रेरित थे।

विरासत और जलवायु के बीच बने सेतु

सह-अन्वेषक प्रो. थंगा राज चेलिया ने इसे एक उल्लेखनीय अंत:विषय सहयोग बताया, जो विरासत और जलवायु लचीलेपन के बीच सेतु का काम करता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, यह निष्कर्ष दर्शाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर में रणनीतिक पर्यावरणीय अंतर्दृष्टि निहित है, जिसे आज सतत विकास और जलवायु चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए पुन: लागू किया जा सकता है।

मुख्य अन्वेषक प्रो. के.एस. काशीविश्वनाथन (डब्ल्यूआरडीएम विभाग, आईआईटी रुड़की) ने कहा कि यह शोध दर्शाता है कि प्राचीन भारतीय सभ्यताओं को प्रकृति एवं स्थायित्व की गहरी समझ रही होगी, जिसने मंदिर निर्माण के स्थान चयन में मार्गदर्शन दिया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि यह अध्ययन इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

पति से विवाद के बाद महिला लापता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : परशुरामपुर गांव में एक महिला का पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसकी पत्नी नौ माह की बेटी को घर पर छोड़कर लापता हो गई। मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव परशुरामपुर निवासी बलराम सिंह का पत्नी मनीषा से सोमवार को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। वह शाम को घर पर आया तो परिवार वालों ने बताया मनीषा नौ माह की बेटी को छोड़कर कही चली गई है। उसके पति ने उसकी तलाश की और कहीं पता नहीं चला। उसने ससुराल बरेली के गांव मकरंदपुर में सूचना दी। उसकी ससुराल वाले यहां आए और जानकारी करने के बाद थाना पर गए। नन्हे सिंह ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी को पति आए दिन मारता पीटता था। उसने बेटी की गुमशुदगी की तहरीर दी है। पुलिस लापता महिला की तलाश कर रही है।

घायल युवक की अस्पताल में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी थाना के गांव पड़सर निवासी 24 वर्षीय रमेश कुमार मंगलवार की शाम आठ बजे शहर से मोहम्मदी जा रहा था। मोहम्मदी रोड पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल को मेडिकल कालेज लाया। बुधवार की दोपहर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क हादसे में दो लोग घायल

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : हरदोई जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र के गांव हुसैनापुर निवासी अनुज कुमार और विशाल कुमार शाम छह बजे बाइक पर सवार होकर आ रहे थे। हरदोई रोड पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। चालक वाहन लेकर भाग गया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

आयुष्मान भारत योजना में जरूरतमंदों के गुणवत्तापूर्ण इलाज का मिला इनाम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सम्मान पत्र देते सीएमओ डॉ. विवेक कुमार मिश्रा और आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी डॉ. घनश्याम। ● अमृत विचार

- उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल को मिला सम्मान

अमृत विचार : वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय बंथरा शाहजहांपुर के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल को भारत सरकार की ओर से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि 23 सितंबर को शाहजहांपुर जनपद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी भवन में आयोजित विशेष समारोह में दी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा और आयुष्मान भारत योजना जिला शाहजहांपुर के नोडल अधिकारी डॉ. घनश्याम की ओर से सम्मान पत्र दिया गया। समारोह में वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल की ओर से यह सम्मान उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान ने प्राप्त किया। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि संस्थान ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर समाज में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा ने कहा आयुष्मान भारत योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है और वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल ने इस उद्देश्य को पूरी निष्ठा और इमानदारी से पूरा किया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संस्थान की कार्यशैली की सराहना करते हुए इसे अन्य अस्पतालों के लिए आदर्श बताया। इस उपलब्धि पर संस्थान के प्राचार्य एवं डीन डॉ. (कर्नल) रवीन्द्र नाथ शुक्ल ने कहा "वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल की यह उपलब्धि वास्तव में चिकित्सा शिक्षा और सेवा के उच्च मानकों का परिचायक है। यह सम्मान हमें केवल गर्व ही नहीं देता, बल्कि हमारी ज़िम्मेदारी भी और बढ़ा देता है। हम चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर गुणवत्ता सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव पवार ने इस सम्मान को टीम वर्क की मिसाल बताते हुए कहा हमारी नर्सिंग टीम, चिकित्सक और अन्य सभी सहयोगियों ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक मरीज को निःशुल्क, प्रभावी और समयबद्ध सेवा प्रदान की। यही कारण है कि हमारा संस्थान आज समाज में एक विश्वसनीय नाम बन चुका है। यह सम्मान हम सभी के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। इसी क्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने भी संयुक्त रूप से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल चिकित्सा सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और प्रशिक्षु चिकित्सकों के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण है। यह उपलब्धि उन्हें यह सिखाती है कि चिकित्सा पेशा केवल उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम भी है।

उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा यह पुरस्कार पूरे संस्थान के समर्पण और मेहनत का परिणाम है। हमारी कोशिश हमेशा यहीं रही है कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आने वाले हर मरीज को सर्वोत्तम और समय पर इलाज मिले। यह सम्मान हमारे लिए प्रेरणा है कि हम और अधिक समर्पण के साथ कार्य करें। प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रमाण पत्र हमारे विवि और अस्पताल के लिए गर्व का विषय है। इससे हमें यह विश्वास मिलता है कि हमारी टीम का प्रयास सही दिशा में है और हम समाज की सेवा में लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं। वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान भारत कार्ड निःशुल्क बनाए जा रहे हैं, जिससे विशेष रूप से बड़ी सुविधा मिल रही है।

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय प्रबंधन चांसलर डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने संयुक्त वक्तव्य जारी करते हुए कहा "वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल को भारत सरकार की ओर से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला यह सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि हमारे संस्थान की सामाजिक प्रतिबद्धता और सेवा भावना का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हम उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी श्री ललित कुमार चौहान और पूरी चिकित्सा टीम की सराहना करते हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और सेवा भाव से इस सम्मान को अर्जित किया। हमें विश्वास है कि भविष्य में भी हमारा संस्थान इसी तरह समाज और राष्ट्र की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

सकारात्मक बदलाव से कैंसर से बचाव संभव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल में आयोजित कैंसर जांच शिविर में मौजूद डॉक्टर्स व स्टाफ। ● अमृत विचार

- वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल में विशेष कैंसर जांच शिविर लगा

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय बंथरा शाहजहांपुर के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हास्पिटल में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" के आठवें दिन कैंसर जांच शिविर लगाया गया, जिसमें मुख्य रूप से स्तन कैंसर, मुख कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर समेत अन्य कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और रोकथाम पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया नियमित जांच, संतुलित आहार और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव है। शिविर में निःशुल्क जांच और परामर्श भी दिया गया।

इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन जनरल सर्जरी विभाग और दंत चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसने महिला स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक नई मिसाल कायम की। प्राचार्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा "जनरल सर्जरी और दंत चिकित्सा विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित यह कैंसर जांच शिविर हमारे अभियान का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कैंसर का भय केवल जानकारी के अभाव में है। यदि महिलाएं और आमजन समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराएं तो रोग का प्रारंभिक अवस्था में निदान और इलाज संभव है। विश्वविद्यालय सदैव ऐसे प्रयास करता रहेगा ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक भी स्वास्थ्य सेवाएं और जागरूकता पहुंच सके।" चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव पवार ने कहा आज कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, यदि समय रहते जांच और उपचार हो जाए तो यह पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुवीर भोसले ने कहा स्तन कैंसर और अन्य सामान्य कैंसर शुरुआती अवस्था में पहचाने जा सकते हैं, उनका इलाज भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है। हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक महिलाएं इस विषय में सजग हों और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लें। दंत चिकित्सा विभाग की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रिया मिश्रा ने कहा कि मुख कैंसर आज ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती समस्या है, जिसका मुख्य कारण तंबाकू, गुटखा और अस्वस्थ आदतें हैं। यदि लोग इनसे परहेज करें और समय पर ओरल कैंसर की जांच कराएं, तो इसे रोका जा सकता है। प्लास्टिक सर्जन डॉ. केशव कुमार ने कहा कि कैंसर केवल जानलेवा बीमारी नहीं है, बल्कि यह रोगी और उसके परिवार के जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम में 800 से अधिक महिलाओं ने निःशुल्क जांच सुविधाओं का लाभ उठाया । कार्यक्रम में उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र गुप्ता, डॉ. एनएम माथुर, डॉ.राजीव रंजन, गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता, डिजिटल मीडिया प्रभारी सचिन चौहान सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय प्रबंधन चांसलर डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने संयुक्त वक्तव्य जारी करते हुए कहा "हम सभी इस कैंसर जांच शिविर की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहे हैं। महिला स्वास्थ्य और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर समाज को जागरूक करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। यह आयोजन केवल चिकित्सा सेवा का नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का उदाहरण है। हम जनरल सर्जरी और दंत चिकित्सा विभाग की पूरी टीम, फैकल्टी सदस्यों, छात्रों और सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने अपनी लगन और समर्पण से इस आयोजन को सफल बनाया। विश्वविद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार की जनकल्याणकारी पहलें करता रहेगा।

शिव धनुष मंचन देख लोग अभिभूत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

खिरनीबाग रामलीला में मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

- सीता के श्रीराम को वरमाला पहनाने के दृश्य पर गूंजे मंगल गीत

अमृत विचार: नवचेतना कला परिषद की ओर से बुधवार को रामलीला मंच पर सीताराम प्रथम मिलन और धनुष यज्ञ का भव्य मंचन किया गया। इस लीला प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और भगवान राम-माता सीता के अनमोल क्षणों को सजीव कर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ श्रीराम और लक्ष्मण के जनकपुर भ्रमण से हुआ। पुष्पवाटिका में सीता द्वारा गौरी पूजन का दृश्य अत्यंत मार्मिक रहा। जब श्रीराम ने शिवधनुष तोड़ दिया तो उसके टंकार के बाद परशुराम का प्रकट होना और लक्ष्मण से संवाद दर्शकों के बीच कौतूहल का विषय रहा। अंततः परशुराम ने श्रीराम को विष्णु अवतार के रूप में पहचाना। सीता द्वारा राम को विजय माला पहनाने के दृश्य पर पूरी रामलीला गूंज उठी। इस मंचन में सचिन राम, अर्चित लक्ष्मण, अनिल शर्मा परशुराम, राम सिंह रावण, प्रियंका सीता, ऋषभ विश्वामित्र सहित अन्य कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज पटेल ने की। निर्देशन की जिम्मेदारी संजय सक्सेना, अनिल शर्मा और राकेश श्रीवास्तव ने संभाली। महाआरती में शहर के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में मेला समिति और परिषद के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

परामर्श केंद्र पर तीन दंपत्तियों में सुलह

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुलिस महिला परामर्श केंद्र पर 30 पत्रावली की सुनवाई की गई, जिसमें तीन दंपती का समझौता हुआ।

मदनापुर की एक महिला का पति आए दिन उसे मारा पीटा करता था। वह मायके में रह रही थी। तिलहर थाना क्षेत्र के एक दंपती की शादी को डेढ़ साल हुए है। पति से परेशान होकर महिला दो माह से मायके में थी। कांट थाना क्षेत्र के एक दंपती की शादी को तीन साल हो गए। पति की मारपीट से वह मायके में रह रही थी। तीनों पक्षों को केंद्र में बुलाया गया। जहां बातचीत के बाद तीनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। इस अवसर पर मुख्य आरक्षी चंद्रकांता, महिला सिपाही पिंकी, मोनिका आदि मौजूद रही।

एनीमिया मुक्त अभियान के तहत शिक्षिकाओं को दी आयरन की खुराक

शाहजहांपुर, अमृत विचार: डीएम व सीडीओ के निर्देशानुसार एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर अभियान लगातार जारी है। विकास खंड भावलखेड़ा के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी शिक्षिकाओं को आयरन की गोली खिलाई गई। आयोजकों ने शिक्षिकाओं को नींबू पानी के साथ आयरन की गोली दी और उनसे कहा कि वे अपने विद्यालयों में बच्चों को प्रत्येक सप्ताह आयरन टेबलेट अवश्य खिलाएं। साथ ही ग्रामीणों को भी जागरूक करें। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी विनय कुमार मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री देवेश बाजपेई, ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, एआरपी मंजू देवी, नितेन्द्र शर्मा, अनिल द्विवेदी, पंकज कुमार एवं अजय माथुर मौजूद रहे।

नाली बंद करने से रास्ते पर भरा गंदा पानी, मुख्यमंत्री से शिकायत

नाली के पानी के निकास को लेकर प्रार्थना पत्र लेकर थाने पहुंचीं महिलाएं।

संवाददाता, खुटार

- प्रधान, एसडीएम से मिली निराशा, लेखपाल ने विरोधियों के पक्ष में की पैमाइश

अमृत विचार : नाली बंद कर कब्जा करने से रास्ते पर गंदा पानी भर गया है। इससे निकास की परेशानी हो रही है। महिलाओं ने कहा गांव के दो लोगों ने नाली को बंद कर दिया और घरों का पानी रास्ते पर भरता जा रहा है। विरोध किया तो गाली-गलौज और मारपीट पर आमादा हो जाते है। आरोप है कि खुटार थाने के कई चक्कर काटे, प्रधान, एसडीएम से शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा लेखपाल ने विरोधियों के पक्ष में पैमाइश कर दी।

बुधवार को पीड़ित महिलाओं ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। खुटार ब्लॉक की ग्राम सभा नवदिया छुटई पांडेय निवासी रेशमा पत्नी सुरेश, रेखा पत्नी सकटे, पूनम पत्नी रावेंद्र, सरवती पत्नी चंद्रसेन आदि पीड़ितों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत में बताया घरों से निकलने वाला पानी नालियों से होकर तालाब में जाता है। लेकिन दो लोगों ने जबरन नाली बंद कर दी। जिससे पानी रास्ते में भर रहा है। जिससे रास्ता बंद हो गया है। जबकि मुख्य मार्ग पर आधा खड़ंजा व कच्चा बना है। पीड़ितों ने इसकी शिकायत उक्त लोगों से की तो गाली-गलौज करने लगे। इस मामले में प्रधान से शिकायत कर रास्ता और नाली बनवाने को कहा। लेकिन प्रधान टाल-मटोल कर जानबूझकर कोई काम नहीं कराया। नाली बंद करने को लेकर खुटार थाने में कई बार शिकायत की और चक्कर काटे।फिर भी कार्रवाई नहीं की गई और उक्त के लोगों के हौसले बुलंद हैं। जिस वजह से उक्त लोग अपनी घर की महिलाओं को आगे कर पिटाई करने पर आमादा हो जाते है और झूठी तहरीर देते है। इसके अलावा लेखपाल ने नाली की पैमाइश विरोधी पक्ष में की। लेखपाल ने पैसे लिए है। इससे पीड़ित परेशान है। बुधवार को पीड़ितों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस मामले को संज्ञान में लेकर कार्यवाई कराने की गुहार लगाई है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

तृतीय चंद्रघंटा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।

बीज मंत्र...ऐं श्रीं शक्तयै नमः।

न्यूज ब्रीफ

छेड़छाड़ पीड़िता को सब इंस्पेक्टर ने दी धमकी

जलालाबाद,अमृत विचार : 16 सितंबर को कॉलेज जा रही एक छात्रा से एक युवक ने मारपीट और छेड़छाड़ की थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक काजल को सौंपी। पीड़िता के पिता का आरोप है कि विवेचना के दौरान सब इंस्पेक्टर बार-बार पीड़िता का बयान लेने के साथ मानसिक उत्पीड़न कर रही हैं। साथ ही पीड़िता को धमकी दी जा रही है कि आरोपी के खिलाफ बयान देने पर उसे जेल भेज दिया जाएगा। पीड़ित पिता ने मंगलवार को एसपी राजेश द्विवेदी से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र दिया और उचित कार्रवाई की मांग की। एसपी ने पीड़ित को भरोसा दिया कि न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

बाढ़ राहत सामग्री में खराब गुणवत्ता का आरोप

शाहजहांपुर,अमृत विचार : कांशीराम कॉलोनी के बाढ़ प्रभावितों को वितरित की गई राहत सामग्री में खराब गुणवत्ता का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी के नेतृत्व में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) / अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, शाहजहांपुर के नाम एक मांगपत्र नायाब तहसीलदार को सौंपा गया। इसमें राहत सामग्री में कई आवश्यक वस्तुएं जैसे तिरपाल, आलू, बाल्टी, तौलिया, और रिफाइंड तेल शामिल नहीं थे, जो प्रभावित परिवारों की बुनियादी जरूरतों के लिए अनिवार्य हैं। मसाले और अरहर दाल की गुणवत्ता निम्न है।

सचिवालय में नौकरी लगवाने के नाम पर तीन लाख की ठगी

आरोपियों ने रुपए वापस मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- ठगों ने लखनऊ सचिवालय का फर्जी कार्ड दिखाकर लिया झांसे में
- आरोपियों ने ढाई लाख रुपये नकद और 50 हजार खाते में डलवाए

अमृत विचार: सचिवालय लखनऊ में नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से तीन लाख रुपये ठग लिए गए। पीड़ित के रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने न केवल अभद्रता की बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मठिया कॉलोनी थाना रौजा निवासी विमलेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उनके पुत्र अमन की नौकरी लगवाने का झांसा देकर लालमुनी बाजपेई निवासी मोहल्ला इस्लामाबाद थाना मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी, धर्मेन्द्र तथा राजकुमार ने उनसे बड़ी रुपये ले लिए। आरोप है कि इन लोगों ने स्वयं को सचिवालय का अधिकारी बताकर उनके पुत्र की नौकरी लगवाने का भरोसा दिया। विमलेश ने बताया उन्होंने नौकरी दिलाने के नाम पर 2,50,000 रुपये नकद और 50,000 रुपये धर्मेंद्र के खाते में जमा किए। कुल तीन लाख रुपये लेने के बाद भी उनके पुत्र की नौकरी नहीं लगी। कई महीने बाद जब उन्होंने पूछा तो आरोपी टाल-मटोल करने लगे। इस बीच उन्हें पता चला उनके साथ ठगी की गई है।

जब उन्होंने रुपये वापस मांगा तो तीनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि राजकुमार द्वारा दिखाया गया सचिवालय का पहचान पत्र भी फर्जी निकला। तहरीर में इसके साक्ष्य भी संलग्न किए गए हैं। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में आरोपियों लालमुनी बाजपेई, धर्मेन्द्र और राजकुमार के खिलाफ धोखाधड़ी, गाली-गलौज और धमकी देने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक पूनम दहिया को सौंपी गई है।

पहचान पत्र भी निकला फर्जी

पीड़ित विमलेश ने अपनी तहरीर में बताया राजकुमार ने सचिवालय का पहचान पत्र दिखाकर विश्वास दिलाया था, लेकिन बाद में जांच में यह पहचान पत्र फर्जी निकला। पीड़ित ने पुलिस को इस संबंध में साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति पैसे देकर नौकरी लगवाने के झांसे में न आए। सरकारी नियुक्तियां केवल नियम और प्रक्रिया के तहत ही होती हैं। इस तरह की ठगी करने वाले लोग फर्जी पहचान पत्र और बड़े-बड़े वादों के सहारे लोगों को भ्रमित करते हैं। यदि कोई व्यक्ति नौकरी दिलाने के नाम पर रुपए मांगता है तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें।

तालाब मेंनहाते समय डूबकर ग्रामीण की मौत

निगोही/शाहजहांपुर , अमृत विचार: चन्यूरा गांव में तालाब में नहाते समय एक व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई। पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंचे और गोताखोरों को बुलवाया। गोताखोरों ने तीन घंटे बाद शव को तालाब से बाहर निकाल लिया। शव मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। गांव चन्यूरा निवासी रजनीश कुमार (42) मंगलवार की दोपहर 1 बजे गांव में बाहर स्थित तालाब पर नहाने के लिए गया। वह नहाते समय डूब गया। परिवार वालों को जानकारी हुई तो परिवार वाले तालाब पर पहुंचे। परिवार वालों ने निगोही थाना पर सूचना दी। पुलिस तालाब पर पहुंची। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाया और गोताखोर तालाब में उसकी तलाश करने लगे। गोताखोरों ने तीन घंटे बाद उसका शव तालाब से बाहर निकाल लिया। मृतक शराब पीने का आदी था और रोजाना तालाब में नहाने जाता था। उसके परिवार में पत्नी ओमशीला, बेटा राघवेंद्र, रागनी, शालनी और मोहनी है। वह मेहनत मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सड़क पर बाघ देख सहमे ग्रामीण

संवाददाता, खुटार

ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे वनकर्मी। ● अमृत विचार

- रायपुर पटियात के बाद अब चांदपुर में दहशत
- वनकर्मियों ने ग्रामीणों के साथ पगमार्क ट्रेस करने का किया प्रयास

अमृत विचार: रायपुर पटियात गांव के बाद अब चांदपुर यज्ञशाला के पास मंगलवार शाम 8 बजे बाघ को सड़क किनारे बैठा देखा गया है। मार्ग से होकर गुजर रहे बाइक सवारों की निगाह पड़ी तो होश उड़ गए। बाइक सवारों ने बाघ के समीप पहुंचने से पहले ही बाइक को रोक लिया और सड़क किनारे खड़े होकर जाने का इंतजार करने लगे। काफी देर बाद बाघ खेतों की तरफ चला गया। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। बाघ होने शोर मचा तो वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। जहां वनकर्मियों ने पगमार्क ट्रेस करने का प्रयास करते रहे। टीम का कहना है कि बाघ नहीं तेंदुआ है।

खेतों में छोटे पगमार्क मिले है। लेकिन अधिक घास, झाड़ी होने से पगमार्क पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सके। आखिर किसके है। हालांकि, टीम ने ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील की है। खुटार के गांव चांदपुर निवासी गागे तिवारी, नरेंद्र सिंह, अनुराग मिश्रा आदि लोग कोल्हूगाढ़ा की तरफ मंगलवार शाम 8 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। तभी चांदपुर-कोल्हूगाढ़ा जाने वाले मार्ग पर यज्ञशाला के नजदीक सड़क किनारे बाघ खड़ा दिखाई दिया। बाघ के ऊपर लाइट की रोशनी पड़ी तो देखकर होश उड़ गए। बाघ से कुछ दूर बाइक को पहले ही रोक लिया। लोगों ने बाघ के चले जाने का काफी देर तक इंतजार करते रहे और फोन से जान पहचान के लोगों के साथ ही वन विभाग को सूचना दी। सूचना के कुछ ही देर बाद बाघ खेतों में चला गया। बाघ के देखे जाने के बाद आसपास गांव में यह बात पूरी तरह फैल गई। इससे तमाम गांव के लोग मौके पर पहुंच गए।

सूचना पर वन दरोगा रोहित पांडेय, वन रक्षक संतोष गौड़, अशोक वाजपेयी मौके पर पहुंच गए। जहां ग्रामीणों से पूरी जानकारी ली। बाद में टीम ने टार्च से खेतों में पगमार्क ट्रेस करने को खोजबीन की। लेकिन सफलता हासिल नहीं हो पाई। संतोष गौड़ ने बताया कि खेतों में मिले पगचिन्हों से लग रहा है कि बाघ नहीं तेंदुआ है। खेतों में घास अधिक होने से इस बात की कोई पुष्टि साफ नहीं हो पाई है। गांव के लोगों को भी सतर्क रहने के लिए कह दिया गया है। साथ ही निगरानी की जा रही है। उधर, ग्रामीणों ने कहा कि बाघ गन्ने के खेत में छिपा बैठा हो सकता है। जो कभी भी हमला कर जान ले सकता है। इसलिए लोग उस मार्ग पर जाने से कतरा रहे है। लोगों ने बाघ को जंगल की तरफ खदेड़ने की मांग की है। बाघ को देखे जाने से लोग दहशत में है।

बाग में फंदे से लटका मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एक सप्ताह पहले मौत होने का अनुमान, नहीं हो सकी शिनाख्त

अमृत विचार: जमालपुर गांव के जंगल में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। खेत पर जा रहे ग्रामीणों को दुर्गंध आई तो इधर-उधर नजर दौड़ाई तो युवक का शव पेड़ से लटकता दिखाई देखा। शव एक सप्ताह पुराना बताया जा रहा है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। मृतक की जेब से बीड़ी का बंडल और माचिस निकली है।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव जमालपुर के ग्रामीण बुधवार सुबह 9 बजे खेत पर जा रहे थे। ग्रामीणों को गांव के बाहर जंगल में दुर्गंध आई तो देखा कि कि एक व्यक्ति का शव पेड़ से रस्सी से लटका हुआ था। शव पेड़ की काफी ऊंचाई पर था। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को सूचना दी। प्रधान ने रोजा थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पेड़ से नीचे उतारा। मृतक की उम्र 40 साल होगी। पुलिस ने मृतक के जेब की तलाशी ली तो एक बीड़ी का बंडल और एक माचिस निकली। मृतक के पास कोई चीज नहीं मिली है, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने आस-पास के गांव वालों को बुलाकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी।

नदी की झाड़ियों में फंसा मिला युवक का शव

खुटार,अमृत विचार: बंडा के रामनगर कॉलोनी निवासी अतुल उर्फ धीरू (42) का शव बुधवार दोपहर 3:30 बजे खुटार के मझारिया पुल के नीचे झुकना नदी में झाड़ियों में फंसा मिला है। वहां मौजूद लोगों ने इसकी सूचना यूपी 112 डायल पुलिस, थाने की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खुटार थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों की मदद से झाड़ियों में फंसे शव को बाहर निकाला। लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। उसी समय बंडा के रामनगर कॉलोनी निवासी अध्यापक सौरभ अवस्थी भीड़ को देखकर रुक गए। शव की पहचान अपने पड़ोसी अतुल उर्फ धीरू के नाम से की और पुलिस को बताया। सूचना मिलते ही रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस के पूछताछ में राजबहादुर ने बताया कि वर्ष 2003 में उसके बेटे अतुल की शादी जनपद लखीमपुर खीरी से हुई थी। वर्ष 2007 में उसके यहां पुत्र का जन्म हुआ था। अब अतुल के बेटे का नाम उज्ज्वल (17) है।

लाउडस्पीकर बंद कराने पर भड़के ग्रामीण

संवाददाता, जलालाबाद

जलालाबाद में सीओ अजय कुमार राय को ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीण। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप, सीओ को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव धियरा में दुर्गा माता मंदिर पर आरती के दौरान लाउडस्पीकर बंद कराने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और बुधवार को भारतीय बजरंग दल के नेता मुनिराज सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण सीओ कार्यालय पहुंचे।धरना प्रदर्शन के बाद क्षेत्राधिकारी अजय कुमार राय को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि नवरात्रि पर प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में रोज पूजा-अर्चना और आरती होती है। मंगलवार शाम 7 बजे दरोगा जोगेश चौहान दो सिपाहियों के साथ मंदिर परिसर में जूते पहनकर घुस आए और लाउडस्पीकर बंद करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है, इस दौरान दरोगा ने आरती कर रही महिलाओं से अभद्रता की, गालियां दीं और मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। ग्रामीणों ने कहा गांव के जब्बार अली और कल्लू की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। जबकि उनका कहना है, जब दूसरे समुदाय की ओर से पांच वक्त की नमाज लाउडस्पीकर पर होती है तो उस पर आपत्ति नहीं की जाती, लेकिन नौ दिन नवरात्रि की आरती पर रोक लगाने की बात अनुचित है। घटना की जानकारी पर पहुंचे सीओ अजय कुमार राय ने दोनों पक्षों को समझाते हुए थाना प्रभारी राजीव तोमर और दूसरे समुदाय के लोगों को बुलाया। उन्होंने लाउडस्पीकर की दिशा बदलने के निर्देश दिए और कहा कि सभी लोग अपनी-अपनी पूजा करें और आपसी झगड़ों से दूर रहें। इस मौके पर राजेश कुमार, बलराम, श्रीपाल, चंदन, अखिलेश, विनोद, सोरन सिंह और ग्राम प्रधान उमेश पाल सिंह कुशवाह समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अभद्र टिप्पणी करने पर केस

खुटार : हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) के संस्थापक/अध्यक्ष अवनीश मिश्र ने बताया मंगलवार को मोहम्मद उमर नाम की फेसबुक आईडी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के एक पुराने वीडियो को एडिट कर हैदराबाद में आयोजित हुई एक इस्लामिक रैली के साथ एडिट कर पोस्ट किया गया। आरोपी के खिलाफ केस कराई गई।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रोजगार मेला 27 को, 10 कंपनियां करेंगी प्रतिभाग

बदायूं, अमृत विचार : जिला रोजगार सहायता अधिकारी शशिकांत ने बताया कि 27 सितम्बर को एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित होगा। मेला कस्बा इस्लामनगर स्थित केसरी चौधरी बदन सिंह मैमोरियल पीजी कालेज में आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेला में लगभग 10 कंपनियां प्रतिभाग कर रही है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा है कि वह अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेला में पहुंचकर लाभ उठाएं। बताया कि इस रोजगार मेला में हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं आईटीआई एवं जीटीआई अभ्यर्थी मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

विश्व बधिर दिवस पर हुए कार्यक्रम

बदायूं, अमृत विचार : जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया कि जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विश्व बधिर दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर विकास भवन में, जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संस्थाओं संस्था-बधिर जन कल्याण सशक्तिकरण, व सर्वजन मूक बधिर कल्याण संस्थान आदि के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इन संस्थाओं के पदाधिकारियों को दिव्यांगों की समस्याओं के सम्बन्ध में मिलने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए विवरण उपलब्ध कराया गया।

हाईवे पर अनियंत्रित ई-रिक्शा पलटा, 3 घायल

बिल्सी, अमृत विचार : बिजनौर-बदायूं हाईवे पर स्थित सतेती चौराहा के पास बुधवार की शाम एक वाहन को बचाने के चक्कर में ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें सवार तीन लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां से घायलों को जिला अस्पताल को रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहटा जबी निवासी शराफत अपनी पत्नी इमामन और पुत्री नसरीन के साथ बिल्सी से दवा लेकर अपने गांव को ई-रिक्शा से वापस लौट रहे थे। उनका ई-रिक्शा हाइवे पर सतेती चौराहा के पास पहुंचा। तभी सामने से आ रहे एक वाहन को बचाने के चक्कर में ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे इसमें बैठे तीनों लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सरकारी अस्पताल भेजा, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बिजली बिल बकाया वसूली का लक्ष्य आधे से भी कम

एक माह में जमा हुए 20 करोड़ 50 लाख, 50 करोड़ 88 लाख का लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शासन द्वारा बिल बकाया वसूली का दिया गया लक्ष्य विभाग पूरा नहीं कर सका। जिससे एमडी ने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। जगह जगह कैंप लगा वसूली करने के निर्देश दिए हैं। तीस सितम्बर तक पचास प्रतिशत वसूली न होने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

मध्यांचल विद्युत वितरण खंड के एमडी द्वारा बिजली विभाग को एक सितम्बर को 50 करोड़ 88 लाख का बकाया बिल वसूली का लक्ष्य दिया गया था। बकाया बसूली के लिए एमडी द्वारा प्रत्येक उपखंड कार्यालय पर कैंप लगा कर बकाया वसूली करने को कहा गया था। विभाग ने वसूली के लिए लगातार शिविर लगा कर काम किया। उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने को कहा। विभाग का प्रयास था के लक्ष्य पूरा कर लिया जाए। लेकिन धीमी कार्यप्रणाली के चलते लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। विभागीय अधिकारियों की माने तो 24 सितम्बर तक मात्र 20 करोड़ की बकाया बसूली की गयी है, संभावना है कि छह दिन में करीब तीस लाख की वसूली और हो सकती है। जिसके लिए जगह जगह शिविर लगाए जा रहे हैं।

अधीक्षण अभियंता अखिलेश कुमार ने बुधवार को बताया कि शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य के सापेक्ष 45 प्रतिशत वसूली हो सकती है। जबकि शत प्रतिशत वसूली करने को कहा गया था। बताया कि सख्ती के साथ काम किया गया है तो इतनी वसूली की गयी है। लगातार बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

बिजली चोरी रोकने को अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक उपखंड कार्यालय पर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने को अलग से पटल तैयार किये गये हैं। किसी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जा रही है। विभाग की 26 टीमें बकाया वसूली में लगे हैं। वसूली का लक्ष्य पूरा न होने पर मध्यांचल विद्युत वितरण खंड के एमडी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तीस सितम्बर तक वसूली की समीक्षा कर रिपोर्ट देने को कहा है।

स्टाफ की कमी के बाद भी चल रहा अनुरक्षण माह

शासन के निर्देश पर जिले में अनुरक्षण माह भी चलाया जा रहा है। अनुरक्षण माह के तहत बिजली के खंभे और केबिल बिजली की लाइन ठीक की जा रहीं है। 15 अक्टूबर तक अनुरक्षण माह के तहत काम किया जाएगा। विभाग के पास स्टाफ सीमित होने के बाद भी बकाया वसूली की जा रही है। उपभोक्ताओं की शिकायतों पर काम किया जा रहा है। किसी तरह अनुरक्षण माह पूरा होने के बाद वसूली अभियान में तेजी आएगी।

- लक्ष्य पूरा करने के प्रयास में जुटा बिजली विभाग

नवरात्र के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने की माता चंद्रघंटा की पूजा

मंदिरों में जुटे श्रद्धालु, गूंजे माता के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले में शारदीय नवरात्रि की धूम मची हुई है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों में जुटने लगे। शहर के नजदीक गांव नगला स्थित प्रसिद्ध मां काली का मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने माता की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद प्राप्त किया।

मां चंद्रघंटा का स्वरूप शांति, साहस और करुणा का प्रतीक माना जाता है। भक्त मानते हैं कि मां के इस स्वरूप की आराधना से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है। इसी आस्था के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और मां चंद्रघंटा से आशीर्वाद की कामना की। नगला स्थित मां काली का मंदिर आजादी की लड़ाई का साक्षी रहा है। स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के दौरान आंदोलनकारी माता के मंदिर पर आकर रात्रि में मंत्रणा करते थे। उस दौरान बहुत छोटा था मंदिर हुआ करता था। इस मंदिर की ख्याति दूर दूर तक फैली हुई है।

श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है। नवरात्रि के मौके पर मंदिर में विशेष आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन सुबह शाम हो रहा है। जिसमें मंदिर और आस पास का वातावरण भक्ति में डूबा हुआ है। मंदिर परिसर के समीप पूजा सामग्री की दुकानें सजी हुई हैं। जहां सुबह और शाम श्रद्धालुओं के द्वारा पूजन सामग्री की खरीदारी की जाती है। वहीं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर परिसर के आसपास कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं। पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी लगातार निगरानी में लगे हुए हैं ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बुधवार को में मंदिर में मां चंद्रघंटा की आराधना ने वातावरण को आध्यात्मिक और भक्तिमय बना दिया। भक्तों ने मां से परिवार की खुशहाली, जीवन में सुख-समृद्धि और सभी कष्टों से मुक्ति की कामना की।

मंदिर के बाद लगी दुकान से फूल आदि की खरीदारी करते श्रद्धालु ● अमृत विचार

- देवी मंदिरों में गूंजे माता के जयकारे, दर्शन के लिए लगी रही कतार

मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित करते श्रद्धालु।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने की व्यापारियों से चर्चा

सहसवान में व्यापारियों से बात करती जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव व जितेंद्र यादव।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी में की गयी कटौती से व्यापारी वर्ग सहित आम आदमी खुश है। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने बुधवार को सहसवान के नवादा बाजार, सुकरा रोड मार्केट में व्यापारियों से बात कर जीएसटी स्लैब में किए गए बदलाव पर बात की। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी में कटौती से व्यापार को पंख लग गए हैं। अग उनका व्यापार तेजी से होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने कहा कि प्रधान मंत्री ने जीएसटी में कटौती करके हर वर्ग को राहत दी है। लोग घरेलू उपयोग का सामान खरीद सकेंगे। उनका बचत होगी। पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने कहा कि जीएसटी स्लैब में कमी कर सरकार ने आम आदमी को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है। इसलिए लोग महोत्सव मना रहे हैं। इस मौके पर नगर के दुकानदार और बड़े व्यापारियों ने दिल खोल कर सरकार के इस कदम की सराहना की।

स्काउटिंग से भावी पीढ़ी होती है संस्कारित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : श्री कृष्ण इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय स्काउट प्रशिक्षण शुरू हुआ। स्काउट्स को जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं में खुद को सुरक्षित रखने, ध्वज शिष्टाचार और संगठनात्मक अनुशासन की स्पेशल ट्रेनिंग दी गई।

प्रधानाचार्य डॉ. संदीप भारती ने स्काउट ध्वज फहराकर प्रशिक्षण शिविर का आरंभ किया। कहा कि स्काउटिंग बच्चों को सेवा, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम के आदर्शों से जोड़ती है। आज जब प्रकृति संकट में है, ऐसे में हर बच्चे का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले और उसे जीवन में उतारे। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग कला बच्चों में नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना का विकास करती है। जब विद्यार्थी प्रतिज्ञा करता है तो वह अपने समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए जीवन समर्पित करने का संकल्प लेता है। आवश्यकता है कि हर शैक्षणिक संस्थान में स्काउट-गाइड गतिविधियां नियमित रूप से हों, ताकि भावी पीढ़ी संस्कारित और जिम्मेदार बन सके।

स्काउट इंचार्ज रवेंद्र सिंह ने शिविर में बच्चों को नियम, प्रतिज्ञा, झंडा गीत, प्रार्थना और राष्ट्रध्वज का महत्व समझाया। टोली प्रणाली के माध्यम से बच्चों को सामूहिकता और टीम भावना से कार्य करने की क्षमता विकसित होती हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें आत्मनिर्भर और चुनौतियों से लड़ने के योग्य बनाता है। शिविर में विभिन्न गतिविधियों के जरिए बच्चों को अनुशासन, सेवा, स्वावलंबन और समाजहित की सीख दी गई। मनोज कुमार, जगमोहन आर्य, विजय कुमार गौतम, संदीप कुमार, विनय चौहान, पंकज शर्मा, रीतेश कुमार, डॉ. ब्रजेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षित करते पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा।

- श्री कृष्ण इंटर कॉलेज में शुरू हुआ तीन दिवसीय स्काउट शिविर

नहीं रुकी बिजली कटौती तो किया जाएगा धरना प्रदर्शन

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : क्षेत्र के कई गांवों में अघोषित बिजली कटौती और ओवरलोडिंग की समस्या से ग्रामीण काफी समय से जूझ रहे हैं। विभाग के लापरवाह कर्मचारियों की मनमानी से दिन में दो से तीन घंटे बिजली मिल पा रही है। शिकायत करने पर जिम्मेदार मौन साध लेते हैं जिससे उपभोक्ताओं में भारी रोष है। ग्रामीणों ने कहा कि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बिल्सी क्षेत्र के ग्राम रिसौली बिजलीघर का है जहां पर एक मशीन से ग्राम भिलौलिया, लउआ, गढ़ी, दविहारी, बनबेहटा, अकोली, बिचौला, बघोल, हरगनपुर, सिरासौल, भीकमपुर, सबदल पुर, आदि गावों को जोड़ दिया है जिससे ओवरलोड की समस्या रहती है। ओवरलोड के चलते बिजली नही मिल पा रही है। रात को बिजली नही मिल रही है। गर्मी के कारण उपभोक्ता परेशान रहते हैं। विद्युत उपकेंद्र पर शिकायत करने पर ओवरलोड की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया जाता है। विभाग के जिम्मेदार मौन साधे हैं।

किसानों का कहना है कि इस समय धान की सिंचाई की जा रही है लेकिन बिजली नहीं मिलने से टयूवबैल नहीं चल पा रहे हैं जिससे फसलें सूख रही हैं। किसानों ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

- लापरवाह कर्मचारियों की मनमानी से दिन में दो से तीन घंटे ही बिजली मिल पा रही

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
● बरेली का एकमात्र PET CT
● पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, ● डे केयर कीमो थेरेपी, ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू, ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी, ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
● प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
● मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

आजम खां की रिहाई पर मिठाई बांटी

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या आठ में सपा नेता रिजवान मलिक के आवास पर पार्टी के संस्थापक सदस्य आजम खान की रिहाई के उपलक्ष्य में सपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। रिजवान मलिक ने कहा 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत से जीतकर सरकार बनाएगी। सपा नगर अध्यक्ष कविंद्र सक्सेना ने कहा आजम खान की रिहाई से सभी सपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। सपा नेता इकरार अहमद ने कहा निश्चित ही सपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा सपा में सभी वर्गों को सम्मान मिलता है। इस मौके पर शाकिर सिद्दीकी, शेर मोहम्मद कस्सार, सलीम मलिक, इमरान मलिक, बंटी खान, वसीम मलिक, मुबारक अली, आरिश अल्वी, फईम सिद्दीकी, अनिल यादव, टिंकू यादव आदि मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य शिविर में आए 375 मरीज

सेवा पखवाड़ा में लोगों को जागरूक करते डाक्टर्स। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में बुधवार को सेवा पखवाड़ा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के छठे दिन आयोजित इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जांच, परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। कुल 374 लाभार्थियों ने शिविर में भाग लिया। जिसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा 70 महिलाओं की एनीमिया जांच की, प्रसव पूर्व देखभाल, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच एवं परिवार नियोजन परामर्श दिया गया।

सर्जरी विभाग ने 42 महिलाओं की स्तन कैंसर की जांच की। टीबी एवं चेस्ट विभाग ने 50 मरीजों की टीबी जांच कर दवा दी। मेडिसिन विभाग ने 46 मरीजों में उच्च रक्तचाप और 21 मरीजों में मधुमेह की पहचान कर सतर्कता बरतने का सुझाव दिया। अन्य विभागों द्वारा भी मरीजों को देख कर दवा दी गयी। शिविर के संचालन में प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार, उप-प्रधानाचार्य डॉ. नेहा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रितुज अग्रवाल सहित सभी विभागों के चिकित्सा, इंटर्न, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। सेवा पखवाड़ा न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है, बल्कि समाज व परिवार की समग्र सेहत की दिशा में भी एक सकारात्मक पहल सिद्ध हो रहा है।

कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान जारी

बदायूं, अमृत विचार : कांग्रेस के वोट चोर, गद्दी छोड़" राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी का जिले में हस्ताक्षर अभियान जारी है। बुधवार को बिसौली विधानसभा के ग्राम मुगर्रा में कांग्रेसियों वोट चोर, गद्दी छोड़" हस्ताक्षर अभियान चलाया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि मोदी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे, बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन की भारी जीत होने जा रही है। बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। मोदी सरकार दो बैसाखियों के सहारे चल रही है। जिनके हटते ही मोदी सरकार धराशाई हो जाएगी। राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। कहा कि राहुल गांधी ने साबित कर दिया है कि मोदी सरकार जनता के वोटों से नहीं बल्कि वोटों की चोरी से सत्ता में आई है। हस्ताक्षर अभियान द्वारा वोट चोरी और लोकतंत्र पर भाजपा द्वारा किए जा रहे हमलों का पर्दाफाश करना है। कांग्रेस जनता के बीच भाजपा की काली करतूतों का पर्दाफाश करेगी।

जिला उपाध्यक्ष बफाती मियाँ ने कहा कि चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में हेराफेरी पर जवाब नहीं दे रहा है। बिहार में एसआईआर के बहाने चुनाव आयोग ने 64 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए हैं। दलित पिछड़े मुसलमानों बंचित तबकों को वोट देने के अधिकार से बंचित किया जा रहा है। नवनीत यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा वोट चोरी कर रही है।

हस्ताक्षर अभियान के दौरान मुगर्रा गांव के अभिषेक यादव, संजीव यादव, विनीत यादव, धनुष पाल, साबिर अली, इसहाक, जिलानी, राशिद, बासिर अली समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर
परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-
दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900
पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

न्यूज ब्रीफ

महिला के थैले से रुपये और सोने के कुंडल चोरी

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बाद भी एक महिला के थैला में से रुपये और सोने के कुंडल चोरी कर लिए गए। गांव खेरा कटरा निवासी रीना पत्नी विकेंद्र को अपने सोने के टूटे कुंडल ठीक कराने थे। साथ ही अपनी दवा भी लेनी थी। बुधवार को वह पहले दवा लेने के लिए जिला अस्पताल आई थीं। उनके पास थैले में सोने के कुंडल और 35 हजार रुपये रखे थे। वह अस्पताल से दवा लेने के बाद बाहर आईं तो देखा चोरों ने उनकी थैली में रखा पर्स चोरी कर लिया। थैला नीचे से कटा हुआ था। रीना ने शोर मचाया। मौके पर भीड़ लग गई। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। मामला सीएमएस तक पहुंचा। महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने जांच कर रही है।

बिहार निवासी मजदूर की सड़क हादसे में मौत

बदायूं, अमृत विचार : बिहार के जिला नवादा निवासी गिरिजा माझी कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव बैरमई स्थित गंगा ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते थे। 21 सितंबर की शाम वह किसी काम से पैदल नगर बिल्सी जा रहे थे। बदायूं-बिल्सी मार्ग स्थित ईंट भट्ठे के पास किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। घायल को बिल्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान 22 सितंबर को घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाया है।

प्रधानमंत्री आदर्श गांव में अब ग्राम प्रधान कराएंगे विकास के कार्य

कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरते जाने पर शासन ने बदला नियम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिले में 104 ग्राम पंचायत घोषित हैं प्रधानमंत्री आदर्श गांव, 30 में चल रहा निर्माण कार्य

अमृत विचार: प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना से संतृप्त गांवों में निर्माण में लगी संस्था यूपी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपी सिडको) द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। कराए जा रहे कार्यों पर भी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जिसकी शिकायतें भी शासन स्तर पर पहुंच रही थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए शासन ने संस्था को हटा दिया है। अब इनके स्थान पर प्रधानमंत्री आदर्श गांवों में प्रधान विकास कार्य कराएंगे।

प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना के तहत जिले में अनुसूचित जाति बाहुल्य 104 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में जरुरत के मुताबिक 20 लाख की लागत से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी की माने तो योजना का आरंभ साल 2018-2019 से हुआ था। उस दौरान चयन 104 गांवों का चयन करते हुए शासन स्तर से सूची समाज कल्याण विभाग को भेजी गई थी। साथ ही विकास कार्य कराने के लिए शासन स्तर से ही यूपी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपी सिडको) का चयन किया गया था। साथ ही बीस गांव में विकास कार्य कराने के लिए कार्य योजना मांग ली गई।

विभाग द्वारा कार्य योजना के भेजने के बाद दो साल तक बजट आवंटित नहीं हो सका। बताया गया कि साल 2021-2022 में बजट आवंटित होने के बाद चयनित बीस गांव में विकास कार्य शुरू हो सके। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2023-2024 में तीस गांव में विकास कार्य कराने के लिए विभाग की ओर से कार्य योजना को तैयार कर भेजा गया। जिसे स्वीकृति देते हुए शासन की ओर से छह करोड़ का बजट आवंटित कर दिया। इन गांवों में पिछले दो साल से कार्यदायी संस्था विकास कार्य करा रही है। लेकिन यह गांव अभी तक प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना के तहत संतृप्त नहीं हो सके।

संस्था द्वारा कराए जा रहे विकास कार्य में गुणवत्ता भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है। जिस पर सवाल उठ रहे थे। यह हाल जिले में ही अन्य जिलों का भी रहा है। जिसकी शिकायतें शासन स्तर पर पहुंच रही थी। ग्राम प्रधान भी योजना के तहत जिम्मेदारी दिए जाने की मांग कर रहे थे। ऐसी स्थिति बनने पर शासन स्तर से प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना के तहत गांवों में विकास कार्य करा रही यूपी सिडको को संस्था से काम हटा दिया। संस्था के स्थान पर ग्राम प्रधान को योजना के तहत कार्य कराने की जिम्मेदारी दी है। समाज कल्याण विभाग की ओर से हाल ही में बीस गांव में योजना के तहत कार्य कराने के लिए कार्ययोजना तैयार कर भेजी गई है। अब जो बजट सरकार की ओर से आवंटित होगा, उस बजट से प्रधानों के द्वारा गांवों में विकास कार्य कराया जाएगा।

> प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों में विकास कार्य कराने के लिए चयनित संस्था को शासन स्तर से हटा दिया गया है। संस्था के स्थान पर गांव में विकास कार्य कराने के लिए प्रधानों को जिम्मेदारी दी गई है। 20 गांव में विकास कार्य कराने के लिए बजट की करते हुए प्रस्ताव शासन में भेजा गया है। बजट आने पर काम शुरू करा दिए जाएंगे।
> **-मीनाक्षी वर्मा**, समाज कल्याण अधिकारी।

34 गांव योजना से जल्दी नहीं हो सकेंगे संतृप्त

जिले में प्रधानमंत्री आदर्श गांव योजना के तहत एससी बाहुल्य 104 गांव चयनित हैं। इनमें बीस गांव योजना के तहत संतृप्त हो चुके हैं। 30 गांव में विकास कार्य हो रहे हैं। बीस गांव में विकास कार्य कराने के लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से बजट की मांग करते हुए प्रस्ताव भेजा गया है। 34 गांव योजना के तहत संतृप्त होने से बचे हुए हैं। ऐसे में नहीं लगता कि शेष बचे गांव योजना से जल्द संतृप्त हो पाएंगे।

खंड शिक्षक निर्वाचन चुनाव में मंडलायुक्त होंगे रिटर्निंग ऑफिसर

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीएम अवनीश कुमार राय। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। जिसमें प्रदेश विधान परिषद के खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के संबंध में जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि निर्वाचन के लिए मंडलायुक्त बरेली मंडल रिटर्निंग ऑफिसर तथा सभी सम्बंधित जनपदों के जिलाधिकारी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे।

डीईओ ने वेयर हाउस का किया निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का आंतरिक निरीक्षण किया। उनके द्वारा वेयर हाउस के दरवाजों की सीलों को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष चेक करते हुए उसकी वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई। साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता को परखा और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को रेण्डम रूप में चेक कर आगंतुक पंजिका में हस्ताक्षर भी किए।

डीईओ ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से बूथ लेवल एजेंट की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव शर्मा ने बताया कि वर्तमान विधान परिषद सदस्य का कार्यकाल 07 दिसंबर 2026 को पूर्ण हो रहा है। वर्ष 2022 में हुए निर्वाचन में कुल मतदाता 3275 थे। इनमें 2202 पुरुष व 1073 महिलाएं थी। चुनाव के लिए 10 मतदेय स्थल बनाए गए थे। मतदाता के लिए 16 किलोमीटर के दायरे में मतदेय स्थल बनाए गए थे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल

एन.एच. 30, बंथरा शाहजहांपुर 7521001988, 7521001989

निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर

बाह्य रोगी विभाग

प्रधानमंत्री द्वारा आरंभित ''स्वस्थ्य नारी-सशक्त परिवार अभियान'' जिसका उद्घाटन 17 सितम्बर को वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर में किया गया। यह अभियान 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित जाँचे महिलाओं के लिए निःशुल्क की जायेंगी...

- CBC (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Blood Sugar (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- Urine (Albumin, Sugar, Microscopy) (निःशुल्क जाँच प्रतिदिन)
- डिजिटल एक्स-रे रुपये 100/- मात्र

विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार किया जायेगा।

जलवायु परिवर्तन के प्रति सतर्क होंगे विद्यार्थी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- परिषदीय स्कूलों में जलवार्य परिवर्तन को लेकर होगी वाद-विवाद प्रतियोगिता
- प्राथमिक, उच्च प्राथमिक दोनों स्तर पर होंगी प्रतियोगिताएं, चल रहीं तैयारियां

अमृत विचार: आज के नौनिहाल कल का भविष्य हैं। वह अच्छे नागरिक बन सके। और पर्यावरण के प्रति जागरुक रहे। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग इन बच्चों को तैयार करने में जुट गया है। अच्छे नागरिक बनने और पर्यावरण के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए बच्चों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता कराई जाएगी। यह प्रतियोगिताएं स्कूल से लेकर जिले स्तर पर आयोजित होंगी। इन प्रतियोगिताओं का क्रियान्वयन डायट द्वारा कराया जाएगा। जिसके आदेश महानिदेशक शिक्षा के द्वारा दिए जाने के बाद प्रतियोगिता को लेकर रूपरेखा तैयार की जाने लगी है।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में करीब 3 लाख एक हजार बच्चे पंजीकृत हैं। इन स्कूलों के बच्चों को आने वाले कल के तैयार किया जा रहा है। जिससे यह बच्चे आगे चलकर आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। तथा वह ज्ञान के साथ पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति सजग हो सकें। इसी योजना के तहत प्राथमिक स्कूलों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताएं प्राथमिक व उच्च प्राथमिक पर होंगी। प्रतियोगिता चरणबद्ध तरीके से कराई जाएगी। वाद विवाद का एक अच्छा वीडियो स्कूल से तैयार कर शिक्षकों को बीआरसी पर भेजना होगा। जिसका मूल्यांकन कर बीईओ बीआरसी स्तर की स्पर्धा कराएंगे।

> स्कूल स्तर से लेकर जिला स्तर पर जलवायु परिवर्तन विषय पर बच्चों के बीच वाद विवाद, सहित अन्य प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताएं डायट के द्वारा आयोजित की जाएगी। आयोजन के लिए तिथि तय कर आयोजन की रिपोर्ट भेजी जाएगी।
> **-वीरेंद्र कुमार सिंह**, बीएसए।

> जलवायु में लगातार आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। जिसके दुष्परिणाम के प्रति बच्चे जागरूक हो सकें इसके लिए वाद विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। शिक्षा महानिदेशक का पत्र मिलने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी व बीएसए कार्यालय से पत्राचार किया गया है। जिससे तिथि तय हो सके। तिथि तय होते ही जल्द आयोजन कराए जाएंगे।
> **-गिरिजेश कुमार चौधरी**, प्राचार्य, डायट

जीएसटी कटौती बेअसर, पुराने दामों पर ही बिक रहा सामान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बाजार में नहीं दिख रही टीमें

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद शासन स्तर से जीएसटी विभाग को निर्देश दिए गए कि वह बाजार में पहुंचकर नई जीएसटी की दरों का पालन कराएं। साथ ही शिकायत पाए जाने पर कार्रवाई की जाए। लेकिन बाजार में पुरानी दरों पर सामान बेचा जा रहा है। लेकिन किसी तरह की कार्रवाई करने के लिए विभाग का एक भी अधिकारी बाजार में दिखाई नहीं दे रहा है।

- पहले खरीदा गया स्टॉक खत्म नहीं हो जाता तब पुराने रेट पर की जाएगी बिक्री

अमृत विचार: जीएसटी की नई दरें लागू हो चुकी हैं। शासन से लेकर प्रशासन तक व्यापारियों से नई दरों पर सामान की बिक्री करने के लिए अपील की जा रही है। लेकिन व्यापारी अपील का दरकिनार कर पुराने रेट पर ही सामान की बिक्री कर रहे हैं। नई दरें लागू होने से पूर्व खरीदे गए सामान की बिक्री होने के बाद नया मंगाने पर निर्धारित हुए मूल्य के अनुसार ही बिक्री किए जाने की बात व्यापारियों के द्वारा कही जा रही है। व्यापारियों द्वारा अभी पुराने मूल्य पर बिक्री किए जाने की वजह से सस्ता सामान लेने की उम्मीद से बाजार जा रहे लोगों को निराशा मिल रही है।

केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी के स्लेब में बदलाव कर दिया है। दो स्लैब बना दी है। 24 से घटाकर 12 प्रतिशत और 12 से पांच प्रतिशत जीएसटी कर दी गई है। कुछ सामानों पर जीएसटी हटा ली गई है। यह दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो गई हैं। आम जनता को घटी की दरों का लाभ मिल सके इसके लिए प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधि स्तर पर प्रयास शुरू हो गए हैं।

जनप्रतिनिधि बाजारों में पहुंचकर नई दरों पर सामान की बिक्री करने के लिए अपील कर रहे हैं। लेकिन इन अपीलों का व्यापारियों पर प्रभाव नहीं पड़ रहा है। व्यापारियों द्वारा पुराने दामों पर ही सामान बेचा जा रहा है। जिससे सस्ता सामान लेने की उम्मीद से बाजार जा रहे ग्राहकों को निराशा मिल रही है। शहर के छह सड़का स्थिति इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण की दुकानों पर व्यापारियों ने बताया कि पुराने माल का स्टॉक जब तक खत्म नहीं हो जाता है, तब तक पुराने दाम और उसी जीएसटी के आधार पर माल की बिक्री की जाएगी। नया माल खरीदने पर पता चलेगा कि जीएसटी की नई दरें क्या निर्धारित हुई हैं। फिलहाल पुराने दामों पर ही सामान बेच रहे हैं। लावेला चौक स्थिति मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे ग्राहकों का कहना था कि दवाएं पुराने दामों पर ही दी गई हैं।

> बाजार में टीमें जा रही हैं। लेकिन अभी तक किसी प्रकार की शिकायत नहीं आ रही है। बाजार में नई दरों ही सामान बेचा जाना चाहिए। अगर शासन के आदेशों का पालन नहीं हो रहा तो शिकायत पर जांच कराई जाएगी।
> **-चंद्रशेखर सिंह**, सहायक आयुक्त जीएसटी

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को पांच साल का कठोर कारावास

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 18 मार्च 2024 को खेत से लौट रही किशोरी को ले जाकर गन्ने के खेत में किया था दुष्कर्म
- दोषी पर 21 हजार रुपये लगाया जुर्माना, पीड़िता को क्षतिपूर्ति के लिए दी जाएगी धनराशि

अमृत विचार : किशोरी को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने और दुष्कर्म करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश, पाक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाते हुए पांच साल के कठोर कारावास समेत 21 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति रूप में देने का आदेश दिया है। जुर्माना अदा न करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादिनी ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उसने बताया कि उसकी 17 साल की धेवती कक्षा 12 की छात्रा है। 18 मार्च 2024 की सुबह 11 बजे वह खेत पर खाना देकर वापस लौट रही थी। रास्ते में पहले से घात लगाए आकाश नाम का युवक मिला। जो किशोरी को खींचकर जबर गन्ने के खेत में ले गया। उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। किशोरी ने शोर मचाया। शोर सुनकर पास के खेतों पर काम कर रहे लोग पहुंचे।

आरोपी आइंदा जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। वादिनी ने आरोपी आकाश के घर जाकर उसके भाई रिंकू, पिता मुकेश से शिकायत की तो उन लोगों ने गाली-गलौज की। सिविल लाइन कोतवाली और शेखपुर चौकी पुलिस से शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं हुई। तो 6 अप्रैल 2024 को एसएसपी कार्यालय जाकर तहरीर दी। इसके बाद भी आरोपी पर कार्रवाई न होने पर वह न्यायालय की शरण में पहुंचीं। न्यायालय में सिविल लाइन क्षेत्र के गांव चंदऊ निवासी आकाश पुत्र मुकेश पर किशोरी को खींचकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोप में मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। अभियोजन पक्ष की विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2020 अनुक्रमांक 0854381 तथा इण्टरमीडिएट वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2225638832 के अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले हैं। **ग्रीश पाल पुत्र शम्भी निवासी ग्राम सुल्तानपुर टप्पा फरीदनगर तहसील सहसवान पोस्ट दानपुर जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कमाल हुसैन पुत्र प्यारे मियाँ निवासी 803 किला छावनी बरेली जिसका बैनामा संख्या - बही संख्या -1, जिल्द सं0 2481 के पृष्ठ नम्बर 271-272 में नंबर 12665 का बैनामा दिनांक 16.04.2025 को गुम हो गया है, यदि किसी को मिले तो सम्पर्क 9837385423

NOTICE

I, KORNANA TATARAO, FATHER of Army No-2617505W Rank-Sep name Kornana Eswara Rao presently residing at Vill- Bahadapalli, Tehsil-Man- dasa, Distt-Srikakulam, State-Andhra Pradesh, PIN-532243, have changed my name from KORNANA TATA RAO to KORNANA TATARAO as per Aadhar Records. Vide Affida- vit Declaration date18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari,Shahjahanpur.

NOTICE

I, G NAGAMMA, mother of Army No. JC-441899H Rank-Sub name Ramesh Golla presently residing at Vill-Varanasi Vari Palli- Tehsil-Rompicherla, Distt- Chittoor, State-Andhra Pradesh, PIN- 517192, have changed from my NAGAMMA name TO G NAGAMMA as per Aadhar Records. Vide Affidavit Declaration date18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur

NOTICE

I, G KRISHNAIAH, FATHER of Army No. JC-441899H Rank- Sub name Ramesh Golla presently residing at Vill-Varanasi Vari Palli - Tehsil-Rompicherla, Distt- Chittoor, State-Andhra Pradesh, PIN- 517192, have changed my name from KRISHNAIAH G TO G KRISHNAIAH as per Aadhar Records. Vide Affidavit Declaration date 18 sep 2025 advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है एक नवगठित मत्स्य जीवी सहकारी समिति का गठन मोहनपुर परौर न्याय पंचायत कुन्डरिया में मोहनपुर के पंचायत घर में दिनांक 30.09.2024 को समय दोपहर 02 बजे आयोजित की जायेगी। जिसमें मछुआ समुदाय/अनुसूचित जाति के इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति भाग ले सकते हैं। मत्स्य सम्बन्धी कार्य करने वालों को वरीयता प्रदान की जायेगी।- **मुख्य प्रवर्तक, अरूण कश्यप**

सूचना

मैंने अपनी पत्नी रूकसाना व पुत्र अफसर, रेहान एवं पुत्री खुशनूर जो कि अपने भाई याकूब व अहसान बाबू पुत्रगण यासीन, वसीम पुत्र याकूब मेरी पत्नी एवं बच्चों को बहकाते हैं। जिसके कारण मेरी पत्नी एवं बच्चों का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा नहीं है। उनके द्वारा किये गये गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **मो. शफीक पुत्र बली मोहम्मद निवासी- कुंवरपुर बंजरिया, थाना हाफिजगंज, जिला बरेली (उ.प्र.)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं0 2437528 में मेरा नाम रूबी खान (RUBI KHAN) दर्ज व जन्म तिथि 01.01.1980 दर्ज है जो कि गलत है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम रूबी खान (RUBY KHAN) व जन्म तिथि 10.07.1977 दर्ज है जो कि सही है। **रूबी खान पत्नी तसलीम रजा खान निवासी 110ए, स्वाले नगर जागृति नगर बस्ती रामपुर रोड किला बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुखविंदर सिंह व उसकी पत्नी पवनदीप कौर को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा उनसे अब कोई सरोकार व वास्ता नहीं होगा। **अमरीक सिंह पुत्र कुंदन सिंह निवासी अंबेडकर नगर, पटिहन, कोतवाली व तहसील पलियाकलां जिला खीरी।**

सूचना

मेरे भाई स्व. वेदप्रकाश का विवाह लक्ष्मी देवी पुत्री राकेश कुमार निवासी मठ, बरेली के साथ हुआ था। मेरे भाई का स्वर्गवास दिनांक 06.08.2025 को हो गया था। मेरे भाई की पत्नी लक्ष्मी देवी ने अपनी मर्जी से पुर्नविवाह दिनांक 23.09.2025 को कर लिया है। वह अपने पति मनोज कुमार पुत्र श्री दुर्गाप्रसाद निवासी ग्राम करेली जिला बरेली के साथ खुशी से रह रही हैं। उपरोक्त लक्ष्मी देवी के किसी भी प्रकार के दावे व व्यवहार का मैं व मेरा परिवार उत्तदायित्व नहीं होगा। **भूपराम पुत्र स्व. मनीराम निवासी मोहल्ला देशनगर शहर, पीलीभीत**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश नाम NAVENDRA KUMAR MISHRA अंकित है। जबकि आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में NAVENDU KUMAR MISHRA दर्ज है, जो कि सही नाम है। मुझे नवेंदु कुमार मिश्रा नाम से ही जाना, पहचाना जाता है। **नवेंदु कुमार मिश्रा पुत्र मनोज कुमार मिश्रा निवासी मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना गोला गोकर्णनाथ, जिला-खीरी।**

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 20 सितम्बर 2025 से प्रारंभ

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये

डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त | भर्ती एवं पलंग मुफ्त | मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों की सामान्य जांचें मुफ्त | नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त) | भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों का खाना मुफ्त | भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त | भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-

भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर

70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।

(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)

परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल

NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307

मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दुकान बंद कर भागा दुकानदार

बदायूं, अमृत विचार : मंगलवार के गांव निवासी फूल सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि बिल्सी नगर के खैरी रोड स्थित एक मिठाई की दुकान से एक किलो बूंदी के लड्डू खरीदे थे। वह घर लेकर पहुंचा और परिवार के लोगों को लड्डू खाने को दे दिया। इसी दौरान बूंदी के लड्डू में कीड़े निकलने लगे। पीड़ित ने दुकानदार से इसकी शिकायत पुलिस की। लड्डू में कीड़े निकलने की सूचना पर खाद्य विभाग की टीम बुधवार को दुकान पर पहुंची, लेकिन दुकानदार टीम के पहुंचने से पहले ही दुकान बंद भाग गया। अभिहित अधिकारी सीएल यादव ने बताया टीम के पहुंचने से पूर्व ही दुकानदार दुकान बंद कर भाग गया। जब भी दुकान खुलेगी तब सैंपलिंग कराई जाएगी।

26 से शुरू होगा समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेला

बदायूं, अमृत विचार : समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेला 24 सितम्बर से शुरू होने वाला था जो अपरिहार्य कारणों से नहीं शुरू हो सका। विभाग द्वारा अब समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेला 26 सितम्बर से आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता करेंगे। उक्त जानकारी जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने देते हुए बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मेला का शुभारंभ समिति परिसर में किया जाएगा जबकि मेले के स्टॉल समिति के अंदर आयोजित किए जाएंगे।

रासेयो का स्थापना दिवस मनाया

बिसौली, अमृत विचार : सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज शरह बरौलिया में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का निर्देशन कार्यक्रम अधिकारी अनमोल उपाध्याय द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत गया, स्वयंसेवक व सेविकाओं के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत भी गया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य उद्देश्य "मुझको नहीं तुमको" पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किये। शिक्षक अश्वनी शर्मा ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण बातें बताई।

जाम का झाम: चौराहों से रेंगकर गुजरे वाहन

बुधवार सुबह से लेकर दोपहर तक शहर के विभिन्न चौराहों पर जाम में फंसकर लोग रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : चौराहों से जाम का झाम दूर नहीं हो पा रहा है। लोगों के बेतरतीब वाहन दौड़ाने और गलत दिशा में चलने की वजह से शहर के मुख्य चौराहों पर जाम लग रहा है। बुधवार को शहर के ज्यादातर चौराहों पर जाम लग गया। यातायात पुलिस ने वाहनों को व्यवस्थित करने का प्रयास किया लेकिन दोपहर तक जाम से आराम नहीं मिला। मुख्य मार्गों पर वाहनों के कतार की वजह से छोटे वाहन मोहल्लों की गलियों से होकर गुजरे। वहीं वाहन चौराहे पर रेंगते हुए गुजरे।

बुधवार सुबह से ही शहर के भामाशाह चौक, इंद्राचौक, कलेक्ट्रेट तिराहे आदि पर वाहनों का जाम लग गया। बेतरतीब चल रहे वाहनों की वजह से अन्य लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। चौराहे पर तैनात यातायात पुलिसकर्मी और होमगार्ड वाहनों को सही दिशा में भेजते नजर आए लेकिन दूसरी ओर से आए वाहन परेशानी का सबब बने। भामाशाह चौक पर एटीएम के पास पुलिस बैरियर के पास रोडवेज और प्राइवेट बसों की लंबी कतार लगी।

कलेक्ट्रेट तिराहे के पास जिला पंचायत कार्यालय जाने वाले मार्ग के मोड़ पर ई-कार के सवारियां भरने से वाहनों की कतार लग गई। सुबह से लेकर दोपहर तक छोटे वाहन चालक मेन रोड छोड़कर गलियों से होकर गुजरे।

बदायूं क्लब से भामाशाह चौक जाने वाले मार्ग पर लाइन में लगीं रोडवेज बसें। ● अमृत विचार

● पुलिसकर्मी और होमगार्ड वाहनों को सही दिशा में भेजते नजर आए

रोडवेज बसों से डिपो चौराहे पर लग रहा जाम

प्राइवेट और रोडवेज बसों की वजह से डिपो चौराहे पर लगने वाला जाम जारी है। प्राइवेट और रोडवेज बसें चौराहे पर खड़ी होकर सवारियां भरती हैं। बुधवार को भी चौराहे पर जाम लगा रहा। आलम तो यह था कि डिपो चौराहे का जाम जिला अस्पताल मार्ग तक पहुंचा। जिससे लाबेला चौक से कलेक्ट्रेट जाने वाले वाहन रोडवेज बसों की कतार की वजह से रुके रहे।

जिला अस्पताल से डिपो चौराहे पर जाने वाले पर लगा जाम। ● अमृत विचार

विभिन्न मामलों के आरोपी ने खाया विषाक्त पदार्थ

संवाददाता, विजय नगला

● युवक के साथ अक्सर होती है मारपीट

अमृत विचार : मुकदमों से आहत होकर विभिन्न मामलों के आरोपी युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर जान देने का प्रयास किया। युवक को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर युवक को बरेली रेफर किया गया है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र की नगर पंचायत गुलड़िया के वार्ड 10 निवासी अर्पित पटेल उर्फ भोला पुत्र बाबू सिंह पर उनके पड़ोसी राम भरोसे शर्मा और हरीश पाठक ने तीन मुकदमे दर्ज कराए हैं। जिसमें चार्जशीट भी लग चुकी है। वहीं अर्पित की ओर से भी उन दोनों के खिलाफ तीन रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। बताया जा रहा है कि अर्पित ने उसके खिलाफ हुए मुकदमा की वजह से वह अवसाद में चल रहा है। चार दिन पहले उसकी गांव में लगे टॉवर पर काम करने वाले केशव शर्मा व अभय पटेल से मारपीट हुई थी। पुलिस ने दोनों पक्ष पर शांतिभंग की कार्रवाई की थी। जिसके बाद मंगलवार को साढ़े 9 बजे गांव के दो युवक से झगड़ा हुआ। वह अपने घर चला गया। दूसरा पक्ष इकट्ठे होकर आए और अर्पित के साथ मारपीट की। उनके कान से खून निकलने लगा। अर्पित शिकायत करने थाने गया। आरोप है कि पुलिस ने उसे भगा दिया। जिसके चलते अर्पित ने मंगलवार रात एसएसपी आवास से दूरी पर विषाख्त पदार्थ खा लिया। पुलिस स्कार्ट ने मूसाझाग पुलिस को सूचना दी। युवक को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर उसे बरेली रेफर किया गया है। अर्पित पर लगभग दो साल पहले कांवड़ियों के जत्थे पर पत्थर फेंकने के आरोप में मुकदमा लिखा गया था। हल्का दारोगा धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि युवक पर कई मामले दर्ज हैं। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सोशल साइट्स पर डाली गांव की समस्या, प्रधान पति ने पीटा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● अलापुर क्षेत्र के गांव गभियाई में इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था वीडियो

अमृत विचार : गांव की जनसमस्या को सोशल साइट्स पर अपलोड करना एक युवक को महंगा पड़ गया। गांव की प्रधान के पति ने युवक और उसके भाई को पीटा। घटना पंचायत घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्रधान पति समेत तीन आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

अलापुर थाना क्षेत्र के गांव गभियाई निवासी रमेश चंद्र ने बताया कि वह अनुसूचित जाति के हैं। उनके गांव में बहुत समस्या है। जिसके चलते उनके भतीजे सुमित कुमार ने जाटव बस्ती में गंदगी व पानी की अव्यवस्था का वीडियो बनाया और सोशल साइट्स इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था। जिससे गांव के प्रधान पति स्वलीन खां और उसके परिचित नाराज हो गए। 22 सितंबर उनका बेटा वीरेश कुमार, भतीजा सुमित कुमार आयुष्मान कार्ड के लिए ई-केवाईसी कराने गांव गभियाई के पंचायत घर गए थे। जहां मौजूद प्रधान पति, नदीम खां पुत्र नासिर खां, रहीम खां पुत्र अमीर उल्ला ने उनके साथ गाली-गलौज की और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। विरोध करने पर वह लोग गुस्सा हो गए। लोहे के पाइप से मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगे। मारपीट से वीरेश घायल हो गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपियों के डर से वह पलायन करने को मजबूर हैं।

गाली गलौज का विरोध करने पर युवक को पीटा

उघैती, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव लोथर में कुछ लोगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। युवक खेत से घर वापस आ रहा था कि रास्ते में बैठे लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया। विरोध पर पर मारपीट की। गांव निवासी गौरव अपने खेत से घर वापस आ रहा था कि तभी रास्ते में बैठे गांव के ही योगेश्वर हरनंदन प्यारेलाल ने उसका रास्ता रोकने का प्रयास किया। रास्ता रोकने का कारण पूछने पर वह उसके साथ गाली गलौज करने लगे। जिसका विरोध करने पर उन लोगों ने गौरव के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। थाने पहुंचे युवक और उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। जिस पर पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दे कर कार्यवाही की मांग की है।

डेढ़ हजार मरीजों ने ली बुखार की दवा, नहीं सुधरे हालात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● जिला अस्पताल में बुखार टाइफाइड के मरीजों की भरमार

अमृत विचार : बदलते मौसम में बीमारियों ने भी अपना जाल फैलाना शुरू कर दिया है। बुखार उल्टी दस्त के बाद अब वायरल के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मेडिकल वार्ड पूरी तरह फुल है। मलेरिया वार्ड में आज चार नए मरीज भर्ती किए गए जबकि 16 मरीज बुखार और वायरल के भर्ती किए गए। मरीजों की भारी भीड़ देखकर बीमारी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

जिला अस्पताल में बुधवार को करीब डेढ़ हजार मरीजों को अलग अलग ओपीडी में देखा गया। इनमें अधिकांश मरीज बुखार वायरल और उल्टी दस्त के थे। बुखार के मरीजों को देखने वाले डॉक्टरों का कहना है कि रात को कुछ नरम मौसम रहता है जबकि दिन में धूप के चलते लोगों के शरीर का तापमान घटता बढ़ता है जिससे वायरल शुरू हो जाता है। ऐसे मौसम में विशेष सावधानी की जरूरत है। गंभीर बुखार पीड़ित 16 मरीजों को मेडिकल वार्ड में भर्ती किया गया। इस वार्ड में करीब 30 वेड हैं जो पूरे भरे हुए हैं। इसके बाद मलेरिया वार्ड में आज चार नए मरीजों को भर्ती किया गया। मलेरिया मरीजों को मच्छरदानी में रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस वार्ड में अन्य मरीजों को नहीं रखा गया है।

एक्सरे रूम में बिजली सप्लाई एक घंटे को ठप रही जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर 12 से लेकर एक बजे तक सप्लाई बंद रही। तकनीकी कारणों से ठप हुई बिजली आपूर्ति के चलते मरीज अंधेरे में रहे।डिजिटल एक्सरे भी नहीं हुए जिसके दोनों ओर मरीजों की भारी भीड़ रही।

एक्सरे और डिजिटल एक्सरे मशीन काफी अंदर हैं यहां पर बिजली न होने पर अंधेरा बना रहता है जिससे गर्मी और उमस के चलते मरीज परेशान रहते हैं। मरीजों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन बिजली न होने पर भी जनरेटर नहीं चलता है। जिससे काम बाधित होता है।

होम्योपैथिक अस्पताल में भी मरीजों की भीड़

अंग्रेजी दवाओं से आराम नहीं मिलने से अब मरीज होम्योपैथिक अस्पताल की दवा ले रहे हैं जिससे होम्योपैथिक सेंटर पर मरीजों की सुबह से दोपहर तक लाइन लगी रहती है। बुधवार को करीब 182 मरीजों को देख कर दवा दी गयी। डा. प्रमोद कुमार व्यास ने बताया कि इस मौसम में बुखार के मरीज प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। कुछ मरीज अंग्रेजी दवा का सेवन करने के बाद होम्योपैथिक दवा ले रहे हैं। जबकि अधिकांश मरीज होम्योपैथिक दवा लेना ही पसंद करते हैं। इस दवा से किसी तरह का नुकसान होने की संभावना नहीं रहती है। बीमारी जड़ से खत्म होती है इसलिए अब मरीजों में होम्योपैथिक के प्रति रूझान बढ़ रहा है।

डेढ़ सौ से अधिक मरीजों ने कराया ब्लड टेस्ट

बुधवार को 157 मरीजों का ब्लड टेस्ट किया गया। बुखार पीड़ितों की मलेरिया वायरल की जांच कराने को डॉक्टर ने ब्लड टेस्ट कराने को लिखा। जिससे ब्लड टेस्ट कराने वालों की लाइन लगी रही। सुबह से दोपहर तक धूप में लाइन में लगे रहने के बाद ब्लड टेस्ट कराने को रजिस्ट्रेशन हो सका। कड़ी जद्दोजहद के बाद ब्लड का सैंपल देकर मरीज वापस लौटेइन सभी मरीजों को अगले दिन रिपोर्ट दी जाएगी उसके बाद बुखार या वायरल की पुष्टि होने के बाद ही दवा दी जाएगी।

मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं को किया जागरूक

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को जानकारी देते एसपी देहात विजयेंद्र द्विवेदी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के फेज 5 के अंतर्गत एचपी हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ बदायूं में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी ने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। महिला थाने की प्रभारी निरीक्षक ने छात्राओं को विषम परिस्थिति में भी धैर्य न खोने और सामना करने को प्रेरित किया।

एसपी सिटी ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर वूमेन पॉवर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड लाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की जानकारी दी। साथ ही सार्थक और सकारात्मक चर्चा करके गुड टच, बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन 1930 आदि आदि के कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए पंफलेट के बारे में बताया। अभियान 21 अक्टूबर तक चलेगा।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपती घायल

बदायूं, अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में अनियंत्रित पिकअप ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। पिकअप छोड़कर उसका चालक मौके से भाग गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वजीरगंज थाना क्षेत्र के कस्बा बगरैन निवासी युवक बुधवार देर शाम अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बदायूं आ रहा था। राजमार्ग पर गांव सिकरापुर स्थित गोदाम के पास बदायूं की ओर से आई पिकअप ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर घायल हो गए। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने पिकअप रोक ली लेकिन पिकअप चालक भाग निकला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। घायलों को भर्ती किया गया है। युवक और उसकी पत्नी ने खुद को बगरैन निवासी बताया लेकिन नाम नहीं बता पाए।

लापता नाबालिग बहनें नहीं की गईं बरामद तो थाने पर किया जाएगा धरना

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के एक गांव से 18 सितंबर से लापता जुड़वा नाबालिग बहनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस की तमाम कोशिशों और पूछताछ के बावजूद परिवार की बेटियों का पता नहीं चल सका है। इसी मामले को लेकर बुधवार को भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल चौहान अपने समर्थकों के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे।

उन्होंने लापता बच्चियों के माता-पिता से जानकारी ली। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि बेटियों की सुरक्षित बरामदगी तक वह उनके साथ खड़े रहेंगे। पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि अगर तीन दिन के भीतर दोनों बेटियां सकुशल घर वापस नहीं आतीं तो समर्थकों के साथ थाना गेट पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। प्रशासन से मांग की कि

युवाओं के साथ मौजूद भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल चौहान।

● भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष की चेतावनी

इस घटना को सामान्य लापता होने की रिपोर्ट समझने के बजाय गंभीर अपराध मानते हुए ठोस कार्रवाई की जाए। कहा कि यह साधारण लापता होने की घटना नहीं है, बल्कि एक संगठित गिरोह द्वारा बच्चियों को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला है। यह नेटवर्क दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है और धर्मांतरण के बड़े षड्यंत्र के तहत कार्य कर रहा है। पुलिस ने परिवार और पूर्व जिलाध्यक्ष को बताया कि दिल्ली के संगम बिहार क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज में दोनों लड़कियां दिखाई दी हैं। पुलिस की कई टीमें दिल्ली सहित अन्य संभावित स्थानों पर दबिश दे रही हैं और जल्द बरामदगी का भरोसा दिलाया है।

विधायक ने किया बरात घर व सीसी मार्ग का लोकार्पण

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के गांव बरातेगदार, अलीनगर के मजरा सोई में बारात घर और गांव सिकरापुर में सीसी मार्ग का लोकार्पण किया।

कार्यालय को संबोधित करते हुए सदर विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार आम जनमानस के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ विकास के नए आराम स्थापित कर रहे हैं। विधानसभा में हर ग्राम पंचायत को तेजी से विकास हो रहा है। समस्याओं का निस्तारण उनकी प्राथमिकता और सर्वोपरि है। सदर विधानसभा प्रदेश की अग्रणी विधानसभा में गिनी जाए, इसका प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने और विकसित राष्ट्र में हम सब की भागीदारी हो। ब्लॉक प्रमुख अनेक पाल पटेल, सुरजीव गुप्ता, अनुज सक्सेना, अनूप पटेल, राहुल वार्ष्णेय, शुभम सिंह, जोगेंद्र कश्यप आदि उपस्थित रहे।

राहत

कछला गंगा ने समेटा आंचल, 64 हजार क्यूसेक आया पानी

दायरा समेट रही बाढ़, कटान से मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नरौरा से अब प्रतिदिन पानी कम आ रहा है जिससे गंगा नदी अपना आंचल समेटती दिख रही है। पुल के निकट तक पहुंच चुका पानी अब करीब दस फुट नीचे आ गया है। बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार आ रहा है। लेकिन कुछ क्षेत्रों में कटाव होने से किसानों की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं हैं। कटान के बाद भी ग्रामीण राहत महसूस कर रहे हैं।

नरौरा बैराज से बुधवार को मात्र 62 हजार 53 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। जो पिछले दिनों की अपेक्षा काफी कम है। गंगा में पानी कम आने से अब कछला गंगा ने अपना आंचल समेटना शुरू कर दिया है। अब तक कछला पुल तक पानी पहुंच चुका था जो अब करीब दस फुट नीचे आ गया है जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। कछला गंगा में पानी कम होने से हुसैनपुर बांध के नीचे पानी वह रहा है। बांध सुरक्षित है लेकिन इस बार बांध जर्जर होने के बाद भी अपनी जगह मजबूती के साथ खड़ा रहा। अब बांध की मरम्मत जल्द की जाएगी। उधर उसहैत क्षेत्र में गंगा अपने मूल स्थान पर लौट रही है जिससे आस पास का क्षेत्र खाली होने लगा है। करीब दर्जन भर गांवों में फिर से चहल पहल बढ़ने लगी है।

कछला गंगा का घटता जलस्तर। ● अमृत विचार

● जर्जर बांधों की होगी मरम्मत, अधिकारी करेंगे निरीक्षण

आधा दर्जन गांव में बाढ़ का कहर खत्म

सहसवान क्षेत्र की महावा नदी में पानी बढ़ने से बाढ़ का कहर बना हुआ था। खागी नगला और वीर सहाय नगला को तहसील प्रशासन ने एक माह पहले ही खाली करा दिया था। उसके बाद चार अन्य गांवों को खाली कराया गया। अब गंगा नदी में पानी कम होते ही बाढ़ से भी निजात मिलने लगी है। लोग अपने घरों को लौट रहे हैं। तहसील प्रशासन बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांट रहा है।

"अब स्थिति काफी हद तक सामान्य दिख रही है। आज मात्र 62 हजार क्यूसेक पानी आया जो पहले से काफी कम है। संभावना है कि तीन चार दिन में बाढ़ का पानी खत्म हो जाएगा। उसहैत क्षेत्र के बाढ़ ग्रस्त गांवों में अभी भी दिक्कत है लेकिन ग्रामीण अब अपने घरों को लौट चुके हैं। तहसील दातागंज प्रशासन बाढ़ पीड़ितों से संपर्क कर रही है। स्थिति अब सुधरने लगी है।

–नेशपाल, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

जो लोग बाहर निकल गए थे वह अब अपने घरों पर लौटे हैं लेकिन गांव में कीचड़ के चलते अभी मुश्किल बनी हुयी है। अपने घरों पर पशुओं को भी पहुंचा दिया है।

उसहैत के जटा गांव के पास दो दिन में करीब सात मीटर कटान कर गंगा आगे बढ़ गयी है। कटान से किसान परेशान है लेकिन उम्मीद है कि अगले चार पांच दिन में गंगा का पानी अपनी जगह पर ही होगा। जसवंत नगर के लोग कटान से परेशान हैं लेकिन बाढ़ का पानी खत्म होने से राहत है। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से बाढ़ राहत सामग्री की मांग की है।

फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार: कस्बे में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। थाने के सामने करीब सौ मीटर दूर रहने वाले रामकिशन का 19 वर्षीय बेटा रोनू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया गया कि मृतक रोनू पांच भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मां का निधन काफी पहले हो चुका था। बुधवार दोपहर वह

जैतीपुर कस्बे में युवक की आत्महत्या के बाद शोकाकुल परिजन। ● अमृत विचार

● पारिवारिक कलह से जुड़ रहे हैं कयास, पुलिस जांच में जुटी

मोहल्ले में घूमने के बाद घर आया और भूसा भरे कमरे में अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। किसी तरह लिंटर के पंखे के कुंडे में रस्सी डालकर उसने फांसी लगा ली। दरवाजा खोलने की कोशिश नाकाम रहने पर परिजनों ने खिड़की तोड़ी, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

ग्रामीणों का कहना है कि परिवार में बीते कुछ दिनों से कलह चल रही थी और विवाद बढ़ गया था। हालांकि, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मौके पर पहुंचे एसआई संजीव कुमार ने परिजनों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है, लेकिन अब तक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

न्यूज ब्रीफ

पिता की डांट से नाराज किशोर ने लगाया फंदा

सीबीगंज, अमृत विचार : सीबीगंज थाना क्षेत्र में सनौआ स्थित काशीराम कालोनी के ए ब्लॉक में बुधवार दोपहर पिता की डांट से नाराज होकर एक किशोर ने छत के कुंडे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बिजली विभाग में संविदा कर्मी देव ने अपने बेटे क्रिस (16) को किसी बात पर डांट दिया था। जिसके बाद देव अपने काम पर चला गया। मां भी किसी काम से बाहर चली गईं। पिता की डांट से नाराज होकर बेटा क्रिस कमरे में गया और फंदा लगाकर जान दे दी। जब मां घर वापस लौटी तो बेटे को फंदे पर लटकता देखा। आसपास के लोगों ने उसे नीचे उतारा और उपचार के लिए अस्पताल लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। क्रिस दो भाई हेमंत और दो बहन अर्पिता और दिया में दूसरे नंबर का था।

अवैध अस्पताल में बना रखा था एनआईसीयू

संभल, अमृत विचार : अवैध अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन के अभियान के तहत बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने मोहम्मदपुर टांडा में तीन अवैध अस्पतालों को सील कर दिया। बड़ी बात यह है कि एक अस्पताल में आधुनिक उपकरण व मॉनिटर लगाकर बच्चों का एनआईसीयू वार्ड बनाया गया था जबकि वहां कोई डिग्री वाला डॉक्टर नहीं था। इंटर पास अस्पताल संचालक ही बच्चों का इलाज करता था। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार बुधवार को मोहम्मदपुर टांडा में एमपीएस पॉलीक्लिनिक पर पहुंचे तो वहां क्लीनिक संचालक माखन चंद्र महापात्र मरीजों का उपचार करते मिला।

आईसीएल के चेयरमैन समेत छह पर एक और केस

बदायूं निवासी भुवनेश ने एडीजी से की थी शिकायत, जांच शुरू

- निवेश कराने के नाम पर करोड़ों की कर चुका है ठगी, बरेली- बदायूं में पहले ही दर्ज हैं कई मुकदमे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : करोड़ों रुपये की ठगी कर चुके महाठग चिट फंड कंपनी आईसीएल के चेयरमैन आरके गोला समेत छह निदेशकों पर एडीजी रमित शर्मा के आदेश पर प्रेमनगर थाने में धोखाधड़ी की एक और रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने मेच्योरिटी के बाद भी 1.25 लाख रुपये हड़प लिए। बदायूं निवासी भुवनेश कुमार की शिकायत पर यह रिपोर्ट दर्ज की गई है। कंपनी के चेयरमैन समेत अन्य निदेशकों पर पहले से ही धोखाधड़ी के कई केस दर्ज हो चुके हैं। चेयरमैन आरके गोला जेल भी जा चुका है।

बदायूं के कुंवरगांव निवासी भुवनेश कुमार ने एडीजी से की गई शिकायत में बताया कि उन्होंने आइसीएल म्यूचुअल बेनेफिट्स कार्पोरेशन लिमिटेड और इमेज करियर लिमिटेड में 90 हजार रुपये का निवेश किया था। पॉलिसी के अनुसार मेच्योरिटी होने पर यह रकम 1.25 लाख रुपये होनी थी। समय पूरा होने के बाद कंपनी के कार्यालय में जाकर अपनी पॉलिसी से संबंधित सभी दस्तावेज भी जमा किए। इसके बाद भी कंपनी की ओर से कोई रुपया नहीं लौटाया गया। आरोप है लगातार कंपनी के चक्कर काटे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। हर बार धमकी मिलती है। भुवनेश कुमार ने कंपनी के चेयरमैन रूप किशोर गोला, डायरेक्टर अवधेश कुमार गोला, जितेंद्र कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार, दीपक कुमार भटनागर और आनंद पाल गोला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आईसीएल ग्रुप का निदेशक गिरफ्तार कर भेजा गया था जेल : आरके गोला आईसीएल ग्रुप ऑफ कंपनीज का चेयरमैन है। उसने रकम दोगुनी करने का झांसा देकर हजारों निवेशकों से करोड़ों रुपये निवेश कराए। इसके बाद रकम नहीं लौटाई। उसके खिलाफ बदायूं और बरेली में कई मुकदमे दर्ज हैं। निदेशक रूपकिशोर गोला को प्रेमनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। परेशान निवेशकों ने उसे और उसके सहयोगी को अखा गांव के पास उसके डेयरी फार्म से पकड़ा और वहीं से गांधीपुरम स्थित कार्यालय ले आए थे। जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। निवेशकों ने हाल ही में गोला व उसके साथियों के खिलाफ प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सत्ता पक्ष के नेताओं का चहेता है गोला

आरके गोला चालाक व्यवसायी है। वह हमेशा सत्तापक्ष में मजबूत पकड़ बनाकर रहता है। यही वजह है कि वह निवेशकों को कुछ नहीं समझता। पहले वह सपा नेताओं का खास था और उसने उनकी दोस्ती के दम पर डेयरी फार्म खोला। बाद में वह भाजपा सरकार बनने पर भाजपा नेताओं के संपर्क में आ गया। निवेशकों का कहना है कि गोला अक्सर उन्हें अपने सत्तापक्ष से संबंधों की हनक दिखाता था। गोला के कई फोटो सत्तापक्ष के बड़े नेताओं के साथ भी देखे गए हैं।

बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में भी ठगा

गोला ने केवल बरेली ही नहीं, बल्कि मंडल के चारों जिलों में लोगों को लुभावने सपने दिखाकर ठगी की है। बदायूं के सिविल लाइंस, उझानी आदि थानों में उसके खिलाफ ऐसे ही ठगी और धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। पीलीभीत व शाहजहांपुर के भी कई निवेशकों ने उसकी कंपनी में पैसा लगाया था। पुलिस कई मामलों में चार्जशीट लगाने का दावा कर रही है। बावजूद रसूख की वजह से पुलिस उसे पकड़ने से कतरा रही थी।

जागरूकता ही एनीमिया से बचाव का आसान तरीका

जैतीपुर, अमृत विचार: एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख सपना कश्यप ने किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित महिलाओं को एनीमिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि एनीमिया एक गंभीर बीमारी है, जो ज्यादातर महिलाओं में होती है। शरीर में खून की कमी के कारण कमजोरी आ जाती है। उन्होंने महिलाओं को रोग की पहचान के तरीके और उसके बचाव के उपाय बताए। इसी क्रम में महिलाओं को फोलिक एसिड और आयरन की गोलियां भी खिलाई गईं। इस मौके पर विकासखंड में एनीमिया मुक्त अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। अभियान के अंतर्गत सभी विभागों के सहयोग से घर-घर जाकर महिलाओं को जागरूक किया जाएगा । कार्यक्रम में बीईओ मनीष दत्त, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर मो. सज़र, ब्लॉक प्रमुख पति राजीव कश्यप, लोकेश मिश्रा, फार्मासिस्ट प्रियंका गंगवार समेत अन्य रहे।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

- फल बेचने जा रहे बाइक सवार की हादसे में मौत
- नामकरण संस्कार से लौट रहे युवक की हादसे में गई जा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, इसकी सूचना मिलते ही उनके घरों में कोहराम मच गया। जानकारी होते ही पुलिस ने पहुंचकर को शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव ढकिया बुजुर्ग निवासी रामजीत (30) के चाचा प्रभू दयाल बंडा में रहते है। उनके यहां मंगलवार को बच्चे का दष्टोन (नामकरण संस्कार) था, वह उसमें शामिल होने के लिए गया था। शाम 9 बजे बंडा से पुवायां बाइक से लौट रहा था। बंडा-पुवायां रोड पर एक स्कूल के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार रामजीत घायल हो गया। बंडा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पत्नी रोली और बेटा नितिन समेत पूरे परिवार का हाल बेहाल हो गया। वह मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर रोजा थाना क्षेत्र के गांव बल्लिया निवासी शंभू दयाल (40) फलों की बिक्री फेरी लगाकर करता था। बुधवार को मोपेड पर फलों की क्रेड रखकर फेरी लगाने के लिए जा रहा था। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र में सीतापुर रोड पर एक ढाबे के सामने ट्रक ने मोपेड को टक्कर मार दी। पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी शांति देवी और चार बच्चों को छोड़ गया है। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़कें बिना अनुमति खोदने पर 10 लाख रुपये का जुर्माना

बरेली, अमृत विचार: बिना अनुमति के स्मार्ट सिटी की सड़कें खोदने पर नगर निगम ने बिजली विभाग पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय ने बताया कि विकास भवन से आनंद आश्रम तक की रोड संख्या 5 और सर्किट हाउस रोड पर डीआईजी ऑफिस के पास लगाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स, जीएसबी और ब्लैक बिटुमिनस सड़कों को बिना अनुमति गड्ढे खोदकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इन कार्यों से न केवल सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हुआ बल्कि आम जनता के लिए दुर्घटना की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। बिजली विभाग की मनमानी से करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है और नियमों के तहत 100 प्रतिशत दंड स्वरूप 10 लाख रुपये की वसूली तय की गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण/आर.एस.पी./ पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र० सं०-1, ई-प्रापण निविदा संख्या :** NER-GKP-RSP-2025-21, **कार्य का नाम** – छपरा (सी.पी.आर)-भटनी (वी.टी.टी.) सेक्शन में सिवान (एस. वी.)-जीरादेई (जेड.आर.डी.ई.) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 388/8-9 पर एल.सी. संख्या -93 के स्थान पर चार लेन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का निर्माण, जिसमें आरई वॉल/ पीएससी गर्डर/ कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी डिवीजन के रेलवे हिस्से में आर.डी. एस.ओ. के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जाएगा।, अनुमानित निविदा मुल्य : 885984233.49, बयाना राशि (रू०) : 4579900.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू०) : 0.00 शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 महीने ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि- दिनांक 02.10.2025 ● उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि – दिनांक 16.10.2025 15.00 बजे तक। ● उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि – दिनांक 16.10.2025 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.
मुजाधि/डब्ल्यू – 269 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

दिव्यांग से मारपीट और तोड़फोड़ करने के मामले में चार पर मुकदमा

बंडा, अमृत विचार: बंडा पुलिस ने दिव्यांग युवक से मारपीट, गाड़ी के शीशे तोड़ने, निर्माणाधीन दीवार गिराने और घर में घुसकर तोड़फोड़ करने के साथ-साथ जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

गांव बिहार रामनगर निवासी ब्रह्माशंकर मिश्रा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह इस समय पुवायां में रह रहे हैं।

9 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे उनका बड़ा बेटा, जो एक पैर से दिव्यांग है, गांव में निर्माण कार्य करा रहा था। इसी दौरान गांव के ही हरवेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, सत्यभान सिंह और थाना पुवायां के गांव नाहिल निवासी राजा बाबू मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य रुकवा दिया। आरोप है कि उन्होंने उसके दिव्यांग बेटे को गालियां देते हुए मारापीटा। शिकायतकर्ता ने बताया कि सूचना मिलने पर जब वह अपने परिवार के साथ गांव पहुंचा और विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज कर लाठी-डंडा और तमंचे से हमला कर दिया। इस दौरान उनकी निर्माणाधीन दीवार गिरा दी गई। हमलावरों ने उसकी चार पहिया गाड़ी के आगे और पीछे के शीशे तोड़ दिए। आरोप है कि गाड़ी में बैठे उसके छोटे बेटे पर भी जानलेवा हमला किया गया, जो किसी तरह भागकर घर के अंदर घुस गया और दरवाजा बंद कर लिया। फिर भी हमलावर घर में घुस आए और तोड़फोड़ करते हुए जान से मारने की धमकी देते रहे। इस पर डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई। पीआरवी के मौके पर पहुंचते ही हमलावर वहां से भाग निकले। पीड़ित की तहरीर पर बंडा पुलिस ने चारों आरोपियों हरवेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, सत्यभान सिंह और राजा बाबू के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एंबुलेंस चालक समेत चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एक प्राइवेट एंबुलेंस में आक्सीजन न मिलने से महिला की मौत के मामले में मृतका के परिवार वाले एंबुलेंस चालक समेत चार के खिलाफ विभिन्न धाराओं मुकदमा दर्ज कराया है। एंबुलेंस में आक्सीजन का सिलेंडर खाली था। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सेहरामऊ थाना क्षेत्र के मांव देवकली निवासी 40 वर्षीय धनदेवी को बुखार आ रहा था। ओमकार पत्नी को लेकर सोमवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के सामने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डाक्टरों ने जांच के बाद महिला की स्थिति गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया। पति उसे एक निजी अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस बुक कराई। रास्ते में ओमकार को पता चला एंबुलेंस में लगे आक्सीजन सिलेंडर खाली है। निजी अस्पताल लेकर पहुंचा तो डॉ. ने महिला मरीज को बरेली के लिए रेफर कर दिया। उसका आरोप है कि एंबुलेंस में आक्सीजन का खाली सिलेंडर होने के कारण बरेली ले जाते समय रास्ते में उसकी पत्नी की मौत हो गयी। उन्होंने चालक से सिलेंडर में आक्सीजन न होने की बात पूछी तो चालक व उसके दौ साथी नाराज हो गए और गाली देने लगे। चालक एंबुलेंस लेकर मेडिकल कॉलेज आया और दूसरी गाड़ी से सिलेंडर बदला, जिसका वीडियो मृतका के पति के पास है। एंबुलेंस चालक व उसके दो साथी मौका पाकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात एंबुलेस चालक समेत चार लोगों के विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

36 केंद्रों पर धान और 16 पर होगी बाजरा की खरीद

बदायूं, अमृत विचार: धान, मक्का और बाजरा की खरीद के लिए तैयारी जिला विपणन विभाग द्वारा पूरी कर ली गई है। एक अक्टूबर से होने वाली खरीद के लिए जिले में 36 धान के केंद्र खोले जाएंगे। जिसकी अनुमति डीएम से मिल चुकी है। वहीं मक्का की खरीद के लिए चार और बाजरा की खरीद के लिए 16 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। खोले जा रहे केंद्रों पर वारदाना भेजी जाने लगी है।

धान के साथ मोटे अनाज की सरकारी खरीद के लिए जिला विपणन विभाग की ओर से तैयारी पूरी कर ली गई है। एक अक्टूबर से जिले में धान और मोटे अनाज की खरीद के लिए केंद्र खोल दिए गए हैं। सभी तहसीलों में धान की खरीद के लिए चार एजेंसियां नामित की गई हैं। पीसीएफ, यूपीएसएफ, पीसीयू, और खाद्य विभाग को नामित किया गया है। इन एजेंसियों के 36 क्रय केंद्र सभी तहसीलों में खोले गए हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अतुल कुमार वशिष्ठ ने बताया कि किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने के लिए शासन ने समर्थन मूल्य तय कर दिया है। इसमें कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2360 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का मूल्य 2380 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय : नं. 27ए, डेवलप्ड इंडस्ट्रियल एस्टेट, गिंडी, चेन्नई – 600 032, तमिलनाडु
क्षेत्रीय कार्यालय: हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, द्वितीय तल, 212बी और 212सी, प्लॉट संख्या टीसी/जी-2/2 और टीसी/जी-5/5 साइबर हाइट्स, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226010
प्राधिकृत अधिकारी: श्री शांतनु प्रताप सिंह, संपर्क सूत्र: +91 9918837339; ईमेल: shantanupratap.singh@hindujahousingfinance.com

निजी संधि के माध्यम से बिक्री की सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) के तहत एचएचएफएल को प्रभारित चल और अचल परिसंपत्तियों की बिक्री।

एचएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने सरफैसी अधिनियम की अनुसूचित संपत्ति 13(4) की धारा के तहत कब्जा ले लिया है। ऐतद्द्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि अनुसूची में उल्लिखित सुरक्षित संपत्ति निजी संधि के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध है, जो एचएचएफएल द्वारा सहमत शर्तों के अनुसार "जहां है" और "जैसा है" के आधार पर अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए है।

निजी संधि के माध्यम से संपत्ति की बिक्री के लिए मानक नियम और शर्तें निम्नानुसार हैं:–

1. निजी संधि के माध्यम से बिक्री **"जहां है"** और **"जैसा है" आधार पर होगा।**
2. खरीदार को संपत्ति की खरीद के लिए एचएचएफएल की पेशकश की स्वीकृति के अगले कार्य दिवस पर बिक्री विचार का 25% जमा करना होगा और उसके बाद 15 दिनों के भीतर शेष राशि जमा करनी होगी।
3. खरीदार को आवेदन के साथ प्रस्तावित राशि का 10% जमा करना होगा जिसे उपरोक्त खंड (2) के अनुसार जमा के 25% के खिलाफ समायोजित किया जाएगा।
4. उपर्युक्त खंड (2) के तहत अपेक्षित राशि को प्रेषित करने में विफलता, आवेदन के साथ भुगतान की गई राशि के 10% सहित पहले से ही भुगतान की गई राशि को जब्त करने का कारण बनेगी।
5. एचएचएफएल द्वारा खरीद की पेशकश को स्वीकार नहीं करने के मामले में, आवेदन के साथ भुगतान की गई 10% की राशि बिना किसी ब्याज के वापस कर दी जाएगी।
6. संपत्ति को सभी मौजूदा और भविष्य के दायित्वों के साथ बेचा जा रहा है, चाहे वह एचएचएफएल के लिए ज्ञात या अज्ञात हो। अधिकृत अधिकारी/सिक्योर्ड क्रेडिटर किसी भी तीसरे पक्ष के दावों/अधिकारों/देय राशियों के लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।
7. खरीदार को अपनी संतुष्टि के लिए संपत्ति से संबंधित सभी पहलुओं (निजी संधि के माध्यम से बिक्री के तहत) पर उचित जांच करनी चाहिए। खरीदार बाद की तारीख में इस संबंध में अधिकृत अधिकारी / सुरक्षित लेनदार के खिलाफ कोई दावा करने का हकदार नहीं होगा।
8. एचएचएफएल बिना कोई कारण बताए खरीद के किसी भी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
9. एक से अधिक प्रस्ताव होने की स्थिति में, एचएचएफएल उच्चतम प्रस्ताव को स्वीकार करेगा।
10. इच्छुक पक्ष आगे की जानकारी/स्पष्टीकरण और अपना आवेदन जमा करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।
11. क्रेता को संपत्ति की खरीद के संबंध में सभी स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क और अन्य खर्च, कर, शुल्क वहन करने होंगे।
12. बिक्री SARFAESI अधिनियम/नियमों के प्रावधानों के अनुसार होगी।

अनुसूची संपत्ति का विवरण (सुरक्षित परिसंपत्ति का हिस्सा)	आरक्षित मूल्य
UP/LKN/BRLY/A000000278 श्री सुमित सक्सेना **संपत्ति का पता**– खसरा संख्या 331, 335, विहार मान नगला, तह व जिला बरेली, उत्तर प्रदेश, 243001, **क्षेत्रफल** – 810 वर्ग फुट **सीमा: पूर्व:** विक्रेता का प्लॉट, **पश्चिम:** संगीता का प्लॉट, **उत्तर:** मुंशी नगर की चारदीवारी, **दक्षिण:** 9 मीटर रास्ता	रु. 18,11,700/– (अठारह लाख ग्यारह हजार सात सौ रुपये मात्र)

दिनांक : 22.09.2025
स्थान: बरेली
हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए (अधिकृत अधिकारी)

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/1389 दिनांक: 24.09.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से, ब्वायलर हेतु स्टीम बाल्ब की आपूर्ति, किराये पर मोटर की आपूर्ति, केन फीडिंग कार्य (पटला), बैगास फीडिंग / हैण्डलिंग कार्य, तीनों ब्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वैट स्क्रवर के ऐश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य, शुगर गोदाम संबंधी कार्य एवं ड्रायर हाउस सम्बन्धी कार्य, हेतु दिनांक 06.10.2025 तक गेजेज की आपूर्ति कार्य, इन्सटूमेन्ट की ए.एम.सी. कार्य नये कम्प्यूटर एवं कन्ज्यूमेवल सामानों की आपूर्तिख नयी एनॉलोजिक मेक एनडरायड एच.एच.सी. मशीनों की आपूर्ति सत्र 2023-24 की 3900 कु0 ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, सत्र 2024-25 की 3700 कु0 ब्राउन शुगर बिक्री कार्य एवं प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य हेतु दिनांक 07.10.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्तें व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1/एच-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तों में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ददरौल, शाहजहांपुर

पत्रांक: डायट/एस.एस.ए./3055-63/2025-26 दिनांक: 24.09.2025

जैम पोर्टल विज्ञप्ति

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्रांक: रा.शे./3418-3683/2025-26 दिनांक 05 मई 2025 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में संस्थान में होने वाले एकीकृत प्रशिक्षण मॉडयूल सम्पूर्ण (प्रा./कम्पो.प्रा.) प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों के दोपहर के भोजन/दो बार चाय एवं स्नैक्स आदि की आपूर्ति हेतु जैम पोर्टल पर बिड संख्या GEM/2025/B/6715051 दिनांक 23.09.2025 अपलोड की गयी है। अपलोड बिड के सापेक्ष इच्छुक निविदादाता अपनी बिड जेम पोर्टल पर ऑनलाइन दिनांक 03.10.2025 की अपरान्ह 01:00 बजे तक अपलोड कर सकते हैं। बिड के समस्त नियम व शर्तें जेम पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

सोनिया गुप्ता
प्राचार्य/उपशिक्षा निदेशक
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
ददरौल-शाहजहांपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत खैरपुर खैराती विकासखंड सहसवान (बदायूं)

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खैरपुर खैराती विकासखंड सहसवान की गौशाला गोबर खाद की नीलामी दिनांक 26 9.2025 दिन शुक्रवार को प्रात: 12:00 बजे से 2:00 बजे तक बोली लगाई जाएगी इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते हैं। जिस बोली दाता की अधिकतम बोली होगी नीलामी उसी बोली दाता के पक्ष में दी जाएगी नीलामी में भाग लेने से पूर्व जरूरी प्रपत्र पर निर्धारित जमानत राशि जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी सूचना को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

श्रीमती उर्मिला (ग्राम प्रधान) **अभय प्रताप यादव (ग्राम पंचायत सचिव)**

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर

पत्रांक: 1360 (4)/न.पा.परि.ज./अ.ई.नि.सू./2025-26 दिनांक: 23.09.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर में कार्य करने के इच्छुक समस्त अनुभवी ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि 15 वां वित्त आयोग / टाइड ग्रान्ट / अनटाइड ग्राण्ट से प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु ई-निविदायें दिनांक 24.09.2025 से दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा मूल्य तथा 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद, जलालाबाद, शाहजहांपुर के खाता सं. 37446267056 भारतीय स्टेट बैंक, जलालाबाद IFSC Code:- SBIN0001121 में जमा रसीद ई-निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र तथा नियम व शर्तें उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेन्ट वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

क्र.	विवरण	तिथि व समय
1	वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	24.09.2025 | 02:00 PM
2	ई-निविदा डाउनलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	24.09.2025 | 02:00 PM
3	ई-निविदा अपलोड करने की प्रारम्भ तिथि व समय	24.09.2025 | 02:00 PM
4	ई-निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	30.09.2025 | 02:00 PM
5	ई-निविदा खोले जाने की अन्तिम तिथि व समय	04.10.2025 | 11:00 AM

एच.एन. उपाध्याय
अधिशासी अधिकारी

शकील अहमद खां
अध्यक्ष

कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर

पत्रांक: 675/जि.पं.-नि.अनु./2025-26 दिनांक: 24.09.2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

संशोधित निर्माण नियमावली के क्रम मे जिला पंचायत, सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा वर्ष 2025-26 में प्राप्त होने वाले शासकीय अनुदान से निम्न कार्यों की अलग-अलग ई-निविदा दिनांक 30.09.2025 को समय 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदायें www.etender.up.nic.in पर अपलोड/डाउनलोड की जा सकती है। ई-निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.09.2025 को 02:00 बजे से टेंडर समिति के समक्ष खोली जायेंगी। ई-निविदा की शर्ते निम्नवत् है:-

1. टेंडर के साथ रजिस्ट्रेशन का प्रमाण, चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, जी.एस.टी. सर्टिफिकेट, लेबर पंजीकरण, घोषणा पत्र, टेंडर शुल्क एवं अनेस्टमनी की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त इसकी एक हार्डकॉपी कार्यालय में जमा करनी होंगी।
2. टेंडर शुल्क "बड़ौदा उ.प्र. ग्रामीण बैंक" के खाता सं. 56370100007586 आई.एफ.एस.कोड BARB0BUPGBX में आरटीजीएस अथवा DD के रूप में जमा किया जायेगा।
3. 2 प्रतिशत अर्नेस्टमनी बड़ौदा उ.प्र. ग्रामीण बैंक में नगद रूप से उपरोक्त खाते में अथवा FD/NSC जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो संलग्न करना होगा।
4. अपूर्ण या सशर्त ई-निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
5. सार्वजनिक निर्माण कार्यो में प्रयुक्त होने वलो उप खनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने विषयक भूतत्व एवं खनिज कर्म विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा।
6. पंजीकृत ठेकेदार को ठेका दिए जाने के पश्चात् कभी भी यह संज्ञान में आता है कि वह ठेकेदार सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यो एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उसे प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया जायेगा एवं इस आशय का शपथपत्र 100 रू. के स्टैम्प पर टेन्डर के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. प्रत्येक निविदा के साथ पंजीयन नवीनीकरण की रसीद/पंजीकरण प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का सर्वाधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित है।
9. आमंत्रित निविदाओं के कार्यादेश धनराशि की उपलब्धता के आधार जारी किये जायेंगे।

आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं का विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	विकास खंड	कार्य का नाम	धनराशि जी.एस.टी. रहित	2% धरोहर धनराशि	निविदा शुल्क मय जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	खुदागंज	मुखिया झाला (बमियाना) से ताहरपुर तक लेपन अनुरक्षण कार्य	16.95	33900	1200	1 माह
2	भावलखेड़ा	बड़े पैना बुजुर्ग से बरौरा तक लेपन मरम्मत कार्य	9.05	18100	1200	1 माह
3	भावलखेड़ा	पुवायां रोड से आदमपुर तक लेपन मरम्मत कार्य	6.34	12680	1200	1 माह
4	खुदागंज	मुखिया झाला (बमियाना) से ताहरपुर तक अवशेष भाग पर लेपन मरम्मत कार्य।	9.77	19540	1200	1 माह
5	भावलखेड़ा	बसुलिया में होली तिराहे से नहर पर डामर रोड पर पैच मरम्मत कार्य।	2.81	5620	1200	1 माह

संजय सिन्हा (अभियन्ता)
जिला पंचायत, शाहजहांपुर

महावीर सिंह यादव (अपर मुख्य अधिकारी)
जिला पंचायत, शाहजहांपुर

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय: नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेल: **auction@hindujahousingfinance.com,**
शाखा: प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम – शान्तनु प्रताप सिंह-9918837339, सीआरएम-दीपक कुमार शर्मा – 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001406 श्री सोनू जी और श्री प्रेमवती, दोनों : 41 नेकपुर, मढ़ीनाथ बरेली, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 971925 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	मकान नंबर 962 गांव नेकपुर, तहसील और जिला बरेली
2	UP/SHA/SHPR/A000000166 श्री वाहिद वाहिद और श्रीमती अलमीन अलमीन, दोनों: मदीना मस्जिद, मौलागंज देहात हरदोई शाहाबाद, ग्रामीण, शाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 241124	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1649142 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	मुहल्ला मैलागंज कस्वा परगना एवं तहसील शाहबाद जिला होर्दोई उ.प्र
3	UP/LKN/BRLY/A000001846 सुश्री आरती सक्सैना एवं श्री गोविंद सक्सैना, दोनों: 265 काली चरण मार्ग, सुभाष नगर बरेली, बरेली, काली चरण मार्ग, ग्रामीण, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243001	10-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1013592 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	खेत नंबर 776, नेकपुर (सुभाषनगर) तहसील एवं जिला-बरेली
4	UP/LKN/BRLY/A000001996 सुश्री सीमा अग्रवाल एवं श्री विवेक कुमार, दोनों : मुंडिया नबीबक्शा, साकरस रोड, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243201	14-06-2025 / 22-09-2025 सांकेतिक	₹ 1186634 दिनांक 10.06.2025 तक + ब्याज इत्यादि	गाटा संख्या 184 चौमहला जाजूनगर तहसील बहेड़ी जिला बरेली, उ.प्र

दिनांक : **24-09-2025**, स्थान : बरेली
प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

अमृत विचार

गुरुवार, 25 सितंबर 2025

प्रतिबद्धता के क्षण में, ब्रह्मांड आपकी सहायता करने के लिए षड़यंत्र रचता है।

–जोहान वोल्फगैंग वॉन गोएथे, जर्मन दार्शनिक

सरकार का ऐतिहासिक कदम

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज की सबसे जटिल और पुरानी समस्याओं में से एक रहा है। संविधान ने समानता का अधिकार देकर सभी नागरिकों को एक समान दर्जा प्रदान किया, लेकिन व्यवहारिक जीवन में जाति का उल्लेख, भेदभाव और उससे उपजे तनाव लगातार मौजूद रहे। हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में योगी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए यह निर्देश जारी किया है कि अब पुलिस दस्तावेजों, सरकारी कार्यवाहियों, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, शव परीक्षण रिपोर्ट, तलाशी मेमो या किसी भी तरह के आधिकारिक दस्तावेजों में जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, राजनीतिक रैलियों, सार्वजनिक मंचों और शिकायतों में भी जाति का नाम जोड़ना प्रतिबंधित होगा। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि समाज में जातिगत विषमता को मिटाने की दिशा में एक ठोस पहल है। जाति का उल्लेख कई बार कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालता है। किसी अपराध के आरोपी या पीड़ित की जाति लिखे जाने से सामाजिक तनाव भड़क सकता है। पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति अंकित करने से एक वर्ग विशेष की छवि हमेशा के लिए अपराध से जुड़ जाती है, जिससे सामाजिक न्याय की मूल भावना को ठेस पहुंचती है। सरकार का यह निर्णय इस कुप्रथा को समाप्त करने और सभी नागरिकों को समान दर्जा देने का प्रयास है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाली जाति-आधारित नारेबाजी और भड़काऊ संदेशों पर भी सख्त निगरानी रखने की बात कही गई है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब समाज को धीरे-धीरे जाति की जकड़न से बाहर लाने की जमीन तैयार होगी। जब किसी सरकारी दस्तावेज में जाति अंकित नहीं होगी, तो धीरे-धीरे लोगों की सोच से भी यह भेदभाव मिटने लगेगा। प्रशासनिक स्तर पर यह एक साहसी कदम है, क्योंकि इससे न केवल पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाहियों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों में यह संदेश जाएगा कि राज्य सबको समान दृष्टि से देखता है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल दस्तावेजों से जाति हटाने भर से सामाजिक समरसता स्थापित हो जाएगी।

राजनीतिक दलों को भी इस कदम से सबक लेना होगा। चुनावी रैलियों और भाषणों में जाति-आधारित गोलबंदी हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति पर धब्बा है। यदि ऐसे उल्लेख समाप्त होंगे तो राजनीति का ध्यान असल मुद्दों-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की ओर जाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इसे स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि यह निर्णय जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सही भी है, क्योंकि जब तक जाति की दीवारें बरकरार हैं, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है। आखिरकार, यह निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि सामाजिक सुधार की ओर बढ़ता हुआ संदेश है। यदि इसे सख्ती से लागू किया गया और राजनीतिक-सामाजिक संगठनों ने भी सहयोग किया, तो आने वाले वर्षों में भारतीय समाज जातिगत बंधनों से बहुत हद तक मुक्त हो सकता है।

प्रसंगवश

बदलता समाज और खत्म होता बचपन

आधुनिकता के इस युग में दुनिया जैसे-जैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बूते स्मार्ट होती जा रही है, वैसे-वैसे वह अपना कुछ खोती भी जा रही है! आधुनिकता की चकाचौंध में हम क्या खो रहे हैं, इसका आभास भी नहीं है। भारत सहित दुनिया भर में मासूम बच्चे, जो ठीक से बोल भी नहीं पाते, वह स्मार्ट फोन आपरेट करना सीख जाते हैं। वह स्मार्ट फोन से क्या-कुछ सीख रहे हैं, इसका माता-पिता को आभास भी नहीं है। आधुनिक दौर का यह बचपन स्मार्ट फोन की तरह दिनों-दिन अपडेट हो रहा है। यह बच्चे माता-पिता की कल्पना से भी आगे की बात करने लगा है। इन बच्चों के कार्य-व्यवहार को जब करीब से देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि इनका बचपन समय से पहले ही चला गया है। यह अपनी उम्र से कहीं अधिक बड़ों जैसा व्यवहार करते नजर आते हैं।

अरविंद रावल

लेखक

बचपन मानव जीवन का सबसे सुंदर और सर्वोतम दौर होता है। न कोई फिक्र न कोई चिंता और न कोई जिम्मेदारी। बचपन सदा मस्तमौला होता है और बचपन में जीवन निर्माण का खाका तैयार होता है, जिसमें भविष्य गढ़ा जाता है। समाज जैसे-जैसे बदलता जा रहा है, उसका असर भी बच्चों पर पड़ रहा है। इन सबके बीच बचपन गुम हो रहा है। आज मानव के पास अथाह दौलत और शोहरत है। बड़ी-बड़ी इमारतें हैं और इन इमारतों में आधुनिक विलासिता की वह सारी चीजें मौजूद हैं, जिनके बूते जीवन ऐशो-आराम से जिया जा सकता है! इन इमारतों के दरवाजों में बच्चों को एक तरह से कैद कर दिया गया है। ज्यादातर बच्चों के हाथों में स्मार्ट मोबाइल थमा दिया गया है। मोबाइल से यह बच्चे वह सब कुछ सीख रहे हैं, जो उनकी उम्र के लिहाज से काफी बुरा है। यहां तक कि बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो जा रही है। इससे बच्चों का मन-मस्तिष्क दूषित हो रहा है। कच्ची उम्र में उन्हें यह सब कुछ बर्बादी की तरफ ले जा रहा है। खराब बात यह है कि मां-बाप को इसका अंदाजा भी नहीं है कि उनका बच्चा मोबाइल पर कैसी सामग्री देख रहा है?

अपने देश में बच्चों के लिए कोई रीति-नियम नहीं बचा है। न कोई सामाजिक मानक ही तय किए गए हैं। कोविड में आन लाइन क्लासेज के जरिए एक बार जब स्कूली बच्चों के हाथ मोबाइल लगा तो वह फिर उनसे नहीं छूटा। बात सिर्फ अश्लील सामग्री तक ही नहीं है, अब ज्यादातर बच्चे स्कूल की किताबों की जगह यूट्यूब से पढ़ना पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब पर मौजूद कोर्स की हर सामग्री अपडेटेड या सही हो, यह जरूरी नहीं है। वहां से पढ़ा बच्चा जब एग्जाम में गलत जवाब लिखकर आता है और मार्क्स कम आते हैं तो मां-बाप जान ही नहीं पाते कि कमी कहां पर रह गई। वह यही कहते मिलते हैं कि उनके बच्चे ने बहुत मेहनत से पढ़ाई की थी, जाने कैसे उसके नंबर कम आए हैं!

नई पीढ़ी में नैतिकता हो, वह भविष्य में समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें, इसकी जिम्मेदारी समाज के साथ ही मां-बाप की भी है। मासूम अपने बचपन को इंज्वाय कर सकें और वह अपनी उम्र के हिसाब से धीरे-धीरे ज्ञान अर्जित करें, यह बहुत आवश्यक है, क्योंकि जिस तरह से मस्तिष्क का विकास होता है, उसी तरह की जानकारी भी उनके दिमाग में जानी चाहिए। कच्ची उम्र में बड़ों की बातें सीख जाना उनके लिए खतरनाक है और यह उन्हें गलत दिशा में ले जाएगा। ऐसी कई सारी घटनाएं हो चुकी हैं, जहां बच्चों ने मोबाइल देखकर क्राइम करना सीखा। बच्चों का भविष्य सुंदर हो और वह अपने बचपन को बेहतर जी सकें, यह जिम्मेदारी सभी की है।

'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी भौतिक संपत्तियों या प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी मानव संसाधन क्षमता से भी निर्धारित होती है। विशेषकर तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में यह अकाट्य सत्य रूप में प्रकट होता है। अमेरिका ने पिछले तीन-चार दशकों में जिस गति से स्वयं को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित किया है, उसमें विदेशी प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने सिलिकॉन वैली की सफलता में अहम योगदान दिया है। यही कारण है कि H-1B वीजा को अमेरिका और भारत के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाता है।

प्रतिवर्ष हजारों भारतीय इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाते हैं, अपनी जिंदगी संवारते हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं, लेकिन अब बड़ा अवरोध खड़ा हो गया है। ट्रंप ने घोषणा की कि नए H-1B वीजा आवेदकों से $100,000 का एकमुश्त शुल्क लिया जाएगा। यह राशि इतनी अधिक है कि अधिकांश पेशेवरों के लिए अमेरिका की राह मुश्किल होने वाली है। यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को रोकने की एक कोशिश है, हालांकि यह नीति केवल नए आवेदकों पर लागू होती है, मौजूदा वीजा धारकों पर नहीं। फिर भी प्रश्न यह है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे? अमेरिका और भारत दोनों के लिए इसका क्या अर्थ होगा? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या यह नीति अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित होगी और भारत के लिए अवसर का द्वार खोलेगी?

कई रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (STEM) पेशेवरों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों के सापेक्ष उपलब्धता सीमित है। इस कमी को अब तक विदेशी प्रतिभा पूरी करती रही है। भारतीय पेशेवर अकेले H-1B वीजा धारकों का 70% से अधिक हिस्सा रखते हैं, लेकिन अब $100,000 की बाधा के चलते तमाम योग्य पेशेवर अमेरिका जाने का सपना छोड़ देंगे। आईटी दिग्गजों के लिए भी चिंता यही है कि उन्हें काम करने के लिए सही लोग नहीं मिलेंगे अथवा खर्चा बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है। अध्ययनों से साबित हुआ है कि विदेशी प्रतिभा स्थानीय नौकरियां छीनती नहीं, बल्कि पैदा करती हैं। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन की यह नीति घरेलू श्रमिकों को खुश करने के नाम पर विदेशी प्रतिभा के दरवाजे लगभग बंद कर रही है। इसका परिणाम होगा धीमी नवाचार गति, उत्पादन में गिरावट और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना।

अब बात भारत की। सबसे बड़ा नुकसान भारतीय पेशेवरों को होगा। अमेरिका लंबे समय से भारतीय पेशेवरों, खासकर आईटी क्षेत्र के लिए 'करियर डेस्टिनेशन' रहा है। बेहतर वेतन, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और स्थायी निवास की संभावना ने लाखों युवाओं को वहां खींचा, लेकिन इस नई नीति ने इस रास्ते को लगभग असंभव बना दिया है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं, भावनात्मक भी है। कई परिवार टूटेंगे, कई सपने अधूरे रह जाएंगे। भारतीय आईटी कंपनियों के लिए भी यह झटका है। तमाम कंपनियां वर्षों तक अपने कर्मचारियों को H-1B के जरिए अमेरिका भेजकर प्रोजेक्ट्स संभालती रहीं। अब यह मॉडल बेहद महंगा होता जा रहा है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए तो यह शुल्क विनाशकारी साबित होगा।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। अमेरिका में मुश्किलें बढ़ने का अर्थ है कि भारतीय प्रतिभा अब देश के भीतर ही अवसर ढूंढने को प्रयासरत होगी। पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है। भारत में पहले से ही 1,580 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) मौजूद हैं, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपना रिसर्च, डेवलपमेंट और सपोर्ट का काम भारत से करवाती हैं। 2030 तक इनकी संख्या 2,300 से अधिक होने का अनुमान है। इससे लाखों नई नौकरियां और अरबों डॉलर का निवेश भारत में आ सकता है। भारतीय स्टार्टअप इको सिस्टम पहले से ही दुनिया के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है। अगर बेहतरीन इंजीनियर और वैज्ञानिक यहीं रुकते हैं, तो स्टार्टअप्स की संख्या में बढ़ोत्तरी भी संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है।

यह नीति केवल भारत और अमेरिका का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ी है। चीन अपनी STEM शिक्षा और रिसर्च पर भारी निवेश कर रहा है। यूरोप और कनाडा जैसी जगहें भी भारतीय प्रतिभा को आकर्षित करने में सक्रिय हैं। यदि अमेरिका ने अपने दरवाजे बंद कर दिए तो यह प्रतिभा कहीं और जाएगी। सवाल यह है कि भारत इस मौके को पकड़ पाएगा या नहीं? शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, शोध को प्रोत्साहन, कर ढांचे में सुधार, स्टार्टअप्स को पूंजी और सरल नियम तथा वैश्विक कंपनियों को स्थिर माहौल, ये सब मिलकर भारत को प्रतिभा का असली घर बना सकते हैं।

भारत के लिए यह कठिनाई भी है और अवसर भी। कठिनाई इसलिए कि हजारों भारतीय पेशेवरों के सपने टूटेंगे और आईटी कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ेंगी, लेकिन अवसर इसलिए कि यही प्रतिभा अब भारत की धरती पर रहकर देश के उद्योग, स्टार्टअप और शोध को मजबूत करेगी। अगर भारत सरकार और उद्योग जगत मिलकर सही रणनीति अपनाते हैं तो बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवाचार के लिए अनुकूल माहौल और वैश्विक मानकों के अनुरूप वेतन संरचना की बदौलत भारत के लिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत हो सकती है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका ने क्या खोया, बल्कि यह है कि भारत क्या हासिल करता है।

पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है।

आमने

केंद्र के अधीन फरक्का बैराज व डीवीसी के डैमों की वर्षों से ड्रेजिंग नहीं होने से हर बार जब बिहार, झारखंड, यूपी, उत्तराखंड में बारिश होती है, तो वहां का पानी बंगाल आ जाता है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। –**ममता बनर्जी**, सीएम, पश्चिम बंगाल

सामने

कोलकाता व आसपास बीती रात मूसलाधार बारिश के कारण जल जमाव और विभिन्न स्थानों पर करंट लगने से 10 लोगों की मौत की घटना के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। एक बार फिर साबित हो गया है कि बंगाल के लोग ममता के विनाशकारी कुशासन से जूझ रहे हैं। –**सुवेंदु अधिकारी**, नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

भारतीय सिनेमा फाल्के से मोहनलाल तक

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली का विज्ञान भवन 23 सितंबर को भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम क्षण का गवाह बना। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह क्षण केवल एक अभिनेता की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की विविधता, उसकी कलात्मकता और उसके वैश्विक प्रभाव का प्रतीक भी था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की परंपरा और गौरव को नए शिखर पर ले जाने वाले मोहनलाल ने अपने चार दशक लंबे अभिनय करियर में न केवल मलयालम बल्कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का परचम लहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को इस सम्मान पर बधाई देते हुए कहा कि उनका सफर न केवल एक अभिनेता की कहानी है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की विविधता, जीवंतता और वैश्विक पहुंच का भी प्रतीक है। यह टिप्पणी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मोहनलाल केवल एक फिल्म स्टार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गर्व के दूत भी हैं।

मोहनलाल विश्वनाथन, जो दक्षिण भारत में 'मोहनलाल' के नाम से विख्यात हैं, का जन्म 21 मई 1960 को केरल में हुआ था। 1978 में 'थिरनोट्टम' नामक फिल्म से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई, लेकिन वास्तविक पहचान उन्हें 1980 के दशक के मध्य में मिली, जब वे मलयालम सिनेमा के नए चेहरे के रूप में स्थापित हुए। चार दशकों से अधिक के इस सफर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और मलयालम सिनेमा को नई पहचान दिलाई। मोहनलाल की अभिनय शैली को 'नेचुरल एक्टिंग' का पर्याय माना जाता है। चाहे साधारण मध्यवर्गीय युवक की भूमिका हो, ऐतिहासिक चरित्र हो या एक्शन हीरो का रूप, मोहनलाल हर किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। यही कारण है कि उन्हें भारतीय सिनेमा का 'द कंप्लीट एक्टर' कहा जाता है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'किरिडम' (1989), 'भारतं' (1991), 'वानप्रस्थम' (1999), 'दृश्यम' (2013, 2021), 'इरुप्पथम नूट्टांडी' और 'पुलिमुरुगन' (2016) शामिल हैं। 'वानप्रस्थम' ने तो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और कांस फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित हुई, जबकि 'दृश्यम' को हिंदी तथा अन्य भाषाओं में रीमेक किया गया।

मोहनलाल का अभिनय सफर केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। वे पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी शामिल है। उन्हें पद्म भूषण (2019) और पद्म श्री (2001) जैसे भारत सरकार के उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। कई बार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुए हैं। इन सभी उपलब्धियों के बावजूद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान है, जिसने उनके योगदान को भारतीय सिनेमा की विरासत में अमर कर दिया है।

भारतीय सिनेमा की नींव रखने वाले धुंडीराज गोविंद फाल्के (दादासाहेब फाल्के) को 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है। 1913 में उन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई थी। उनकी स्मृति में ही 1969 से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत हुई थी, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सिनेमा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में आजीवन योगदान दिया हो। पहली बार यह पुरस्कार देविका रानी को मिला था और तब से लेकर अब तक यह पुरस्कार पृथ्वीराज कपूर, सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, लता मंगेशकर, अशोक कुमार, राजकपूर, अम्मानोरमलिनी, रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों को मिल चुका है।

मोहनलाल का सम्मान दर्शाता है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़) ने वैश्विक स्तर पर भारतीय फिल्मों की पहचान को मजबूत किया है। भारतीय सिनेमा पर अक्सर बॉलीवुड का दबदबा चर्चा में रहता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोहनलाल इस परंपरा के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने मलयालम सिनेमा को न केवल भारत के हर कोने तक पहुंचाया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान दिलाया। उनकी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ, पारिवारिक भावनाएं, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कर मोहनलाल ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सिनेमा की आत्मा उसकी विविधता और कलात्मकता में निहित है। कुल मिलाकर, मोहनलाल को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा की उस यात्रा का उत्सव है, जो दादासाहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुई और आज वैश्विक मंचों तक पहुंच चुकी है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के मौके पर राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया।

सोशल फोरम

'मिरर लाइफ' के खतरे

दुनिया भर के वैज्ञानिकों के बीच मिरर लाइफ यानी ऐसी जीवन संरचना, जिसमें जीवों के सारे अणु उल्टे (mirrored) हों, पर चल रहे रिसर्च को रोकने की मांग तेज हो गई है। विश्व भर के 38 प्रमुख वैज्ञानिकों ने 2024 के अंत में Science जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें कहा गया था कि मिरर बैक्टीरिया मानव, जानवरों, पौधों और पूरे पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर किसी तरह से ऐसे उल्टे-जैसे बैक्टीरिया लैब से बाहर आ जाएं, तो पृथ्वी पर कई जीवों की पूरी आबादी के लिए वास्तव में कोई बचाव तंत्र ही नहीं रहेगा, क्योंकि अब तक हमारे इम्यून सिस्टम सिर्फ प्राकृतिक (मूल) जैविक अणुओं को पहचानने के लिए विकसित हुए हैं।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

मिरर लाइफ प्रयोगशाला में बनाई जाने वाली जीवन की ऐसी व्यवस्था है, जिसमें जीवन के सभी अणु, जैसे डीएनए, आरएनए और प्रोटीन अपने प्राकृतिक रूप के ठीक उल्टे यानी दर्पण-छवि (mirror image) जैसे होते हैं। जैसे हर इंसान के दाएं और बाएं हाथ की बनावट एक जैसी है, लेकिन एक-दूसरे की दर्पण छवि है, वैसे ही मिरर लाइफ के अणु भी सामान्य जीवन के अणुओं के ठीक विपरीत होते हैं।

धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवों में डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स दाहिने (right-handed) होते हैं और प्रोटीन के अमीनो एसिड्स बाएं (left-handed) होते हैं। मिरर लाइफ में ये बिलकुल उल्टे होंगे। डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स बाएं और अमीनो एसिड्स दाहिने होंगे। ऐसा जीवन अब तक धरती पर कहीं नेचुरली नहीं मिला है। वैज्ञानिक सिंथेटिक जीव विज्ञान की मदद से इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सिर्फ प्रयोगशाला की कल्पना है। चिंता यह है कि अगर ऐसे मिरर जीव बन जाते हैं, तो इन्हें पहचानना, रोकना या नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली इन्हें नहीं पहचान पाएगी।

मई 2025 में मैनचेस्टर में वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और नैतिक विशेषज्ञों की अहम बैठक हुई थी। इसमें अधिकांश विशेषज्ञों ने माना कि मिरर लाइफ पर रिसर्च बंद करना जरूरी है, ताकि ऐसी संरचनाएं न बनाई जा सकें, जिन्हें रोका न जा सके। यह भी कहा गया कि जो रिसर्च दवाओं में मिरर इमेज अणुओं का इस्तेमाल करती है, वह अलग और सुरक्षित हैं, क्योंकि ये पहले ही FDA द्वारा अनुमोदित दवाओं में प्रयोग हो रहे हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

यूपीएस में कर्मचारी नहीं दिखा रहे हैं रुचि

केंद्रीय सरकार ने कर्मचारियों के लिए यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम के चयन करने की तारीख 30 सितंबर 2025 तक बढ़ा दी थी। यूपीएस जो देश में पहली अप्रैल 2025 से लागू की गई थी। यह तारीख इसलिए बढ़ानी पड़ी, क्योंकि यूपीएस के चयन में अभी तक काफी कम कर्मचारियों ने रुचि दिखाई है। कर्मचारी ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग काफी पहले से करते आ रहे हैं, दूसरी ओर यूपीएस के चयन में इनकी दिलचस्पी कम आंकी जा रही है। एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम में तब्दील किए गए कर्मचारी यूपीएस में जाने से गुरेज कर रहे हैं।

लगभग 24 लाख कर्मचारियों में से कुल 40,000 कर्मचारियों ने ही अभी तक यूपीएस के चयन की स्वीकृति दी है, जो संख्या में बहुत कम है। यही मुख्य कारण है कि केंद्र सरकार ने यूपीएस के विकल्प के लिए तिथि को बढ़ा दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकारों को भी यूपीएस चुनने का विकल्प केंद्र द्वारा दिया जा रहा है। अब बात करते हैं ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की। ओपीएस, एनपीएस के पूर्व में प्रदान की जानी वाली पेंशन स्कीम है, जिसमें कर्मचारियों के वेतन से इसके लिए किसी भी तरह की कोई कटौती नहीं की जाती थी, अथवा अंशदान नहीं लिया जाता था, जबकि सरकार ही पूरी राशि प्रदान किया करती थी। सरकार पेंशन की गारंटी देती थी और मूल वेतन के साथ-साथ डीए का 50% हिस्सा कर्मचारियों की पेंशन के लिए दिया जाता था।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम पहली जनवरी 2004 से लागू की गई थी। इस स्कीम में ओपीएस की तुलना में रात-दिन का फर्क देखने को मिला। नतीजन, कर्मचारियों का 10 प्रतिशत अंशदान और सरकार का 14 प्रतिशत अंशदान इस स्कीम में शामिल किया गया। इस अंशदान के बाद राशि को बाजार आदि में निवेश किया जाना प्रस्तावित हुआ। बस यहीं से मानों कर्मचारियों ने एक जंग सी छेड़ दी। कर्मचारी ओपीएस की मांग सरकार से करने लगे। मूलतः एनपीएस बाजार नियंत्रित रिटर्न्स पर निर्भर रहने वाली स्कीम है, जिसमें रिस्क फैक्टर बने रहने के चांस भी हैं। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बीच का रास्ता निकाल कर यूपीएस स्कीम को लांच किया। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम एक ऐसी स्कीम है, जहां पर अंशदान के साथ-साथ पेंशन की गारंटी भी प्रदान की जाएगी।

अब बात करते हैं यूपीएस यानी यूनिफाइएड पेंशन स्कीम की। यहां साफ करना होगा कि यूपीएस एक वैकल्पिक स्कीम है यानी एनपीएस की तरह इसे अपनाना जरूरी नहीं है। यूपीएस का चयन कर्मचारियों को अपने हिसाब से करना है। इसके लिए सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है। चूंकि यूपीएस, ओपीएस और एनपीएस का एक समावेशी पहलू है, इसलिए यूपीएस एक महत्वपूर्ण योजना हो सकती है, जहां सुरक्षा भी मिले वह भी गारंटी के साथ। यूपीएस में न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा उपरांत कर्मचारी को उसके अंतिम 12 माह के मूल वेतन का 50 प्रतिशत, पेंशन व्यवस्था के तौर पर सुनिश्चित किया गया है। वहीं 10 वर्ष की सेवा उपरांत 10,000 मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई है। ग्रेच्युटी एवं डीए भुगतान का विकल्प भी समायोजित किया गया है, जबकि अंशदान की बात करें तो इसमें कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत व सरकार द्वारा भी कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत अंशदान शामिल किया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त 8.5 प्रतिशत यूपीएस पूल कॉर्पस भी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यानी सरकार का योगदान लगभग 18.5 प्रतिशत तक रहेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सितारों और ग्रहों की रहस्यमयी दुनिया में बनाएं भविष्य

ब्रह्मांड हमेशा से इंसानों के लिए रहस्यमयी रहा है। रात के अंधेरे में टिमटिमाते तारे, चमकता चांद और ग्रहों की अनोखी दुनिया हर किसी को आकर्षित करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन रहस्यों को समझने के लिए एक खास विज्ञान है- एस्ट्रोफिजिक्स। अगर आप विज्ञान और गणित के छात्र हैं और अंतरिक्ष की गुत्थियों को सुलझाने का सपना देखते हैं, तो एस्ट्रोफिजिक्स आपके करियर का अगला बड़ा कदम हो सकता है। यह न केवल तारों और ग्रहों का अध्ययन करता है, बल्कि हमें बताता है कि ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई, वह कैसे बदलता है और भविष्य में कैसा होगा।

रोमांच से भरा करियर

- रहस्यमयी विषयों से जुड़ाव- यह आपको यूनिवर्स की सबसे गहरी पहेलियों से रूबरू कराता है।
- इनोवेशन और रिसर्च- इसमें रिसर्च का दायरा बहुत बड़ा है। आप नई खोजों में योगदान दे सकते हैं।
- वैज्ञानिक करियर - इस क्षेत्र में करियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों से भरा है।
- प्रेरणादायक कार्यक्षेत्र- अंतरिक्ष एजेंसियों, रिसर्च संस्थानों और विश्वविद्यालयों में काम करने का मौका मिलता है।

कौन कर सकता है ये कोर्स

- एस्ट्रोफिजिक्स में एडमिशन लेने के लिए 12 वीं फिज़िक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएस) से पास होना चाहिए। इसके साथ ही छात्रों को कम से कम 50 प्रतिशत या उससे ज़्यादा होने अंक होना चाहिए।

एंट्रेंस एग्जाम

- आईआईएसआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी)- भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- एसईएसटी- नेशनल स्क्रीनिंग टेस्ट
- जेईई एडवांस्ड – जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन एडवांस्ड
- सीयूईटी-यूजी – कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु।
- राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद।
- हर्ष चंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज।
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु।
- टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई।
- अतंर- विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र पुणे।
- आर्यभट्ट प्रेक्षणीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान नैनीताल।
- रमन अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु।

क्या है एस्ट्रोफिजिक्स

- एस्ट्रोफिजिक्स खगोलशास्त्र और भौतिकी का मिश्रण है। इसमें वैज्ञानिक ब्रह्मांड के हर छोटे-बड़े पहलू का अध्ययन करते हैं। इसमें हम अध्ययन करते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते और खत्म होते हैं। ग्रह और उपग्रह अपनी कक्षाओं में कैसे चलते हैं। ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और डार्क मैटर क्या होता है। ब्रह्मांड कितना बड़ा है और समय के साथ कैसे फैल रहा है। इस विज्ञान में दूरबीन, उपग्रह और गणित का इस्तेमाल होता है। आजकल हबल और जेम्स वेब जैसी दूरबीनें ब्रह्मांड की तस्वीरें भेजती हैं, जिससे वैज्ञानिक नई खोज कर पाते हैं।

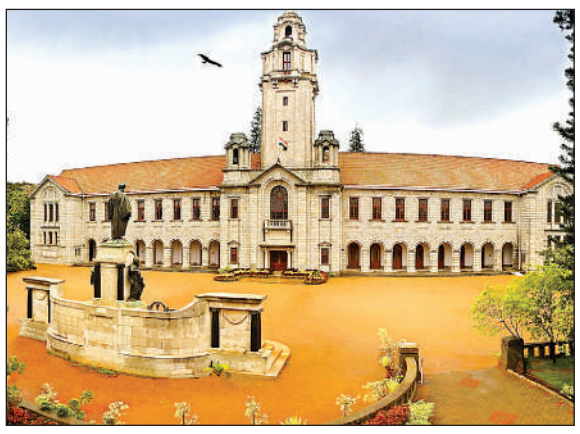

इस फील्ड में करियर

- एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद आप इन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं:
- रिसर्च संस्थानों और प्रयोगशालाओं में रिसर्च साइंटिस्ट
- इसरो, नासा, ईएसए जैसी स्पेस एजेंसियों में स्पेस साइंटिस्ट
- डेटा एनालिस्ट खगोलीय और कॉस्मिक डेटा को समझने व विश्लेषण करने के लिए।
- सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध के लिए सिमुलेशन तैयार करना।
- एयरोस्पेस एंड टेलीकॉम सेक्टर- उपग्रह और अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में
- साइंस लेखक या पत्रकार- विज्ञान को सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए।

सैलरी

- एस्ट्रोफिजिसिस्ट की सैलरी अनुभव, जगह और काम के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। एक फ्रेशर एस्ट्रोफिजिसिस्ट को लगभग 4-6 लाख रुपये सालाना मिल सकता है, जबकि अनुभवी फ्रेशर को 8-15 लाख रुपये तक का सालाना पैकेज हो सकता है। प्राइवेट सेक्टर में इससे भी ज्यादा हो सकती है।

स्कॉलरशिप बनाएगी पहचान, बैंक पूरी करेगा सपनों की उड़ान

सपने बड़े हैं, पढ़ाई कर कुछ बनने की ललक है। ऐसे में बजट की कमी के चलते पढ़ाई में बाधा आ रही है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। सरकारी सहायता से इतर कई बैंक भी हैं, जो मेहनती व पढ़ाई में गंभीर मेधावियों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। इन स्कॉलरशिप के जरिए मेधावी अपने खुली आंखों से देखे गए सपनों को पूरा कर सकते हैं। बैंकों की ओर से दी जाने वाली स्कॉलरशिप स्कूल और कॉलेज स्तर तक की पढ़ाई करने वाले मेधावियों के लिए होती है। कई ऐसी विशेष स्कॉलरशिप भी यह बैंक ऐसी प्रदान करते हैं, जो युवाओं को तकनीकी शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स को करने के लिए होती है।

एसबीआई आशा स्कॉलरशिप

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप' प्रदान कर रहा है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। बैंक की ओर से स्कूल के छात्रों के लिए खासतौर पर कक्षा 6 से 8 तक 15 हजार रुपये तक की सहायता की जा रही है। इसी तरह कक्षा 9 से 12 तक के लिए 20 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप दिए जाने का प्रावधान है। कॉलेज और प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट 40 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप बैंक द्वारा दी जाती है। इसी तरह आईआईटी छात्रों के लिए 2 लाख व आईआईएम छात्रों के लिए 5 लाख से 20 लाख तक (विदेश में पढ़ाई के लिए) की सहायता दी जाती है।

कोटक बैंक देता है दो स्कॉलरशिप

कोटक महिंद्रा बैंक दो प्रमुख स्कॉलरशिप प्रदान करता है। इनमें कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम व कोटक कन्या स्कॉलरशिप है। कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम में 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्र, जो मुंबई महानगर क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बैंक 73,500 रुपये तक की स्कॉलरशिप, जिसमें 3,500 प्रति माह की दर से 21 महीनों के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इसी तरह कोटक कन्या स्कॉलरशिप में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुकी मेधावी छात्राएं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। स्कॉलरशिप के तहत छात्राओं को 1,50,000 तक की स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष, जो ग्रेजुएशन कोर्स पूरा होने तक प्रदान की जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए छात्राओं को 12 वीं कक्षा में 75 फीसदी या अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

एमबीए के लिए स्कॉलरशिप

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है। विशषतः एमबीए के छात्रों के लिए। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को दो साल की फुल टाइम एमबीए पढ़ाई के लिए 2 लाख रुपये की राशि दी जाती है, जिसमें पहले साल में 1 लाख रुपये और दूसरे साल में 1 लाख रुपये दिए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए छात्रों को कक्षा के लिए 2 साल का फुल टाइम एमबीए प्रोग्राम में चयनित होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से कम या उसके बराबर होनी चाहिए। छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। स्कॉलरशिप के लिए छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।

एचडीएफसी बैंक स्कॉलरशिप

एचडीएफसी बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है, जिसे एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ईसीएसएस स्कॉलरशिप कहा जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए कक्षा 1 से 6 तक 15 हजार रुपये। कक्षा 7 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के लिए 18 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसी तरह स्नातक (सामान्य कोर्स) 30 हजार रुपये व स्नातक (व्यावसायिक कोर्स) 50 हजार रुपये मिलते हैं। उधर स्नातकोत्तर (सामान्य कोर्स) 35 हजार रुपये व स्नातकोत्तर (व्यावसायिक कोर्स) 75 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए पिछली परीक्षा में कम से कम 55 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

जॉब अलर्ट

एसएससी कांस्टेबल भर्ती

- पद का नाम : कांस्टेबल
- कुल पद- 7565
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि- 21/10/2025
- वेबसाइट- https://ssc.gov.in/

केनरा बैंक अपरेंटिस भर्ती

- पद का नाम : अपरेंटिस
- कुल पद- 3500
- योग्यता- स्नातक
- अंतिम तिथि- 12/10/2025
- वेबसाइट- https://nats.education.gov.in/

इंडियन बैंक भर्ती

- पद का नाम : स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- कुल पद- 171
- योग्यता- स्नातक (बीटेक/बीई/ एमबीए आदि)
- अंतिम तिथि- 13/10/2025
- वेबसाइट- https://ibpsreg.ibps.in/ibasep25/

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) भर्ती

- पद का नाम : शिक्षण और गैर शिक्षण
- पद- 7267
- योग्यता- पदानुसार
- अंतिम तिथि- 23/10/2025
- वेबसाइट- https://nests.tribal.gov.in/

यूकेपीएससी प्रधानाचार्य भर्ती 2025

- पद का नाम : प्रधानाचार्य
- कुल रिक्तियां : 692
- योग्यता- पदनुसार
- अंतिम तिथि : 12-10-2025
- ऑनलाइन वेबसाइट : ukpscnet.in

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है। हाल ही में यह ट्रेड युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ये तस्वीरें नब्बे के दशक की हीरोइनों जैसी हैं। यंगस्टर्स अपनी तस्वीरों को सोशल प्लेटफॉर्म पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से एडिट करवाकर शेयर कर रहे हैं। कभी फिल्मी पोस्टर जैसी, कभी किसी फैंटेसी वर्ल्ड की झलक जैसी तो कभी बेहद आकर्षक अंदाज में दिखाई देती है। इस ट्रेंड ने यूजर्स में नई ऊर्जा भर दी है और हर दूसरा व्यक्ति अपनी एडिटेड फोटो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर साझा करता दिखाई दे रहा है। कुछ माह पहले भी हमें ऐसा ही एक ट्रेंड देखने को मिला था-गिबली आर्ट का, जिसमें लोग अपनी तस्वीरों को कार्टून में बदल रहे थे। तकनीक अब केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं रही, अब यह भावनाओं को भी छू रही है। एआई एडिटिंग का जादू

ऐसा है कि लोग अपनी तस्वीरों को कुछ पल के लिए नए और मनचाहे रूप में देखकर खुश हो रहे हैं। जिन लोगों ने हमेशा खुद को किसी खास अंदाज में देखने की कल्पना की थी, एआई ने उन्हें वह अनुभव दे दिया है। इससे न केवल खुशी और उत्साह बढ़ रहा है, बल्कि क्रिएटिविटी और मनोरंजन का भी एक नया माध्यम मिला है। तकनीक के इस प्रयोग ने आम लोगों को भी आधुनिकता का अनुभव कराया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नकारात्मक पक्ष भी उभर कर सामने आ रहे हैं। एआई से बनी तस्वीरें असली नहीं लगतीं, क्योंकि इनका आकर्षण अक्सर बनावटी दिखाई देता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनमें एकरूपता बढ़ रही है। लगभग हर किसी की फोटो एक जैसी, खूबसूरत और परफेक्ट बनकर सामने आती है। इस वजह से लोग जल्दी ऊब भी जाते हैं, इसलिए यह ट्रेंड ज्यादा लंबे समय तक नहीं चलता। इसके अलावा वास्तविक और एडिटेड चेहरे के बीच अंतर देखने पर लोग अपने असली रूप से असंतुष्ट महसूस कर सकते हैं। डेटा प्राइवेसी का खतरा भी एक अलग चिंता का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर, एआई एडिटेड फोटो का यह ट्रेंड मनोरंजन और तकनीकी अनुभव का एक नया जरिया है। यह लोगों को थोड़े समय के लिए उत्साह और खुशी देता है, लेकिन लंबे समय में इसका आकर्षण फीका पड़ सकता है इसलिए इसे केवल प्रयोग और मनोरंजन की दृष्टि से देखना ही बेहतर है। वैसे भी असली सुंदरता हमेशा हमारी वास्तविकता, आत्मविश्वास और स्वभाव में ही छिपी रहती है।

लेखिका
रीता मटियाली

ट्यूशन पढ़ाकर स्टार्टअप के लिए जुटाया पैसा

रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी। जिसे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया। रोजी एकेटीयू की बीटेक की मेधावी छात्रा हैं। आइए आपको बताते हैं कि रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी, उन्होंने अपना करियर कैसे शुरू किया और किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बीटेक की छात्रा रोजी मैंदौलिया ने थर्ड आई स्टार्टअप शुरू किया है। वह बताती हैं कि कभी भी मेरा सपना उद्यमी बनने का नहीं था, लेकिन एक घटना ने मेरी सोच और जीवन की दिशा दोनों ही बदल दी। कॉलेज के दूसरे वर्ष में गांवों में सर्वे के दौरान मेरी मुलाकात एक महिला से हुई। वह बड़े ही मनोयोग से ब्लाउज सिल रही थीं। मैंने सहज ही उनसे पूछा कि "मौसी जी, आप एक ब्लाउज के कितने पैसे लेती हैं?"

उन्होंने कहा- "बेटा, पचास रुपये।" मैं चौंक गई और कहा- "मेरी मम्मी तो एक ब्लाउज के लिए 350 रुपये से ज्यादा देती हैं। आप इतना कम क्यों लेती हैं?" उन्होंने बड़ी मासूमियत से उत्तर दिया- "क्या बताऊं बेटा, कई बार लोग हमसे 45 रुपये में भी ले जाते हैं।"

उनकी यह बात मेरे दिल को छू गई।

कैसे शुरू करें स्टार्टअप

अब युवाओं का उद्यमी बनना मुश्किल नहीं है। बहुत से युवा उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में आना चाहते हैं, लेकिन अक्सर सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि शुरुआत कैसे करें? मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर आपके पास एक आइडिया है और उसमें एक भी डिफ्रेंशिएटर (यानी कोई अलग या अनोखी चीज़) है, तो बिना डरे शुरुआत करें। मैं स्वयं टियर- 2 और टियर-3 शहरों के छात्रों और युवाओं को प्रशिक्षण देती हूँ कि "कैसे बिना किसी पूंजी के सिर्फ एक आइडिया से शुरुआत की जा सकती है।" जो भी युवा इस राह पर चलना चाहता है, वह मुझसे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। आप मुझसे सीधे जुड़ सकते हैं-Instagram : @thirdeye_shop, Email : support@thirdeyeshop.in से आप मेरे से संपर्क भी कर सकते हैं।

इतने अच्छे काम की इतनी कम कीमत क्यों मिल रही है।

मैं वापस लौटकर इस मुद्दे पर सोचना शुरू किया और जरूरी जानकारियों को इकट्ठा करना शुरू की। मुझे समझ आया कि सबसे अधिक शोषण हैंड एम्ब्रॉयडरी कारीगरों का हो रहा है। किसी को 32 रुपये तो किसी को 50 रुपये मुश्किल से प्रतिदिन मिलते हैं, लेकिन यह तो इनकी मेहनत और हुनर का शोषण है। मैंने ठान लिया कि मुझे उनके लिए कुछ करना है। उस समय मेरे सामने दो रास्ते थे। एक बीटेक के उसी सेक्टर में काम करना, जिसे मैं पढ़ रही थी। दूसरा इस अनप्रेडिक्टेबल इंटरप्रन्योरशिप की अनजानी दुनिया में कदम रखना। मैंने दूसरा रास्ता चुना, क्योंकि मेरा दिल कह रहा था कि मुझे इन कारीगरों के लिए बदलाव लाना है। वह मैंने अपने स्टार्टअप से कर दिखाया है। हालांकि इस दौरान मुझे अनेक चुनौतियों से भी जूझना पड़ा। लोग अक्सर पूछते भी हैं कि सबसे बड़ी कठिनाई क्या रही? मेरे लिए यह वित्तीय संकट नहीं था।

मुझे घर से जेब खर्च के लिए हमेशा पर्याप्त धन मिलता था। मेरे माता-पिता ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा, लेकिन मैं अपने स्टार्टअप के लिए उनसे पैसा नहीं लेना चाहती थी। यह मेरी अपनी जिम्मेदारी थी। इसलिए मैंने तय किया कि मैं डेढ़ साल तक घर पर ट्यूशन पढ़ाऊंगी। हर महीने लगभग 7,500 रुपए मुझे दो घंटे ट्यूशन पढ़ाने के मिलने लगे। पैसा खुद कमाती और एक-एक रुपया थर्डआई में ही लगाती। न कहीं और खर्च, न कोई और सपोर्ट। यह अनुशासन और आत्मनिर्भरता ही मेरे उद्यम की पहली नींव बनी। मेरी असली प्रेरणा तो कारीगर महिलाएं ही थीं, लेकिन जब लोग मुझसे पूछते हैं कि जोखिम लेने का साहस कहां से मिला, तो जवाब साफ है कि यह मैंने अपने पिता से सीखा है।

मॉडल और आमदनी

- थर्डआई का मॉडल "वर्क-फ्रॉम-होम" है। हम कारीगरों को सामग्री उपलब्ध कराते हैं, 50 प्रतिशत एडवांस देते हैं और प्रोडक्ट तैयार होने के बाद शेष भुगतान करते हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं अपने घरों से अपने समय के अनुसार काम कर सकें। हमारे प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा सीधे कारीगरों को दिया जाता है।

मार्केटिंग के तरीके

- ऑनलाइन प्लेटफर्म- फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि
- कॉर्पोरेट हैम्पर्स व गिफ्टिंग
- ऑफलाइन प्रदर्शनियां
- हमारी योजना है कि आने वाले समय में उत्पादों का एक्सपोर्ट भी शुरू हो। वॉलमार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़ने की दिशा में काम चल रहा है। 2026 तक हमारा लक्ष्य है कि ऑफलाइन स्केलअप कर कई राज्यों में थर्डआई को स्थापित किया जाए।

पुरस्कार और उपलब्धियां

- डब्लूडब्लूएफ स्वीटजरलैंड में 75 वैश्विक कंपनियों में चयन।
- स्टार्टअप महाकुंभ में डीटूसी सेक्टर का विजेता एक लाख रुपए पुरस्कार।
- सी राईजेज कांक्लेव में 21,000 रुपए का पुरस्कार।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला द्वारा "सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र-नेतृत्व स्टार्टअप" का सम्मान मिला।
- सुलक्षणा सावंत गोवा की मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी की पदमिनी फाउंडेशन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- थर्डआई से कानपुर और दिल्ली के गांवों की लगभग 82 महिलाएं जुड़ी हैं। पहले जो महिलाएं केवल 50 रुपया प्रतिदिन कमाती थीं, अब वे 500 रुपए से अधिक प्रतिदिन कमा रही हैं। मेरे लिए यही सबसे बड़ी सफलता है कि जब कोई कारीगर आत्मसम्मान से कहता है कि वह अपने परिवार की रीढ़ है। मैं धार्मिक प्रवृत्ति की हूं और मानती हूं कि मेरी कामयाबी में भगवान शिव की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद और कारीगर बहनों के विश्वास के कारण ही संभव हो पाया है।

लेखक: मार्कण्डेय पांडेय

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,715.63	25,056.90
गिरावट	386.47	112.60
प्रतिशत में	0.47	0.45

सोना- 1,17,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,37,300 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1- 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 3200, बासमती- 9200, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7300, मूंग साबुत- 9100, राजमा- 12100-14200, दाल उड़द- 9100, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7200, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9200

अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- ऊर्जा सुरक्षा ऐसा क्षेत्र जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश को आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिका की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। दुनिया मानती है कि ऊर्जा सुरक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा। भारत ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी है, हम अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) और भारत के अग्रणी कार्बन मुक्त समाधान प्रदाता 'रीन्यू' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'बदलते वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षाः सीमाओं के पार लचीले ऊर्जा बाजारों का निर्माण' में मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में ऊर्जा उत्पादों पर अमेरिका के साथ हमारा व्यापार बढ़ेगा। घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार होने के नाते हमारे ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिकी भागीदारी अधिक होगी जिससे भारत के लिए मूल्य स्थिरता, ऊर्जा के विविध स्रोत सुनिश्चित होंगे और हमें ऊर्जा एवं उससे परे विभिन्न मोर्चों पर अमेरिका के साथ असीमित संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि एक और क्षेत्र जहां भारत और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं और साथ मिलकर काम करने की योजना बना सकते हैं.... वह परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र है। यह ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। कुछ पहलू थे जिन्हें ठीक करने की जरूरत थी। हम भारत में परमाणु ऊर्जा पर निजी प्रयासों का समर्थन करने को काम कर रहे हैं।

● बोले- अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक है भारत

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी: अधिकारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी हैं। अधिकारी ने कहा कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में भारत लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से दोगुना से अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाना है। गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी।

द्विपक्षीय समझौते पर निष्कर्ष को न्यूयॉर्क गए गोयल

कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव पंकज जैन, यूएसआईएसपीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं अध्यक्ष मुकेश अग्नि, रीन्यू की सह-संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा और रीन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा शामिल हुए। गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। वह अमेरिकी पक्ष के साथ बैठकों के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

कंपनियों को दो माह में उत्पादों की कीमतों में पूर्ण समायोजन का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी 2.0

● एफएमसीजी कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक किए हैं कम

जीएसटी की कम दरें लागू होने के साथ रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों को उत्पादों के लिए कम कीमतें तय करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें दो महीने में इसके पूर्ण समायोजन की उम्मीद है। रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक कम किए हैं।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास गैर-मानक कीमतें अपनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है क्योंकि उनके पास चीजों का वजन (ग्रामेज) तेजी से बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, जिसके लिए कारखाने के ढांचे में बदलाव की जरूरत होती है। अस्थायी तौर पर उन्होंने सरकारी निर्देशों का पालन करने के लिए लोकप्रिय मूल्य पैक की अधिकतम खुदरा कीमत कम कर दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दो स्तरीय पांच और 18 प्रतिशत दरें 22 सितंबर से प्रभावी हैं। पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने कहा कि यह पूरी तरह अस्थायी है। आम तौर पर जब भी आप किसी बदलाव या ऐसी किसी चीज की बात करते हैं, तो पैक के वजन में बदलाव करते हैं। इस तरह की चीजों में डेढ़ से दो महीने लगते हैं। अक्टूबर और नवंबर के रैपर छप चुके हैं। अब बाहर जाकर वजन में बदलाव करना और एमआरपी स्थिर रखना मुश्किल है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अबनीश रॉय ने कहा कि ये एफएमसीजी कंपनियों द्वारा अल्पकालिक उपाय हैं। कंपनियां अपने सामान का वजन बढ़ाएंगी और दो, पांच और 10 रुपये के मूल्य पर वापस आ जाएंगी क्योंकि 4.5 या 4.6 रुपये के मूल्य व्यावहारिक नहीं हैं। डाबर के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हमने अपने पैक की कीमतों में समायोजन किया है।

कतर में भी यूपीआई से भुगतान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि कतर ड्यूटी फ्री की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है। एनआईपीएल देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली का संचालन करने वाली कंपनी एनपीसीआई की अनुषंगी है। क्यूएनबी के समूह मुख्य व्यवसाय अधिकारी यूसुफ महमूद अल-नीमा ने कहा कि इस पहल से भारतीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी और कतर के खुदरा एवं पर्यटन क्षेत्र को भी फायदा होगा। इस सुविधा की शुरुआत से स्थानीय व्यापारियों को ज्यादा ग्राहक मिलेंगे और डिजिटल लेनदेन बढ़ेगा।

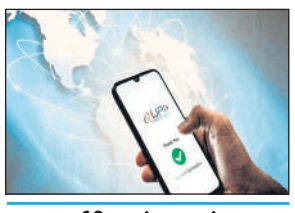

● एनआईपीएल ने कतर नेशनल बैंक के साथ मिलकर की सुविधा की शुरुआत

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट

मुंबई, एजेंसी

एफआईआई की पूंजी निकासी व एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि ने डाला असर

बैंक, वाहन तथा पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 386 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 112 अंक टूटा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि से भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ना जारी है।

बीएसई का सेंसेक्स 386.47 अंक टूटकर 81,715.63 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 112.60 अंक गिरकर 25,056.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एक्सिस बैंक नुकसान में रहीं। वहीं, लाभ में रहने वालों में पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी और एचसीएल टेक हैं। शेयर बाजार के अनुसार, एफआईआई ने मंगलवार को 3,551.19 करोड़ के शेयर बेचे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद घरेलू बाजारों में मुनाफावसूली देखी गई है। निवेशक मूल्यांकन और दूसरी तिमाही की आय अपेक्षाओं को पुनः निर्धारित कर रहे हैं। एच-1बी शुल्क वृद्धि से आईटी शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा।

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई के मिडकैप में 0.85 और स्मॉलकैप में 0.50 प्रतिशत की गिरावट आई। चार दिन में सेंसेक्स 1,298.33 अंक यानी 1.56 प्रतिशत टूट चुका है जबकि निफ्टी में 366.7 यानी 1.44 प्रतिशत की गिरावट आई है। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.44 प्रतिशत बढ़कर 67.93 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

राष्ट्रीय

राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई

दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर मौत को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई। राजोआना पिछले लगभग 29 वर्षों से जेल में बंद है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया।

पीठ ने पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे। रोहतगी ने कहा कि कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला होना चाहिए। यदि मृत्युदंड को खत्म करना है तो उसे कम किया जाना चाहिए। यदि सजा कम की जाती है तो वह बाहर आ सकते हैं। राजोआना भारतीय हैं और यह भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। शीर्ष अदालत ने पाया है कि राजोआना ने की दया याचिका गुरुद्वारा समिति ने दायर की है।

पीठ ने सुनवाई 15 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी और कहा कि केंद्र के अनुरोध पर मामले को स्थगित नहीं किया जाएगा। 20 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से राजोआना की दया याचिका पर निर्णय लेने को कहा था। केंद्र ने तब कहा था कि दया याचिका विचाराधीन है। गत वर्ष 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन से जवाब मांगा था।

● 1995 में पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या का दोषी बलवंत सिंह राजोआना 29 वर्षों से जेल में है बंद

लापता बच्चों की तलाश के लिए विशेष ऑनलाइन पोर्टल बनाएं

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से कहा कि वह लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में विशेष ऑनलाइन पोर्टल बनाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने उन पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी पर जोर दिया, जिन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पोर्टल पर राज्य से एक अधिकारी हो सकता है जो सूचना देने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का भी प्रभारी हो सकता है। न्यायालय ने समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने पर बल दिया।

सहमति से यौन संबंध की वैधानिक आयु पर 12 नवंबर को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने किशोरों के लिए सहमति से यौन संबंध की वैधानिक आयु के मुद्दे पर सुनवाई के लिए बुधवार को 12 नवंबर की तारीख तय की। न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले को टुकड़ों के बजाय निरंतरता में सुनना पसंद करेगा। यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। पीठ ने मामले की सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख निर्धारित करते हुए कहा कि इस पर लगातार सुनवाई होगी। केंद्र ने कहा कि यह निर्णय नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के उद्देश्य से एक सोद्देश्य, सुविचारित और सुसंगत तिगत विकल्प है।

निर्वाचन आयोग ने ई-सत्यापन प्रणाली की शुरू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मतदाता सूची से नाम हटाने की मांग के प्रावधान का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ई-सत्यापन प्रक्रिया शुरू की है। मतदाता सूची से नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति दर्ज कराने वालों को उनके पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) मिलेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामले हो सकते हैं, जिसमें नाम हटाने की मांग करने वाला व्यक्ति ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम या फ़ोन नंबर दे दे। यह अतिरिक्त सुविधा इस प्रकार का दुरुपयोग रोकेगी। यह सुविधा एक सप्ताह पहले शुरू की गई थी और निर्वाचन अधिकारियों ने कहा था कि यह कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में नामों को हटाने के गलत प्रयासों की प्रतिक्रिया नहीं है।

अभिनेता मुकेश व निर्माता मंजू ने की प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना से भेंट

प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद से भेंट करते मुकेश जे भारती व मंजु भारती।

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में शूटिंग से पहले अभिनेता मुकेश जे भारती व विवेक फिल्मस प्रोडक्शन हाउस की निर्माता मंजू भारती ने संजय प्रसाद (प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना) से भेंट की। इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा संजय प्रसाद ने शूट के दौरान हर संभव सहयोग का आश्वाशन दिया। उन्होंने फिल्म रिकवरी की पटकथा को समझा और सहराना की। फिल्म की कहानी आम जनता को उद्देश देगी, जिसकी शूटिंग प्रदेश के क्षेत्रों में होगी, जिसमें लखनऊ और बरेली भी हैं। प्रदेश को बढ़ावा देने के उद्देश से फिल्म नीति का हर निर्माता लाभ ले इस पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। आगामी फिल्मों के लिए मंजू व मुकेश को प्रसाद ने शुभकामनाएं दीं। निर्माता मंजू ने धन्यवाद किया और मुकेश ने इस भेंट पर खुशी जताई।

कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से ड्राइविंग सीट (निर्णायक भूमिका) अपने हाथ में लेने के लिए बिहार में पार्टी की कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई, लेकिन लोग एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को समर्थन देंगे क्योंकि वे लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में भय, अपहरण और भ्रष्टाचार के माहौल को नहीं भूले हैं।

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस, जिसने 85 साल के बाद बिहार में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है, को यह बताना होगा कि जब राज्य में लोगों का अपहरण हो रहा था, सरकारी धन की बंदरबांट हो रही थी और राजद के शासनकाल में पूरे राज्य में जाति के आधार पर हत्याएं हो रही थीं तब वह मौन क्यों रही? उन्होंने पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों की भी आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें आत्म-मंथन करना चाहिए कि उनकी पार्टी में उनकी क्या स्थिति है, जहां सत्ता की बागडोर किसी और के हाथ में है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में कहा कि पटना में कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी की बैठक राजनीतिक फायदे के लिए है। उन्हें लगा कि वे नियंत्रण अपने हाथ में ले सकते हैं और बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए राजद से और सीटें मांग सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए उन्होंने (विपक्ष) अब तक राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार में विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित नहीं किया है। इससे पहले पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में खरगे ने भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 'वोट चोरी' और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की साजिश रच रही है। बिहार चुनाव से मोदी सरकार के 'भ्रष्ट शासन' का अंत शुरू हो जाएगा।

● रविशंकर ने की नीतीश कुमार को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष के दिए बयानों की आलोचना

फॉस्टर केयर के लिए 6 वर्ष से कम के बच्चे पात्र नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताते हुए केंद्र ने जारी किया स्पष्टीकरण

सरकार ने स्पष्ट किया कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' (अस्थायी देखभाल व्यवस्था) के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताने के बाद जारी हुआ है।

फॉस्टर केयर ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उन बच्चों को अस्थायी रूप से किसी अन्य परिवार में रखा जाता है, जिनके माता-पिता उनकी देखभाल में असमर्थ होते हैं, लेकिन वैसे बच्चों को गोद लेने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध घोषित नहीं किया गया होता है। यह देखभाल सरकार या किसी सामाजिक संस्था की निगरानी में होती है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने गत सप्ताह जारी ज्ञापन में, किशोर न्याय नियमावली के नियम 23(3) और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देशों के बिंदु 4(1) का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया कि केवल छह वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चे ही अधिनियम के नियम 44 में परिभाषित परिस्थितियों के तहत पालक देखभाल में रखे जाने के पात्र हैं। वैधानिक निकाय ने कहा कि कुछ एजेंसी ने विनियमों की व्याख्या के संबंध में मुद्दे उठाए थे, जिसके कारण यह स्पष्टीकरण आया है। इसलिए छह वर्ष से कम आयु के बच्चे को फोस्टर केयर के तहत नहीं रखा जाएगा।

महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में नहीं होता भेदभाव : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने बुधवार को 'शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी)' की महिला सैन्य अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में स्थायी 'कमीशन' (पीसी) देने में किसी भी तरह के भेदभाव से इन्कार किया और उच्चतम न्यायालय को आश्वस्त किया कि सभी मापदंडों का विधिवत पालन किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइंया और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को केंद्र एवं सेना की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि स्थायी कमीशन देने में नीतिगत निर्णय का पालन हो रहा है। याचिका दायर करने वाली महिला अधिकारियों की दलीलों का विरोध करते हुए भाटी ने कहा कि उन अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) वास्तव में लैंगिक रूप से तटस्थ है, उसमें भेदभाव नहीं है। पीठ ने भाटी से कहा कि महिला अधिकारियों को यह सोचने पर मजबूर नहीं करना कि उन्हें स्थायी 'कमीशन' के लिए नहीं चुना जाएगा।

भाटी ने कहा कि यह धारणा बनाने की कोशिश हुई, लेकिन 1991 से अब तक के आंकड़े बताते हैं कि महिला अधिकारियों से उनके पुरुष समकक्षों के मुकाबले भेदभाव नहीं हुआ है। सेना में सख्त व्यवस्था हैं, क्योंकि चयन बोर्ड पर अधिकारी का नाम नहीं लिखा होता। महिला अधिकारियों की एसीआर में मानक नियुक्ति या कठिन क्षेत्र में तैनाती पर विचार नहीं करने के तर्कों पर भाटी ने कहा कि ऐसी नियुक्तियां खास नहीं हैं व अधिकारियों को वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में औसत अंक दिए गए हैं। स्थायी कमीशन देते समय एसीआर में कई पहलुओं पर विचार होता है। मानक नियुक्ति एकमात्र मानदंड नहीं है। महिला अधिकारियों ने तर्क दिया कि दुर्गम क्षेत्रों में तैनात होने व गलवान, बालाकोट व ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भाग लेने के बावजूद, उन्हें पीसी के लिए नहीं चुना गया।

● सरकार ने उच्चतम न्यायालय को आश्वस्त किया कि सभी मापदंडों का विधिवत किया जा रहा पालन

ट्रंप ने चुनौतियों से मिलकर निपटने का आह्वान नकारा, अमेरिका प्रथम पर अड़े

कई देशों के नेताओं ने दी वैश्विक व्यवस्था प्रभावित होने की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

फ्रांस से लेकर दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका से लेकर सूरीनाम तक सभी नेताओं ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के युद्ध, गरीबी और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के आह्वान का पुरजोर समर्थन किया, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 'अमेरिका प्रथम' एजेंडे पर अड़े रहे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने महासभा में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राजाओं की वार्षिक बैठक की शुरुआत युद्ध के स्थान पर शांति, अराजकता के स्थान पर कानून व्यवस्था तथा एक ऐसे भविष्य को चुनने की अपील के साथ की, जहां देश स्वार्थ के लिए संघर्ष करने के बजाय एकजुट हों। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 80 साल बाद हम खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विभाजन बढ़ता जा रहा है और इससे वैश्विक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

मैक्रों ने कहा, दुनिया विभाजित हो रही है, और यह हमारे समय के प्रमुख संघर्षों को हल करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बाधित कर रही है तथा हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि केवल समकक्षों के बीच सम्मानजनक संबंध और सहयोग ही सैन्य प्रसार के खिलाफ लड़ाई, जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और सफल डिजिटल परिवर्तन को संभव बनाता है। सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीर्लिंग्स-साइमन्स ने कहा कि बहुपक्षवाद मानवता की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। परिवर्तन के इस समय में इसे हमारी सुरक्षा की आवश्यकता है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की हमारी सामूहिक सदस्यता हमारी साझा मानवता का परिणाम है और 80 साल का हो चुका संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा संगठन बनाने के लिए बाध्य करता है जो हमारी आम चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा, समय जितना कठिन होता जा रहा है, हमें संयुक्त राष्ट्र की मूल भावना की ओर उतना ही लौटना होगा। उन्होंने कहा, हमें और अधिक सहयोग करना होगा, और अधिक विश्वास करना होगा, और अधिक मजबूती से हाथ मिलाना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य और एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सके।

ट्रंप ने बुधवार को कई और अरब और मुस्लिम देशों के नेताओं के साथ बैठक की।

तेजी से बहुध्रुवीय हो रहा है विश्व : गुतारेस

गुतारेस ने कहा कि विश्व तेजी से बहुध्रुवीय होता जा रहा है। यह निश्चित रूप से उभरती आर्थिक शक्तियों चीन और भारत के लिए एक संकेत है, लेकिन महाशक्ति का दर्जा पाने की अमेरिका की जिद पर प्रहार है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि कई शक्तियों वाला विश्व अधिक विविधतापूर्ण और गतिशील हो सकता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी वैश्विक संस्थाओं के बिना अराजकता हो सकती है।

- ट्रंप ने 'अमेरिका प्रथम' पर केंद्रित भाषण दिया। उन्होंने गर्व से कहा, अमेरिका के पास दुनिया में सबसे मजबूत सीमाएं, सेना, मैत्री और सबसे मजबूत भावनाएं हैं। यह सचमुच अमेरिका का स्वर्णिम युग है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अप्रभावी बताया और कहा कि यह अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने में भी असमर्थ है। उन्होंने सभा कक्ष के रास्ते में बंद हुए एस्केलेटर और खराब हुए टेलीप्रॉम्प्टर के लिए संगठन को जिम्मेदार ठहराया।

दुनिया भर में बढ़ते तनाव के बीच

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करने के बाद बहस शुरू हो गई है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। इसके चार्टर को चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूके, यूएस समेत 50 देशों ने अनुमोदित किया था। इस संस्था को 'संयुक्त राष्ट्र' नाम अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने दिया था और इसका पहली बार उपयोग 1942 में 26 देशों द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र की घोषणा' पर हस्ताक्षर करते समय किया गया था।

शक्तियां और अधिकार

- सुरक्षा परिषद जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार सबसे शक्तिशाली अंग।
- इसे शांति कायम करने के लिए सैन्य कार्रवाई, प्रतिबंध लगाने, शांति स्थापना अभियानों का अधिकार है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के बीच कानूनी विवादों को सुलझाने को अधिकृत है।
- मानवाधिकार रक्षा औरसामाजिक, आर्थिक तथा मानवीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
- अपने सभी सदस्य देशों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- संयुक्त राष्ट्र संघ ने कई संघर्षों को युद्ध में बदलने से रोकने और शांति स्थापित करने में मदद की है।
- मानवाधिकारों की 1948 में सार्वभौम घोषणा जो वैश्विक मानवाधिकारों के लिए आधारशिला बनी।
- युद्ध और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय सहायता, परमाणु अप्रसार संधि जैसे समझौतों को बढ़ावा।
- 20वीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अशांति के ताजा हालात में भूमिका

- रूस-यूक्रेन युद्ध की निंदा कर मानवीय सहायता पहुंचाई, लेकिन रूस के वीटो के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं।
- गाजा में लगातार संघर्षविराम का आह्वान, मानवीय सहायता भी लेकिन प्रभावी समाधान अब तक नहीं निकला।
- अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद मानवाधिकारों का हनन, इसे रोकने में सीमित सफलता।
- सूडान में 2023 से सैन्य संघर्ष के कारण भारी मानवीय संकट, इसे रोकने में बाधाओं का सामना करना पड़ा।

इन मामलों में विफल

- 1994 में रवांडा में 800,000 से अधिक लोगों की हत्या को रोकने के लिए निर्णायक हस्तक्षेप करने में विफल।
- 1995 में बोस्नियाई सर्ब बलों द्वारा 8,000 से अधिक मुस्लिम पुरुषों और लड़कों के नरसंहार भी नहीं रोक सका।
- रूस-चीन के वीटो के कारण सीरिया में दशकों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में सीमित भूमिका रही।

विफलता के कारण

- सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्यों की वीटो शक्ति अक्सर महत्वपूर्ण मामलों में निर्णायक कार्रवाई रोक देती है।
- कई सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और समझौतों का पालन नहीं करते, जिससे प्रभावशीलता कम हो जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र के पास कई वैश्विक संकटों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय और सैन्य संसाधन नहीं होते।
- सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच स्थाई सदस्यों होने से असमान शक्ति संरचना, फैसलों का पालन कराने में कठिनाई होती है।

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ, निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए

समान विचारधारा वाले देशों की उच्चस्तरीय बैठक में जयशंकर ने किया आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों से लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करके निष्पक्ष आर्थिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और दक्षिण-दक्षिण व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देकर किसी एक आपूर्तिकर्ता या बाजार पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया।

जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर समान विचारधारा वाले 'ग्लोबल साउथ' देशों की एक उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' महामारी के झटकों और यूक्रेन तथा गाजा में युद्ध से लेकर चरम जलवायु घटनाओं, अस्थिर व्यापार, निवेश प्रवाह और ब्याज दरों में अनिश्चितता और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे में 'विनाशकारी' मंदी तक कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। जयशंकर ने कहा, बढ़ती चिंताओं और विभिन्न प्रकार के जोखिमों के मद्देनजर यह स्वाभाविक है कि 'ग्लोबल साउथ' समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करे।

न्यूयॉर्क में ग्लोबल साउथ देशों के नेताओं के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर।

वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया, जिसमें समुद्री नौवहन संबंधी चिंताओं का समाधान, विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाना, विशेष रूप से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण; और विभिन्न क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं समान अवसर प्रदान करना शामिल है जो 'ग्लोबल साउथ' की विकासात्मक चिंताओं के साथ न्याय करता हो। 'ग्लोबल साउथ' वैश्विक मामलों में कैसे शामिल हो सकता है, इस संबंध में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंत्री ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज और प्रभाव को मजबूत करने के लिए पांच प्रमुख प्रस्ताव रखे। उन्होंने एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'ग्लोबल साउथ' के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से वहां भी हमारे सामने एक बहुत ही निराशाजनक संभावना है, बहुपक्षवाद की अवधारणा ही खतरे में है और अंतरराष्ट्रीय संगठन या तो अप्रभावी हो गए हैं अथवा संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएं टूटने लगी हैं और अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी की कीमत आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में समान अवसर की मांग करते हुए एकजुट मोर्चा प्रस्तुत करना होगा।

चीन का ट्रंप को जवाब अमेरिका-ईयू भी रूस से कर रहे व्यापार

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिए यूक्रेन युद्ध के 'प्राथमिक वित्तपोषक' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

रागासा तूफान का कहर.. ताइवान में 17 की मौत, चीन में दो लाख लोग विस्थापित

रागासा बुधवार को दक्षिणी चीन में पहुंच गया।

नई दिल्ली/हांगकांग। शक्तिशाली तूफान रागासा से ताइवान में 17 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हुए हैं। ताइवान में कहर बरपाने के बाद रागासा दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले तटों में से एक की ओर बढ़ रहा है जिसे देखते हुए अब तक दक्षिणी चीन में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि रागासा के कारण लगभग 100 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इस वर्ष के सबसे शक्तिशाली तूफान रागासा ने बुधवार को हांगकांग और दक्षिणी चीन के बड़े हिस्सों को ठप कर दिया। यह तूफान फिलीपींस के सुदूर द्वीपों और ताइवान के पहाड़ी क्षेत्रों से होकर गुजरा, जहां इसने भूस्खलन, बाढ़ और ऊंची लहरों के साथ भारी तबाही मचाई। अब यह चीन के ग्वांगडोंग प्रांत की ओर बढ़ रहा है, जहां शेनझेन और ग्वांगझोउ जैसे विशाल शहर स्थित हैं। ताइवान में इसकी चपेट में आकर कम से कम 17 लोगों की मौत हो चुकी है और बुधवार दोपहर तक 18 अन्य लोग लापता हैं। यह तबाही एक प्राकृतिक झील के टूटने के बाद आई जो भूस्खलन के मलबे से बनी थी और इसमें काफी मात्रा में पानी जमा था।

दुनिया इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिलः जेलेंस्की

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को विश्व के नेताओं से कहा कि दुनिया इस समय इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि रूस के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने युद्ध का विस्तार यूरोप में करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, हम अब इतिहास में हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल हैं। यूक्रेन तो केवल पहला देश है और अब रूसी ड्रोन पूरे यूरोप में उड़ान भर रहे हैं और रूसी अभियान पहले से ही विभिन्न देशों में फैल रहे हैं और पुतिन इस युद्ध का विस्तार करके इसे जारी रखना चाहते हैं।

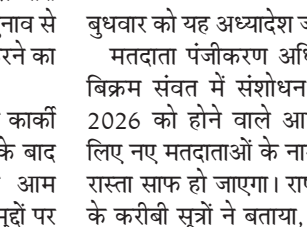

यूएनएससी की बैठक में जेलेंस्की।

बोले- भारत हमारे साथ

जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की एक साक्षात्कार के दौरान रूस से युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ट्रंप यूरोपीय देशों के साथ इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं।

अमेरिका- इजराइल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय विश्वास को पहुंचाया गंभीर नुकसान: ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजराइल और अमेरिका के हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय विश्वास और शांति की संभावना को गहरा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस साल जून में 12 दिन तक इजराइल-ईरान युद्ध के बाद पहली बार है जब पेजेशकियन ने किसी वैश्विक मंच पर बात रखी है। युद्ध में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और असैन्य नेताओं की हत्या कर दी गई थी। अगर तेहरान शनिवार तक यूरोपीय देशों के साथ समझौता नहीं करता है तो उस पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही पेजेशकियन की कूटनीतिक कोशिशें उस समय धुंधली पड़ गईं जब देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी सीधी परमाणु वार्ता से इनकार कर दिया।

नेपाल: प्रधानमंत्री कार्की राष्ट्रपति से मिलीं, नए मतदाता पंजीकरण से संबंधित अध्यादेश जारी

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बुधवार को मतदाता पंजीकरण अधिनियम में संशोधन से संबंधित एक अध्यादेश जारी किया जिससे मार्च 2026 के आम चुनाव से पहले नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।

यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा राष्ट्रपति पौडेल से मुलाकात के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने आम चुनाव समय पर कराने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद की सिफारिश के आधार पर नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 114 की धारा(1) के अनुसार

- मार्च 2026 में देश में होने हैं आम चुनाव मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा

बुधवार को यह अध्यादेश जारी किया।

मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 2073 बिक्रम संवत में संशोधन से पांच मार्च, 2026 को होने वाले आगामी चुनाव के लिए नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो जाएगा। राष्ट्रपति कार्यालय के करीबी सूत्रों ने बताया, पौडेल के साथ बैठक के दौरान कार्की ने वर्तमान राजनीतिक व सुरक्षा स्थिति, पांच मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव और देश की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

गाजा पर अमेरिका के अलग रुख की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। फ्रांस के नेतृत्व में कई देशों द्वारा फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने के एक दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में संघर्ष पर अमेरिका के अलग रुख पर गहरा क्षोभ प्रकट किया।

इस संकट पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हमास के सात अक्टूबर 2023 के हमले और गाजा में इजराइल के जारी सैन्य हमले पर चिंता व्यक्त की। इन सैन्य हमलों में अब तक हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं, विशाल क्षेत्र तबाह हो चुके हैं और लगभग 90 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

आतंक से फुर्सत मिले तो अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे पाकिस्तान

जेनेवा, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

जेनेवा में भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की। त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त

यूएनएचआरसी की बैठक में क्षितिज त्यागी।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत ने की पाकिस्तान की धुलाई

राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने कहा, चरमराई हुई अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभुत्व वाली राजनीति और मानवाधिकारों का दागदार रिकॉर्ड। एक दिन जब वे आतंकवाद को बढ़ावा देने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत पाएंगे, तब शायद इन मुद्दों पर ध्यान दे पाएंगे। खैबर जिले के तिराह घाटी के मतूर दारा इलाके में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के एक परिसर में सोमवार को बम बनाने की सामग्री से हुए धमाके में 10 लोगों और 14 आतंकवादियों की मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 सितंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 07 .06 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

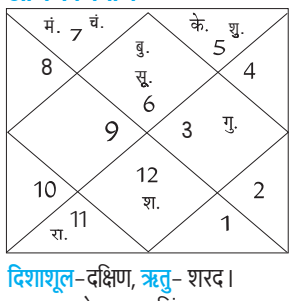

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- स्वाती 19 .09 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष आज दिन की शुरुआत में जो काम उलझे हुए थे, शाम तक उन्हें सुलझाने में सफलता मिलेगी। अपनी जीवनशैली के प्रति लापरवाह न हों। किसी नए व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के सुझाव से काम करना हितकर होगा।

वृष आज नौकरी में बदलाव का विचार बना रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। दिन का प्रारंभिक भाग तनाव युक्त रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद कोई रुका हुआ काम बन सकता है। कुछ लोग आपके अच्छे कार्यों व योगदान की उपेक्षा कर सकते हैं।

मिथुन आज दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। प्रेमीजन से मतभिन्नता के कारण झगड़ा हो सकता है। सेहत को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। दांपत्य संबंधों में कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थियों के मन में परीक्षा को लेकर दबाव हो सकता है।

कर्क आज प्रतिद्वंदी आपके सामने कमजोर पड़ेंगे। अपच के कारण आपको परेशानी होगी। सरकारी कार्यों में आपको लाभ होगा। कार्यक्षेत्र की आंतरिक व्यवस्था पर काम करेंगे। नए उद्यमों की शुरुआत कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

सिंह आज भाग्य आपका साथ देगा। वरिष्ठ सहकर्मी आपका मनोबल बढ़ाएंगे। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आय के नए विकल्प विकसित कर सकते हैं। शेयर मार्केट में बड़ा धन-लाभ होने की संभावना है।

कन्या आज कानूनी मामलों में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। मार्केटिंग संबंधी कार्य लाभकारी सिद्ध होंगे। अचानक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं। संतान के माध्यम से आपको बड़ा धन-लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला आज दिन की शुरुआत नकारात्मक रहने वाली है। दोपहर के बाद धीरे-धीरे आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। अपने विचारों में परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आय अपेक्षाकृत कम हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर दूसरों से अपेक्षा न करें। अपने अहंकारी व्यवहार पर नियंत्रण रखें।

धनु आज आप कहीं पर्यटन की योजना बना सकते हैं। आत्मचिंतन के माध्यम से अपनी कमियों को दूर करेंगे। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। नौकरी में आपकी आय बढ़ सकती है। प्रभावशाली लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

मकर आज व्यापार को लेकर यात्रा करनी पड़ेगी। एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रिश्तेदारों से मिलना हो सकता है। निजी जीवन की समस्याओं का निवारण होगा। नया कार्य आरंभ कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा।

कुंभ आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। पुरानी उधारी चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सभी कार्य समय पर समय पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम-संबंधों को लेकर थोड़े भावुक हो सकते हैं।

मीन आज आपको थोड़ा परेशान होना पड़ सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। दूसरों की गलतियां ढूंढने में समय बर्बाद न करें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में अस्थिरता रहेगी।

सुडोकू -110

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2			3		4		6
				9			1	
		5			8			
7		8		6				2
			7		2	9		
2				4	5			8
			3			5		
	1			7				
6		9		5			2	

सुडोकू - 109 का हल

3	5	8	2	6	4	7	1	9
4	6	1	9	3	7	8	2	5
7	9	2	8	5	1	4	6	3
2	7	9	5	1	8	6	3	4
1	3	5	4	7	6	9	8	2
6	8	4	3	9	2	1	5	7
5	4	3	6	8	9	2	7	1
8	2	7	1	4	3	5	9	6
9	1	6	7	2	5	3	4	8

बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर। मैने महसूस किया है कि विशेष प्रशिक्षण के बिना भी फ्रीस्टाइल में मेरी टाइमिंग साल दर साल बेहतर हो रही है। -श्रीहरि नटराज, तैराक

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रसिद्ध कृष्णा को लगी सिर में चोट

लखनऊ : भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को ऑस्ट्रेलिया ए के ख़िलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को भारत ए के लिए खेलते हुए सिर में चोट लग गई और उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। उन्हें भारत ए की पारी के 39वें ओवर में तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन के बाउंसर पर चोट लगी, जब वह उनके बाउंसर को पुल करने के चक्कर में अपने हेल्मेट पर गेंद खा बैठे। हालांकि तब अनिवार्य कन्कशन के बाद उन्होंने खेलना जारी रखा। लेकिन तीन ओवर बाद जब 42वां ओवर समाप्त हुआ, तो वह अचानक से पवेलियन की तरफ जाने लगे और नए बल्लेबाज मोहम्मद सिराज ने बल्लेबाजी में उनकी जगह ली। फिलहाल मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के जवाब में भारत ए की टीम सिर्फ़ 194 रनों पर ऑल आउट हो गई।

सेमीफाइनल में भारत का सामना नेपाल से

कोलंबो : ग्रुप चरण में अजेय रहे भारत की बृहस्पतिवार को असली परीक्षा होगी, जब टीम रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में नेपाल से भिड़ेगी। भारत अब तक सबसे प्रभावशाली टीम रही है। मालदीव (6-0), भूटान (1-0) और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (3-2) को हराने के बाद भारत नौ अंक के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस विशेष तौर पर खुश हैं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में अपने खिलाड़ियों के दबाव को झेलने के तरीके की प्रशंसा की।

काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप नहीं बदलेगा

लंदन : पेशेवर काउंटी क्रिकेट क्लबों (पीसीसी) के मतदान के बाद काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप अपरिवर्तित रहेगा। 14 मैचों की बजाय 13 मैचों की काउंटी चैंपियनशिप खेलने का प्रस्ताव, काउंटियों के बीच बहुमत मत प्राप्त करने में विफल रहने के कारण पारित नहीं हो सका। अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और द हंड्रेड मैचों के बीच कार्यक्रम में टकराव के कारण व्यस्त अंग्रेजी गर्मियों के बाद, पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) के परामर्श से कार्यक्रम और संरचना की काउंटी द्वारा समीक्षा की गई। जुलाई में हुए मतदान के बाद, सफ़ेद गेंद वाली प्रतियोगिताओं की संरचना में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

अभ्यास मैच से होगा न्यूजीलैंड को लाभ

बेंगलुरु : न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज जेस केर ने कहा कि उनकी टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के पहले मैच से पहले अपने कौशल को निखारने के लिए यहां होने वाले अभ्यास मैचों पर निर्भर है। न्यूजीलैंड की टीम बृहस्पतिवार और शनिवार को क्रमश: भारत ए और भारत की सीनियर टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जिसके बाद एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए वह इंदौर रवाना होगी। केर ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा मुझे लगता है कि यह ज्यादा गेम टाइम की बात है जो हमारे लिए अच्छा है।

बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच में भारत के अभिषेक शर्मा शॉट लगाते हुए। एजेंसी

बांग्लादेश को सुपर 4 में हराकर भारत पहुंचा एशिया कप के फाइनल में

अभिषेक शर्मा और हार्दिक पांड्या की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों ने किया कमाल

दुबई, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (75 रन) के लगातार दूसरे अर्धशतक के बाद स्पिनर कुलदीप यादव (तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से बुधवार को यहां एशिया कप सुपर 4 मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारत लिए अभिषेक ने 37 गेंद में छह चौके और पांच छक्के जड़ित पारी खेली लेकिन अन्य बल्लेबाजों के रन नहीं जुटाने से टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए भी सिर्फ सलामी बल्लेबाज सैफ हसन (69 रन, 51 गेंद, तीन चौके, पांच छक्के) ही एक छोर पर टिके रहे, दूसरे छोर पर विकेट गिरने से पूरी टीम 19.3 ओवर में 127 रन पर सिमट गई जबकि भारतीय टीम ने कैच करने के कई मौके गंवाए। पिछले मैच में श्रीलंका को हराकर बड़ा झटका देने वाली बांग्लादेश के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को इस स्कोर पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम की उम्मीद टूट गई। पर अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बृहस्पतिवार को होने वाला सुपर 4 मैच सेमीफाइनल जैसा ही है जिससे फाइनल में भारत के प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा।

बांग्लादेश के परवेज हुसैन को आउट करने के बाद जश्न मनाते कुलदीप यादव, साथ में कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

अगर बांग्लादेश के बल्लेबाजी प्रदर्शन को देखें तो टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीसरा रोमांचक मुकाबला होना लगभग तय लग रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव (चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट) को समझना बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा जबकि अक्षर पटेल (चार ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) पर चार छक्के जड़े गए। जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट) का भी दिन अच्छा रहा जिससे वह रविवार को होने वाले फाइनल के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे। सैफ ने अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों पर पांच गगनचुंबी छक्के जड़कर उम्मीद बनाए रखी लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें कोई साथ नहीं मिला। अपने स्वप्निल दौर से गुजर रहे अभिषेक शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे लेकिन शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े रिशाद हुसैन के तेज थ्रो से वह रन आउट गए। वहीं दूसरे छोर पर भारतीय बल्लेबाजों ने कुछ खराब शॉट खेले जिसमें शुभमन गिल, तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव शामिल रहे। सूर्यकुमार को कार्यवाहक कप्तान और विकेटकीपर जाकेर अली ने लेग साइड में शानदार कैच आउट किया। टीम प्रबंधन संजू सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष सात में फिट नहीं कर सका। भारतीय टीम ने जहां पहले 10 ओवरों में 96 रन बनाए तो वहीं अगले 10 ओवर में 72 रन ही बना सके जिसमें अक्षर पटेल (15 गेंद में 10 रन) को सैमसन से ऊपर भेजा गया। बांग्लादेश के लिए तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब (चार ओवर में 29 रन देकर एक विकेट) और मुस्तफिजुर रहमान (चार ओवर में 33 रन देकर एक विकेट) ने हमेशा की तरह अपनी गति परिवर्तन वाली गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया। लेकिन लेग स्पिनर रिशाद हुसैन (तीन ओवर में 27 रन देकर दो विकेट) को गिल और शिवम दुबे का विकेट लेने का श्रेय दिया जाना चाहिए। इसमें से दुबे आमतौर पर कलाई के स्पिनरों के अच्छे खिलाड़ी हैं। रिशाद ने पावरप्ले में खराब प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश को मैच में वापसी कराई। भारत ने जब बल्लेबाजी शुरू की तो पावरप्ले के पहले तीन ओवर इतने खास नहीं रहे, लेकिन चौथे ओवर में गिल और अभिषेक ने बाएं हाथ के स्पिनर नासुम अहमद की गेंद पर एक-एक छक्का लगाकर 21 रन बटोरे। अभिषेक ने मुस्तफिजुर की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का जड़ा जो भारतीय डगआउट के पास जाकर उछल गया।

भारत

168/6 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा रन आउट	75
गिल का तंजीम हसन बो रिशाद	29
शिवम दुबे का तौहिद बो रिशाद	02
सूर्यकुमार का जेकर बो मुस्तफिजुर	05
पांड्या का तंजीद बो सैफुद्दीन	38
तिलक वर्मा का सैफ बो तंजीम	05
अक्षर पटेल नाबाद	10

गेंदबाजी : तंजीम हसन साकिब 4-0-29-1, नासुम अहमद 4-0-34-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-33-1, मोहम्मद सैफुद्दीन 3-0-37-1, रिशाद हुसैन 3-0-27-2, सैफ हसन 2-0-7-0

निशानेबाजी का जूनियर विश्व कप आज से

नई दिल्ली : ओलंपियन शॉटगन निशानेबाज रायजा ढिल्लों और एशियाई जूनियर ट्रैप चैंपियन सबीरा हारिस बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 69 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी।

तुगलकाबाद के कर्णी सिंह रेंज में आयोजित होने वाले इस साल के दूसरे और अंतिम जूनियर विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों का लक्ष्य घरेलू सरजमीं पर शीर्ष स्थान हासिल करना होगा। अंडर-21 आयु वर्ग के निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन में 18 देशों के 200 से अधिक निशानेबाजों के खिलाफ अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। ये निशानेबाज 15 ओलंपिक और दो गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में 51 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय निशानेबाज रायजा शीर्ष स्कीट निशानेबाजों में से एक हैं और लीमा में 2021 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह शीर्ष व्यक्तिगत स्थान हासिल करना चाहेंगी।

हार्दिक पांड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा

दुबई, एजेंसी

- स्पिनर वरुण चक्रवर्ती व बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी अपने-अपने वर्ग में शीर्ष पर

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पांड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली।

हार्दिक, अभिषेक व वरुण चक्रवर्ती।

सिडनी थंडर से जुड़ेंगे अश्विन

सिडनी : अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग के आगामी सत्र में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बन जाएंगे। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अश्विन ने थंडर को हामी भर दी है। फ्रेंचाइसी इस सप्ताह के अंत में इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में भी शामिल हुए हैं। चार जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह थंडर से जुड़ सकते हैं। बिग बैश लीग 14 दिसंबर से 18 जनवरी तक होगी।

चोट के कारण मैच के बीच से हटे प्रणय

दुबई, एजेंसी

सुवोन : एचएस प्रणय का कोरिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज की हार के साथ इस प्रतियोगिता में बुधवार को मुख्य ड्रॉ के पहले दिन ही भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

प्रणय इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे, तब क्रॉस-कोर्ट स्मैश खेलते समय उनकी दाहिनी पसली में चोट लग गई। मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद उन्होंने खेल फिर से शुरू किया लेकिन असहज दिखे और 8-16 के स्कोर पर मुकाबले से हटने के लिए मजबूर हो गए। यूएस ओपन सुपर 300 के रूप में मौजूदा सत्र में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय आयुष शेट्टी को चीनी ताइपे के सु ली यांग के खिलाफ 47 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 18-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के लोह कीन यू को कड़ी टक्कर दी।

सूर्यकुमार की टिप्पणी पर शाहीन बोले- यह उनका नजरिया

दुबई, एजेंसी

- सूर्यकुमार ने कहा था -भारत और पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ शाहीन शाह अफरीदी ने सूर्यकुमार यादव के इस बयान पर सीधा जवाब देने से परहेज किया कि भारत के दबदबे के कारण भारत-पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी सुपर चार चरण के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में शाहीन ने सूर्यकुमार के बयान पर पूछे गए सवालों को टाल दिया।

अफरीदी ने कहा यह उसका अपना विचार है, उसे कहने दीजिए। जब हम (रविवार को संभावित एशिया कप फाइनल में) मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या है, क्या नहीं। तब देख लेंगे। हम एशिया कप जीतने आए हैं और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। सूर्यकुमार ने कहा था कि किसी प्रतिद्वंद्विता को वास्तविक मानने के लिए नतीजों का अंतर 12-3 नहीं होना चाहिए, जो फिलहाल टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबालों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत हार का रिकॉर्ड है।

भारत से हारने के बाद टीम का मनोबल नहीं टूटा : हुसैन तलत

अबुधाबी : पाकिस्तान के हरफनमौला हुसैन तलत ने इन अटकलों को खारिज किया है कि भारत से एशिया कप सुपर 4 मैच में हारने के बाद टीम का मनोबल गिरा है। बल्लेबाजी हरफनमौला तलत ने श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है। इसके लिए पाकिस्तान को अब बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को हराना होगा। तलत ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले टीम में कोई मायूसी नहीं थी, लेकिन भारत से सुपर 4 का पहला मैच हारने के बाद किसी को अच्छा नहीं लग रहा था।

एचआईएल नीलामी में हेंडरसन सबसे महंगे बिके

नई दिल्ली : वेदांता कलिंगा लांसर्स ने बुधवार को लियाम हेंडरसन की सेवाएं 42 लाख रुपये में हासिल कीं जिससे यह ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पुरुष मिनी नीलामी में बिकने वाला सबसे महंगा खिलाड़ी बना जबकि युवा भारतीय प्रतिभाओं में विवेक लाकड़ा और अद्रोहित एक्का ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में नीदरलैंड के डिफेंडर सैंडर डी विजन के लिए बोली लगाने की होड़ के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स ने उन्हें 36 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। जर्मनी के थीस प्रिंज को यूपी रुद्राज का प्रभार संभालने वाली एचआईएल संचालन परिषद ने इतनी ही राशि में खरीदा। भारतीय खिलाड़ियों में युवा गोलकीपर लाकड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जिससे उनकी कीमत दो लाख रुपये से बढ़कर 23 लाख रुपये हो गई और आखिर में श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। मिडफील्डर एक्का को ड्रैगन्स ने 11 लाख रुपये में ख़रीदा।

17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग में खेलने के कारण की गई कार्रवाई

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने बुधवार को कहा कि 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर भी शामिल हैं। इसे खिलाड़ियों ने युवराज सिंह के समर्थन वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने के लिए अस्थायी निलंबन बताया है। इस मामले पर अंतिम फैसला 27 सितंबर को अनुशासनात्मक समिति की बैठक के बाद लिया जाएगा।

ओलंपियन और एशियाई टूर विजेता भुल्लर, अमन राज, हरेंद्र गुप्ता, करणदीप कोचर और सचिन बैसोया भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 17 से 19 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आईजीपीएल में खेलने के कारण यह नोटिस जारी किया गया है। आईजीपीएल और पीजीटीआई के चेन्नई ओपन की तारीख एक ही थी और यही विवाद का विषय बन गया है।

जोहल ने कहा कि पीजीटीआई को सदस्यों के बाहर के टूर्नामेंट में खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर वे उसके कैलेंडर के साथ नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा अगर इसकी तारीख हमारे कैलेंडर से इतर होती तो कोई बात नहीं थी, आप खेल सकते हो। लेकिन जब हमारे टूर्नामेंट भी समान तारीख में ही हैं तो हम अपने प्रायोजकों से क्या कहेंगे? जोहल ने पीजीए और डीपी वर्ल्ड टूर जैसे अंतर्राष्ट्रीय दौरों से तुलना करते हुए कहा इसलिए हमने कहा, हमारे टूर्नामेंट के दौरान इन टूर्नामेंटों में नहीं खेलें। लेकिन उनका जवाब है कि हम जब चाहें खेलेंगे। कभी पीजीटीआई, कभी आईजीपीएल। लेकिन आप एक ही समय में दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।

यह नियम है, अगर आप इसका उल्लंघन करते हैं तो जांच होनी चाहिए। हमने उन्हें अपना दृष्टिकोण समझाने के लिए सुनवाई के लिए बुलाया है और उसके बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। आईजीपीएल इसी महीने भारतीय गोल्फ संघ और भारतीय महिला गोल्फ संघ के साथ साझेदारी में शुरू की गई थी। युवराज के नेतृत्व में आईजीपीएल इस साल 11 टूर्नामेंट आयोजित करेगा जिनमें से चंडीगढ़ (10-12 सितंबर) और ग्रेटर नोएडा (17-19 सितंबर) में दो पहले ही आयोजित हो चुके हैं। भुल्लर के करीबी सूत्र ने कहा कि पीजीटीआई का रुख अनुचित है क्योंकि खिलाड़ी किसी भी अनुबंध के अधीन नहीं हैं।

मेरा फोकस अब फ्रीस्टाइल पर अधिक : नटराज

अहमदाबाद : भारत के स्टार बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज ने कहा है कि अब उनका फोकस फ्रीस्टाइल पर अधिक है जिसमें बिना विशेष प्रशिक्षण के उन्होंने प्रभावी प्रदर्शन किया है। नटराज 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक यहां होने वाली एशियाई एक्वाटिक चैंपियनशिप में प्रबल दावेदारों में से एक होंगे। उन्होंने कहा बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है, लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर।

नटराज ने इस साल एफआईएसयू ग्रीष्मकालीन विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 49.46 सेकंड का समय निकालकर एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े का 17 साल पुराना 49.47 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

तैयारी शुरू | अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ को अनुमति नहीं मिलेगी

एशियाई खेलों के लिए कड़े हुए चयन मानदंड

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने 2026 एशियाई खेलों में चयन के लिए कड़े मानदंडों का खुलासा करते हुए कहा कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदार खिलाड़ियों को ही मौका मिलेगा और सरकारी खर्चे पर नहीं जाने के बावजूद अतिरिक्त कोचों और सहयोगी स्टाफ को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

मंत्रालय की वेबसाइट पर बुधवार को डाले गए पांच पन्ने के दस्तावेज में साफ तौर पर कहा गया है कि एशियाई स्तर पर व्यक्तिगत रैंकिंग में शीर्ष छह और टीम खेलों में शीर्ष आठ में रहने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय महासंघ नामांकित कर सकेंगे। एशियाई खेल जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक खेले जाएंगे। मंत्रालय ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदारों को ही बहु खेल टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए मौका मिले। इसमें कहा गया अगर मंत्रालय या भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को पता चला कि पदक जीतने नहीं बल्कि सिर्फ भागीदारी के लिए कोई जा रहा है तो ऐसे खिलाड़ियों और टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया सिर्फ वही खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ भारतीय दल का हिस्सा होंगे जिनका नाम सरकारी खर्च पर जाने के लिए मंजूर किया गया है। इसके अलावा कोई अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच या सहयोगी स्टाफ शामिल नहीं होगा भले ही उसका खर्च सरकार को वहन नहीं करना पड़ रहा हो। अक्सर खिलाड़ी अपने निजी कोचों या सहयोगी स्टाफ को अपने खर्च पर ले जाने की मांग करते हैं जिस पर विवाद होता है।

यह चयन मानदंड राष्ट्रमंडल खेल (जुलाई अगस्त 2026), पैरा एशियाई खेल, एशियाई इंडोर खेल, एशियाई बीच खेल, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेल पर भी लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि नए दिशानिर्देश एक पारदर्शी और न्यायसंगत ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

चयन का आधार एक साल का प्रदर्शन होगा

चयन का आधार पिछले 12 महीने का प्रदर्शन होगा। नई नीति में ओलंपिक या ऐसे अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं हैं जिनमे खिलाड़ी या टीम की भागीदारी संबंधित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर होती है। बयान में कहा गया राष्ट्रीय खेल महासंघ ऐसे खिलाड़ी का नामांकन कर सकते हैं जिसने अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उस खेल की स्पर्धा में पिछले 12 महीने में पिछले एशियाई खेलों में छठे स्थान के प्रदर्शन की बराबरी की हो या उससे बेहतर किया हो। चीन के हांगझोउ में पिछले एशियाई खेलों में जो स्पर्धायें नहीं हुई थी, उनके लिये चयन आगामी एशियाई खेलों से बारह महीने के भीतर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में शीर्ष छह में रहने के आधार पर होगा।